महानगर नई दिल्ली रविवार 16 जून, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

बिहार में चार और बच्चों ने दम तोड़ा

दिमागी बुखार के कहर से अब तक 67 की मौत

पटना/ मुजफ्फरपुर, 15 जून (भाषा)।

मुजफ्फरपुर जिले में हाइपोग्लाइसीमिया के कारण शनिवार को चार और बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस महीने अब तक ऐसी 67 मौतें हो चुकी हैं।

उन्होंने बताया कि सभी बच्चे हाइपोग्लाइसीमिया के शिकार हुए हैं, यह ऐसी स्थिति है जिसमें ब्लड शुगर का स्तर बहुत घट जाता है और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलित हो जाते हैं। इनमें से ज्यादातर बच्चों की उम्र 10 साल से कम थी।

मुजफ्फरपुर के दो सरकारी अस्पतालों – श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसकेएमसीएच) और केजरीवाल अस्पताल में इन 67 बच्चों की मौत हुई है। मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक एसकेएमसीएच में शनिवार को चार बच्चों की मौत बाकी पेज 8 पर

हालात का जायजा लेने मुजफ्फरपुर जाएंगे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

पटना, 15 जून (भाषा)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन बिहार में एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम (एइएस) और जापानी इंसेफलाइटिस (जेइ) के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्थिति का जायजा लेने व समीक्षा करने के लिए रविवार को मुजफ्फरपुर का दौरा करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक यहां के दो बाकी पेज 8 पर

5000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की कवायद

लक्ष्य बड़ा, पर मिलकर हासिल करेंगे : मोदी

नीति आयोग की बैठक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश को 2024 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है, लेकिन राज्यों के साथ संयुक्त प्रयास से इसे हासिल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री की अगुआई में शनिवार को नीति आयोग की संचालन परिषद की पांचवीं बैठक यहां शुरू हुई। बैठक का मुख्य एजंडा सूखे की स्थिति, कृषि क्षेत्र का संकट और संरचनात्मक बदलाव, वर्षा जल संचयन, आकांक्षी जिला कार्यक्रम और नक्सल प्रभावित जिलों में सुरक्षा को लेकर चिंता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में राज्यों के स्तर पर निर्यात में वृद्धि पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्यों के स्तर पर निर्यात पर जोर से आय और रोजगार को गति मिलेगी।

राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री ने की। नई मोदी सरकार के कार्यकाल में यह संचालन परिषद की पहली बैठक है। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। संचालन परिषद के सदस्यों में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, संघ शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, कई केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हैं। इस बैठक में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बाकी पेज 8 पर

नई दिल्ली में शनिवार को नीति आयोग की बैठक को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

नहीं पहुंचे ममता और चंद्रशेखर राव

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को यहां आयोजित नीति आयोग संचालन परिषद की बाकी पेज 8 पर

कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों ने की मनमोहन से चर्चा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून।

नीति आयोग की बैठक से चंद घंटे पहले शनिवार को कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने मनमोहन बाकी पेज 8 पर

डॉक्टरों ने ठुकराई काम पर लौटने की ममता की अपील

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार ने डॉक्टरों की सभी मांगे मानीं

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून।

हड़ताल पर गए पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों ने काम पर लौटने की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अपील को खारिज कर दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि मुख्यमंत्री ने कोई ईमानदार पहल नहीं की है, इसलिए उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। हड़ताल के कारण राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं चरमराने के बीच ममता ने चिकित्सकों से काम पर लौटने की अपील करते हुए कहा कि सरकार ने उनकी सभी मांगें मान ली हैं। लेकिन डॉक्टर उनके एक विवादास्पद बयान को वापस लेने समेत कुछ अन्य मांगों पर अड़े हुए हैं। इससे पहले ममता ने डॉक्टरों और चिकित्सा क्षेत्र के लोगों के नाम खुली चिट्ठी लिखी जिसमें उन्होंने बिंदुवार वादों और उठाए गए कदमों की जानकारी दी। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बंगाल में चिकित्सकों की हड़ताल को लेकर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। यही नहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने ममता सरकार से 2016 से 2019 के बीच हुई राजनीतिक हिंसा को लेकर भी रिपोर्ट मांगी है।

ममता बनर्जी ने खुली चिट्ठी में कोलकाता के अस्पताल में चिकित्सकों के साथ हुई हिंसा की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस मामले में जल्द ही समाधान पर पहुंचा जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के साथ मारपीट दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी सरकार मामला सुलझाने का हर संभव प्रयास कर रही है। हमने डॉक्टरों से बात करने की कोशिश की, लेकिन वादे के बावजूद डॉक्टर बैठक में नहीं आए। इस हड़ताल की वजह से गरीबों का इलाज नहीं हो पा रहा है। अस्पताल में कम से कम इमरजंसी सेवाएं जारी रखनी चाहिए। हम राज्य में एस्मा एक्ट लागू नहीं करना चाहते हैं।

ममता ने कहा कि मैंने शुक्रवार और शनिवार को अपने मंत्रियों, प्रमुख सचिव और पुलिस कमिश्नर को डॉक्टरों से मिलने के लिए भेजा था। शुक्रवार को मैंने पांच घंटे तक जूनियर डॉक्टरों के लिए इंतजार किया और शनिवार को मैंने उनके लिए अपने कार्यक्रम रद्द किए। आपको एक संवैधानिक संस्था का सम्मान करना चाहिए। हमने एक भी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया। हम किसी तरह का बल प्रयोग नहीं करेंगे। स्वास्थ्य सेवाएं इस तरह जारी नहीं रह सकतीं। मैं कोई कड़ी कार्रवाई नहीं करूंगी।' राज्य भर में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों के बाकी पेज 8 पर

हाल-बेहाल

डॉक्टरों की हड़ताल की वजह से कोलकाता में शनिवार को भी मुश्किल में रहे मरीज।

● गृह मंत्रालय ने बंगाल सरकार से हड़ताल व राजनीतिक हिंसा पर रिपोर्ट तलब की

डॉक्टरों से हिंसा के खिलाफ कानून बनाने पर सोचें राज्य : हर्षवर्धन पेज 8 पर »

सीवर साफ करने के दौरान दम घुटने से सात की मौत

वड़ोदरा, 15 जून (भाषा)।

गुजरात के वड़ोदरा जिले में एक होटल में शनिवार को सीवर साफ करने के दौरान दम घुटने से चार सफाईकर्मियों सहित सात लोगों की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि वड़ोदरा शहर से करीब 30 किलोमीटर दूर डभोई तहसील के फर्तिकुई गांव स्थित दर्शन होटल में यह हादसा आधी रात के करीब हुआ। हादसे में मारे गए लोगों में तीन होटल कर्मचारी भी शामिल हैं। जिलाधिकारी किरण झावेरी ने कहा कि सफाईकर्मियों को मैनहोल साफ करने के लिए बुलाया गया था। जब एक सफाईकर्मी मैनहोल से बाहर नहीं आया तो अन्य उसे देखने अंदर गए। सभी की दम घुटने से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही हम मौके पर पहुंचे। वड़ोदरा नगरपालिका का दमकल विभाग और डभोई के स्थानीय निकाय के कर्मियों ने बचाव कार्य शुरू किया। तीन घंटे की मेहनत के बाद बाकी पेज 8 पर

● हादसे में मारे गए लोगों में होटल के तीन कर्मचारी भी शामिल हैं।

नेपाल में कई स्कूलों ने चीनी भाषा मंडारिन को बनाया अनिवार्य

काठमांडो, 15 जून (भाषा)।

चीन की सरकार के नेपाल में मंडारिन भाषा पढ़ाने वाले शिक्षकों के वेतन का भुगतान करने की पेशकश के बाद इस हिमालयी राष्ट्र में कई निजी स्कूलों ने छात्रों के इस भाषा को सीखने को अनिवार्य कर दिया है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब नेपाल में चीन का दखल बढ़ता जा रहा है। खास तौर पर चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट और रोड परियोजना की बाकी पेज 8 पर

ट्रेनों में मालिश की सुविधा का प्रस्ताव वापस लिया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून

वरिष्ठ नेता व पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की कड़ी आपत्ति के बाद रेल मंत्रालय ने ट्रेनों में मालिश की योजना का प्रस्ताव वापस ले लिया है। योजना को लेकर सुमित्रा महाजन ने केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा था और इस पर कई सवाल खड़े किए थे। शनिवार को दक्षिणी रेलवे के माध्यम से बाकी पेज 8 पर

सुमित्रा महाजन व एक सांसद ने लिखी थी रेल मंत्री को चिट्ठी

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा, भारत से बात 'इज्जत और बराबरी' के साथ

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शनिवार को कहा कि उनका देश भारत से 'समानता के आधार पर' और 'सम्मानजनक तरीके से' ही बात करेगा। अब यह भारत सरकार पर है कि वह पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए क्या रुख अपनाती है। हालांकि कुरैशी ने यह इल्जाम भी लगाया कि अपना वोट बैंक बरकरार रखने के लिए मोदी सरकार अभी भी 'चुनावी मुद्रा' में काम कर रही है।

बिश्केक सम्मेलन के बाद पाकिस्तानी टेलीविजन चैनल जियो न्यूज को दिए इंटरव्यू में कुरैशी ने भारत सरकार पर आरोप लगाया किअपने वोट बैंक को बरकरार रखने के लिए भारत सरकार अभी भी चुनाव की सोच से बाहर नहीं आई है। लेकिन पाकिस्तान को जो कहना था, उसने कह दिया है। इसलिए अब भारत को फैसला लेना है। हमें न तो जल्दी है और न ही कोई बाकी पेज 8 पर

● यह भारत सरकार पर है कि वह पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए क्या रुख अपनाती है।

आंधी व हल्की फुहारों से आज मिल सकती है गरमी से राहत

● पश्चिमोत्तर भारत को अगले एक-दो दिन में गरमी और लू से राहत मिलने की उम्मीद है।

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली,15 जून।

तेज गरमी व लू से झुलसती दिल्ली सहित पश्चिमोत्तर भारत को अगले एक दो दिन में राहत मिलने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि रविवार को दिल्ली सहित आसपास के इलाकों व उत्तराखंड में धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। विभाग ने कहा है कि शुष्क पछुवा हवाओं पर सवार चिलचिलाती गरमी से झुलस रहे इस क्षेत्र में अभी तक नमी का स्तर बहुत कम यानी न के बराबर था। लेकिन अरब सागर में आए चक्रवाती तूफान 'वायु' की सक्रियता से चली पश्चिम-दक्षिणी हवाओं से नमी की परत पश्चिमोत्तर भारत में भी पहुंचने लगी है।

इसके साथ ही एक पश्चिमी विक्षोभ का क्षेत्र भी सक्रिय हो रहा है जिसके कारण उम्मीद कर सकते हैं कि बाकी पेज 8 पर

जनसत्ता रविवारी
16 जून, 2019
पानी रे पानी...
गरमी का मौसम शुरू होते ही देश के विभिन्न इलाकों में पानी को लेकर हाहाकार-सी मच जाती है। इसकी बड़ी वजह पानी का ठीक से प्रबंधन न हो पाना है। बता रहे हैं एआर आजाद।
•कहानी/ मनीष वैद्य •संदर्भ/ सोनाली मिश्रा •योग दर्शन/ डॉ. वरुण वीर •शख्सियत/ विष्णु प्रभाकर •दाना-पानी/ मानस मनोहर •सेहत/ रविवारी डेस्क
छुट्टियों को बनाएं मजेदार •मीना
•कविता/ नागेश पांडेय 'संजय'
•कहानी/ गोविंद भारद्वाज

दरअसल

विश्व कप मुकाबलों में भारत से कभी नहीं जीता पाक | **आमने-सामने** | **इस बार अब तक एक भी मैच में भारत को नहीं मिली हार**

भारत-पाक का मुकाबला आज, देश को जीत की आस

संदीप भूषण
नई दिल्ली, 15 जून।

विश्व कप में रविवार को दो परंपरागत प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। यह इस बार के विश्व कप का अब तक का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला है। लिहाजा भारत और पाकिस्तानी प्रशंसकों के साथ ही पूरी दुनिया की नजरें भी इस मुकाबले पर टिकी हैं। इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला हमेशा तानवपूर्ण रहा है। ऐसे में यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि जीत किसके पाले में जाएगी। हालांकि विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि जीत का सेहरा भारतीय टीम के माथे बंधेगा। वैसे भी विराट कोहली की अगुआई वाली टीम अब तक विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ कोई मैच नहीं हारी है।

मैनचेस्टर में खेले जाने वाले इस मुकाबले पर बारिश का भी साया है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश इस मुकाबले को प्रभावित कर सकती है। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले से दो दिन पहले भी वहां बारिश हुई थी, जिससे आइसीसी की चिंता बढ़ गई है। विश्व कप में अब तक चार मैच बारिश की भेंट चढ़ चुके हैं। अगर रविवार के मुकाबले में भी ऐसा होगा तो इस विश्व कप का एक बड़ा रोमांच बारिश में धुल जाएगा।

विश्व कप में विराट कोहली की टीम ने अब तक तीन मैचों में से दो में जीत दर्ज की है। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। इससे उसके खाते में पांच अंक बाकी पेज 8 पर

जीत की उम्मीद में उतरेगा भारत

हम मैदान में जाते हुए रोमांच और उत्सुकता को महसूस कर सकते हैं लेकिन हमारे लिए यह सिर्फ एक मैच होगा, जो हम जीतना चाहेंगे। माहौल को देखते हुए दबाव होगा क्योंकि इस मैच के लिहाज से हमसे कई सारी अपेक्षाएं होंगी लेकिन जैसी ही हम मैदान में जाएंगे हम क्रिकेट पर फोकस करेंगे। - विराट कोहली, कप्तान

विश्व कप में भारत-पाक

कुल मुकाबला	06
भारत जीता	06
पाक जीता	00

इस विश्व कप में भारत

कुल मुकाबला	03
जीत	02
रद्द	01

● मैनचेस्टर में खेले जाने वाले इस मुकाबले पर बारिश का भी साया

● विश्व कप में कोहली की टीम ने अब तक तीन मैचों में से दो में जीत दर्ज की है

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

Information that I,Amit kumar Shaw S/o Raj kumar shaw,R/o.h.no-69 top-floor gupta-house gautam nagar green park Delhi-49. inform that name of mine has been wrongly-mentioned as Amit shaw in my class-10th education documents.the actual name is Amit kumar shaw.which may be amended accordingly. 0040499483-3

I, hitherto known as AKASH SAXENA son,of Vinod Saxena residing at K-11/E SFS Flats Saket,New Delhi-110017 have changed my name and shall hereafter be known as AAKASH SAXENA. 0040499456-1

I,Sunesh @ Sunesh Kumari W/o Hitesh Kumar,R/o 7 Bharat Nagar,Ashok Vihar Ph-4,Delhi-110052,have changed my name Sunesh Sehrawat for future. 0040499498-1

I,Kishen Varma S/o Late Samai Singh Verma, R/o:C2C/13, Pocket-2, Janakpuri, New Delhi-58.Have Changed My Name to Kishan Singh Verma. 0040499478-9

I Jasbir Singh S/O Dayal Singh R/O-1749-B, Street No-5, 3RD Floor,Govind Puri Extn Kalkaji, New Delhi-110019, Have Changed My Minor Daughter's Name Jasmeen Kaur To Jasmine Kaur For All Future Purposes. 0040499456-4

I, Geeta Devi D/O Ballu Ram and,W/O-Rajesh Rana R/O-82,Vidya Vihar West Enclave,Pitampura Delhi-110034,have changed my name to Geeta Rana after marriage. D.O.B 17-09-1971. 0040499498-2

I, Urmila Devi W/O Surender Kumar R/O F-120, 1st-Floor Dilshad-Colony Delhi-110095. Changed My Name To Urmil Garg, For All Purposes. 0040499483-8

I, Sarla Devi D/O Hansraj W/O Subhash Bishnoi H.No-193, Awho, Ambabari, Jaipur, Rajasthan-302023 Have Changed My Name To Sarla Bishnoi. 0040499478-5

I, Santu Lata Yadav D/O R.A.S. Yadav R/O-S-174, Opp-Mother Dairy, Pandav Nagar, Shakar Pur, Delhi-110092 Have Changed My Name To Sanjana Yadav. 0040499478-8

I, Sajjad Hyder son of Mohammad Jamil Qureshi, Resident of,Ward No.11 Losal-Post Losal Dist-Sikar (Rajasthan).have changed my name from Sajjad Hyder to Sajjad Haider vide-Affidavit dated.14-Jun-19 at-New Delhi. 0040499490-6

I, Ruchi W/o Sanjeev Suneja R/o B-13, GF, Saraswati Garden, New Delhi-15 have changed my name to Ruchi Suneja permanently. 0040499490-4

I, Rravindr Singh Kalra S/o Joginder Singh Kalra R/o 5 Gurunanak Market, Freeganj Ujjain, Madhya Pradesh, have changed my name to Arvinder Singh Kalra permanently. 0040499463-3

I, Ritu Rani Gupta W/o Rajesh Kumar R/o H.No.109, 2ndFloor, Pocket-8, Sector-21, Rohini, Delhi-110086,have changed my name to Ritu Singhal. 0040499490-2

I, Rashmi D/o, Raju Kumar Singh R/o Rose Farm, Kills No-21, Mandi, 110047, have changed my name to Rashmi Singh for all purposes. 0040499459-1

I, Rajesh Kumar S/O-Om Parkash R/O-Shop.No-28, Ward.No-04,New Anaj Mandi, Gohana, Haryana-131301,Have Changed My Name To Rajesh Kumar Lathwal For All Future Purposes. 0040499456-3

I, Puneet Jain S/o Adish Kumar Jain R/o-P-51 Gali No.3, Shankar Nagar, Extension Delhi-110051, have changed my minor daughter name from Prakrity Jain(dob-22/03/2005) to Prakriti Jain for all purposes. 0040499483-5

I, Neelam D/O Gariba Ram H. No-24/10, Railway Colony, Delhi Kishanganj, Delhi-110007 Have Changed My Name To Neelam Rani. 0040499478-4

I, Neelam Baniwal D/o Ranjeet Singh W/o Sahdev Dahiya R/o 96 Akash Kunj Sector-9, Rohini, Delhi, have changed my name to Neelam Dahiya permanently. 0040499463-1

I, Monika W/O Madhusudan Shukla, R/O A-35, Annapurna Apartments-145, G.T. Road, Sahibabad, Ghaziabad U.P.201005, Changed My Name To Monika Shukla. 0040499478-10

I Gurpreet Singh Khurana S/O Sh.Manjit Singh Khurana R/O-21/292 Arjan-Vihar Delhi-Cantt, New Delhi-110010 have changed the name of my minor daughter age 10 years name Sambhavana and she shall hereafter be known as Veera Manjit Singh Khurana. 0040499490-5

I Geetika Dudeja R/O.Flat No.653 Gh-14 Near-Bosco Public School Paschim-Vihar Delhi-110087. Changed My Minor Daughter Name Vrinda To Vrinda Dudeja. 0040499478-7

व्यक्तिगत

I, Mohd Adeeb Akbar S/O, Mohd Akbar R/o H.n 3, Quinton Road, Police Station Kaiserbagh, Lucknow UP-226001, have changed my name to Adeeb Akbar for all purposes. 0040499470-2

I, Mohammed Imran R/o H. No.816, Chatta Sheikh Mangloo Jama Masjid, Delhi-110006 have changed the name of my minor son from Syed Adeel Hashmi to Mohd Adil Hashmi. 0040499421-1

I, Moazzama Sultana D/o Basheer Ahmed R/o 486, Shahzada Bagh, Phase-I, Onkar Nagar,Delhi-110035 have changed my name to Munnaza Rehman for all purposes. 0040499306-1

I, Megna Sharma D/o Sunil Sharma R/o 153-A DDA Flats Mansarovar Park Shahdara Delhi-110032 have changed my name from Megna Sharma to Meghna Sharma for all purposes. 0040499422-1

I, Mayank S/o Manjeet Kumar Sharma R/o WZ-77A, Street-09, Ramgarh Colony, N. Delhi-110015 have changed my name to Mayank Sharma. 0040499490-3

I, Madhubala W/o Aman Kumar R/o-D-117, Gali No.3, East Vinod-Nagar, Delhi-110091.have changed my name to Kumari Madhubala for all future purposes. 0040499483-1

I, Lavkesh Choudhary S/o Sh. Gokul Choudhary R/o Ward No. 7, Talwadia, Post - Attar, District Khandwa, have changed my name from Lavkesh to Lavkesh Choudhary for all future purposes. 0040499430-1

I, Kanwar Pal Singh and Kunwar Pal Singh S/o Ganga Dass, R/o W-1/905, Shiv Nagar, Garh Road, Hapur, Uttar Pradesh-245101, are one and same person and known as Kunwar Pal Singh for all purposes 0040499457-1

I, Jeetender Kumar Kampani S/o Ved Prakash Kampani R/o C-2/2367, Vasantkunj, Delhi-110070 have changed my name to Jeetender Kampani. 0040499490-1

I Neetu Kaushik W/O Satish R/O H. NO-494, Village-Mundka, Delhi-110041 Have Changed my Name to Nitu. 0040499478-3

I, Jasmeet Singh Marwah R/o Apt. 101, Tower 11, Paras Tierea, Sector 137, Noida Have Changed My Minor Child's Name From Aliya Marwah To Aliya Kaur Marwah 0070660555-1

I, Dinesh Pal S/o Shri AMI Chand R/o H.No. 60-A, Block-A, OM Vihar, Phase-5, Uttam Nagar, Delhi–110059 hereby solemnly confirm that Dinesh Pal and Dinesh, both are the same person and both are my name for all future purposes. 0040499420-1

I, Anand Kumar Pal S/o Mahender Pal R/o AO-15 Near Prem Bari Underpass Shalimar Bagh, Delhi, have changed my name to Anand Pal permanently. 0040499463-2

I hitherto known as Agnel Shiji K.A Wife of Sabu A.V.and residing at Arrackal House Chackalakkal-Road, Perumanoor (PO), Ernakulam (Distt) Kerala-682015.have changed my name and shall hereafter be known as Shiji Sabu. 0040499483-2

I Yamini D/o Sushil Bansal R/o 171, Shubham Apartments, Pocket-4, Sector- 12 Dwarka New Delhi 110078 Have Changed My Name To Yamini Bansal As Per Affidavit Dated 13.06.2019. 0070660546-1

I Upinder Pal Singh Malhotra S/o Chanan Singh Malhotra R/o.7-E Block-E Chanakya-Place Part-1 UttamNagar New Delhi-110059. have changed my name to Upinder Singh Malhotra. 0040499483-4

I Seema Chouhan W/o Bijender Chauhan R/o-272A Vipin Garden Nawada Uttam Nagar New Delhi-110059 have changed my name to Seema Chauhan. 0040499478-1

I Satish Chander S/O Ram Niwas Vats R/O H. NO-494, Village- Mundka, Delhi-110041 Have Changed my Name to Satish. 0040499478-2

I Satinder Kaur W/o Harminder Singh Vohra R/o-D-41, Rajouri Garden Delhi -27 have changed my name to Satinder Kaur Vohra. 0040499497-1

I Indu Bala W/O Vijay Agarwal R/O-313/90 B Tulsi Nagar Keshav Puram Delhi-110035. Have Changed My Name To Indu Agarwal. 0040499478-6

I Harish Kumar S/o Mohinder Kumar R/o-70A/3 Sayed wara, Old Faridabad Haryana have Changed my Name to Harish Khanna. 0040499285-1

I Shaji S/o Gorge Residence-1C/58 Namdhari-Colony Ramesh-Nagar, New Delhi. That in the Baptism Register of St.Mark's Church 35/41 West PunjabiBagh New-Delhi my wife name is wrongly entered as JESSY instead of KUMARI SHAJI. I want the name corrected as KUMARI SHAJI. 0040499483-6

I, Ashok Kumar s/o Sushil Kumar r/o 227, B-8, Sector-3, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to ASHOK KUMAR. 0040499419-1

I, Brijesh Kumar Rewadia S/o Roshan Lal Rewadia, H. No.1288, Sector-17C, Gurgaon-122001. have changed my name to Brijesh Kumar. 0040499483-7

मेरे शैक्षिक प्रमाणपत्र में मेरे पिता का नाम LAYEEQ AHMAD है, मेरे पासपोर्ट संख्या M-9383374 में पिता का नाम LAIK AHMAD लिखा गया है। सही स्पेलिंग LAYEEQ AHMAD है। मोहम्मद आदिल पुत्र लईक अहमद, 98 चौधरी मोहल्ला कस्बा काकोरी, थाना काकोरी, लखनऊ

IT Is For General Information That I Shiksha W/o Late Manoj Bhardwaj D/o Anant Ram Sharma R/o A- 504, Anmol Apartments, Plot No. 3A, Sec-2, Dwarka, New Delhi-110075, Declare That My Ex Husband Expired On 12th May 2011 And The Death Certificate Was Issued With Registration No. MCDOLIR-0211004354424. Further I Remarried With Prashant Shyngle Vide Marriage Certificate No. 90730000073194 On Dated 06.04.2019 Henceforth Name Of My Minor Son Maadhav Aged About 14 Years May Be Known As Maadha Shyngle And Also The Name Of Father Of My Minor Son May Be Known As Prashant Shyngle In Future For All Purposes. 0070660547-1

CORRECTION OF NAME

I, RUCHIKA PRABHALA, D/o SHARMA SUBRAMANYAM PRABHALA, residing at W - 90, Greater Kailash Part - 1, New Delhi, Delhi, 110048, India, declare that my father name has been wrongly entered as SUNIL PRABHALA in my PAN card. The actual name of my father is SHARMA SUBRAMANYAM PRABHALA which may be amended accordingly. Sworn before Notary **AJAY SETH,** vide affidavit dated **12.6.2019 at NEW DELHI.**

CHANGE OF NAME

I, ADARSH SRIVASTAVA, S/o GIRISH CHANDRA SRIVASTAVA, currently residing at C407, Ceebros Belvedere, Classic Farms Avenue, Sholinganallur, Chennai, Tamil Nadu, 600119, India, having permanent address at C-2032, Sector-6, Rajajipuram, Lucknow, Uttar Pradesh, 226017, India, changed my name from ADARSH to ADARSH SRIVASTAVA vide affidavit dated 5.6.2019 sworn before notary **M. RAMKUMAR at CHENNAI.**

खोया+पाया

It is notified for the information that my Original Passing Certificate of,12th Senior Secondary Examination of year-2013,and Roll No. 5775297,issued by CBSE has been actualy lost.Name of the candidate Amber Johar,Mob-9999936016,R/o-G-119 Jalvayu-Vihar,Sector-25,Noida. 0040499433-1

It is notified for the information that my original qualifying examination certificate/ Marksheet of main secondary, examination of Class-X, Year-2017, Roll No.8694882 issued by CBSE has been actually lost. Sabreen, D/o-Md Sahmad Khan, R/o G-2A-52,Gali No.2A, Janta Enclave, Prem Nagar-III, Kirari-Suleman Nagar, Delhi-110086. 0040499497-5

It is notified for the information that my original qualifying examination certificate, marksheet of main secondary examination of year 2017, Roll No. 8235821, issued by CBSE has been lost. Name: Rohan S/o Ashok Pal, Address: WZ-241/B-1 Inderpuri, New Delhi. 0040499327-1

I, Abhishek Panday s/o Rajendra Kumar Panday R/o-36/71 trilokpuri delhi-110091. Have lost My original certificate class-10th Year-2012 Rollno-8607236 c.b.s.e. Delhi. 0040499490-8

I Neha Singh D/o Sh. Kishan Lal Chanchal R/o 67-B, 3rd Floor, Gali No.6, Kaptan Gali, Wazirabad, Delhi-110084 have lost my original Sale Deed of abovesaid property. Finders may contact at above address. 0040499425-1

I, Puneet munjal s/o kishan lal munjal R/o-A-35/A ramnagar om-vihar uttam-nagar Delhi.have lost my original-certificate class-10th year-2018 Rollno-8210609 c.b.s.e. Delhi. 0040499490-10

I, Sakshi dua, D/o Om parkash dua R/o-146 santnagar east-of-kailash N.D-65.have lost my original-certificate class-10th (2003) Rollno-6114880 class-12th (2005) Rollno-6611873 c.b.s.e. Delhi. 0040499490-9

It is notified for the information that my Original Passing Certificate of,12th Senior Secondary Examination of year-2013,and Roll No. 5775295,issued by CBSE has been actualy lost.Name of the candidate Aakash Johar,Mob-9899551917,R/o-G-119,Jalvayu Vihar,Sector-25,Noida. 0040499433-2

I, Jasmeet kaur D/o Harjeet singh R/o x/800 chand mohalla gandhi-nagar Delhi-31.have lost my original-certificate class-10 year-2017 Rollno-8607896 C.b.s.e. Delhi. 0040499497-4

PUBLIC NOTICE

I, Sushma Aggarwal W/o Mr. Surender Kumar Gupta R/o 3775 Main Road, Pahari Dhiraj , Delhi Owner of CGU096 in DLF Capital Greens Ph-2, Shivaji Marg, ND informs that we have lost the following receipts :-

CG2/CRB/01446/0909
CG2/CRB/00124/1209
CG2/CRB/00067/0510
CG2/CRB/00213/0710
CG2/CRB/00136/0810
CG2/CRB/00230/0611
CG2/CRB/00312/0612
CG2/CRB/00019/0113
CG2/CRB/00351/0413
CG2/CRB/00107/0513
CG2/CRB/00002/0114
CG2/CRB/00080/0114
CG2/CRB/00012/0215

Finder Pls. Contact 9811216485,9810690208

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल जगदीश राय पुत्र स्वर्गीय हंसराज निवासी- 18, सिल्वर पार्क, चन्द्र नगर, दिल्ली- 110051 ने अपने पुत्र विनोद के दुर्व्यवहार व पुत्री रजनी से पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद करके उन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में अपने अच्छे- बुरे कार्यों के लिये वे स्वयं जिम्मेवार होंगे, मेरा मुवक्किल जिम्मेवार नहीं होगा इन्द्र कुमार कथुरिया एडवोकेट

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल सयवद अशफाक हुसैन पुत्र सयवद मुश्ताक हुसैन, निवासी सी 1/99, जी-3, दिलशाद एक्सटेंशन-II, DLF, भौपूरा चौक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश तथा इनकी पत्नी श्रीमती मैमूना ने अपने पुत्र सयवद फैसल तथा उसकी पत्नी श्रीमती सना निवासी सी/1/99, जी-5, दिलशाद एक्सटेंशन-II, DLF, भौपूरा चौक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को उनके गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अगर भविष्य में कोई व्यक्ति उनसे लेन-देन करता है तो उसके लिये स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे मुवक्किल उपरोक्त दोनों के द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिये जिम्मेदार नहीं होगें।

क्यू. एच. खान (अधिवक्ता)
चै. नं. पी-39, पोस्ट ऑफिस लेन, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-54

सार्वजनिक सूचना

सर्वजन को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल विष्णुवती पत्नी स्व. संगत राम निवासी एफ-ब्लॉक, 539, दक्षिण पूरी, नई दिल्ली ने अपने बेटे अजय, उसकी पत्नी रानी एवं अपने पोते साहिल एवं उसकी पत्नी लक्ष्मी को उनके दुर्व्यहार व गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर सम्बंध विच्छेद कर लिए है। इनके किसी कार्य, लेन-देन व व्यवहार के लिए मेरे मुवक्किल या उसके परिजन जिम्मेदार नहीं होंगे अगर कोई व्यक्ति इनसे किसी भी प्रकार का व्यवहार करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसमें मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

Neeraj Deora (Advocate)
Ch. No. 247, Saket Court, New Delhi-17

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किला कमलेश देवी पत्नी स्वर्गीय जगदीश प्रसाद निवासी- 54, न्यू लाहोर, शास्त्री नगर, दिल्ली-110031 ने अपने पुत्र सोनु व पुत्र वधु पिंकी को उनके दुर्व्यवहार के कारण उनसे पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद करके इन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में अपने अच्छे- बुरे कार्यों के लिये वे स्वयं जिम्मेवार होंगे, मेरी मुवक्किला की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी इन्द्र कुमार कथुरिया एडवोकेट

PUBLIC NOTICE

This is to inform the public at large that My clients, Manoj Kumar Malu, son of Shri Nagraj Malu and my wife Smt. Ekta Malu, both resident of BG-113, 3rd Floor, Shalimar Bagh, North West, New Delhi-110088 have disowned their brother Shri Vimal Kumar Malu and his family members namely Smt. Mamta Malu (wife), Nitin Malu (son) and Harshita Malu (daughter), presently residing at A Block, 1/193, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-110052 from their all moveable and immoveable assets and severed all relations with them due to their disobedient and unfaithful behaviour. My clients shall have no relations with them in future. They are restrained to misuse their name and address in future. Any person dealing with them in any manner shall do at his own risk and consequences. My clients shall not be responsible for any act, commission, omission and deals done by Shri Vimal Kumar Malu and his family members in future.

Bharat Bhushan (Advocate)
Ch. No. Y-51, Civil Wing, Tis Hazari Courts, Delhi

PUBLIC NOTICE

This is to inform the public at large that My client, Mamta Malu, wife of Shri Vimal Kumar Malu, presently residing at A Block, 1/193, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-110052 have disowned her husband Shri Vimal Kumar Malu from her all moveable and immoveable assets and severed all relations with him due to his disobedient and unfaithful behaviour. My client shall have no relations with him in future. He is restrained to misuse her name and address in future. Any person dealing with him in any manner shall do at his own risk and consequences. My client shall not be responsible for any act, commission, omission and deals done by Shri Vimal Kumar Malu in future.

Bharat Bhushan (Advocate)
Ch. No. Y-51, Civil Wing, Tis Hazari Courts, Delhi

PUBLIC NOTICE

My client Somnath Dhingra S/o Late Lal Chand Dhingra R/o A-484, Kalkaji, Double Story, New Delhi-110019, have debarred and severed all relations and disowned his son Tarun Dhingra from his all moveable and immovable assets and properties. Whoever deals with him will do so at his / their own risks.

Sunil Kumar Choudhary (Advocate)
Ch. No. 504, Saket Court, New Delhi-17

PUBLIC NOTICE

All concerned are hereby informed through Public Notice that my client **Mrs Sushila Devi,** W/o Mr. Kishan Chand Gupta R/o E-66, Top floor, Kirti Nagar, New Delhi-110015 have disowned and debarred her son Bhushan Gupta S/o Mr. Kishan Chand Gupta and his wife Mrs. Geetika Gupta from all her moveable and immoveable property and cancel all relations with him as the above mentioned son misbehaved and disobey my client's instructions. My client shall not be held responsible for any acts, deed and things in whatsoever in any manner made by him or his behalf. If anyone deals with him shall deal as per his/her own risk, cost and consequences. So he shall have no right or claim in my properties in future.

Madan Gopal Vacher, Adv. Ch.234, Tis Hazari Court, Delhi

PUBLIC NOTICE

I declare that my client namely **Mrs. Davinder Kaur W/o Shri Darshan Lal R/o C-16, Ram Nagar, Om Vihar Phase-1 Uttam Nagar, New Delhi-110059** wants to disown her son's namely **Himanshu and his wife Mrs. Hemlata and his minor son namely Piyush Gandhi,** from self acquired movable and immovable property for future all actions and above statements are true and correct in the best of my knowledge and belief.

Through **ADVOCATE SURVPRIYE**
C-27,Subhash Park, Uttam Nagar, ND-59

PUBLIC NOTICE

It is for general information that **I, Madhu Nallathurai, S/o Late Sh. R. Nallathurai, R/o E-59, Nanakpura, New Delhi-110021,** declare that name of mine has been wrongly written as **MADHU NALLATHU RAI,** in my educational documents and in the other documents. The actual name of mine is **MADHU NALLATHURAI,** respectively, which may be amended accordingly.

अदालती सूचना

IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI
(ORDINARY ORIGINAL CIVIL JURISDICTION)
CS(OS) No.47 /2019
Parishot Garg
....Plaintiff
Versus.
Deepak Garg & Anr.
....Defendants

To
Defendant Nos. 1 & 2
1. Deepak Garg, S/o Late Sh. Pawan Kumar Garg, R/o AG-1/94B, First Floor Vikaspuri, New Delhi-110018
2. Savita Maliwal, D/o Late Sh. Pawan Kumar Garg, R/o AG-I/176-C, Vikas Puri, New Delhi-110018

WHEREAS the above named plaintiff has instituted a suit against you for **PARTITION.**

AND WHEREAS it has been shown to the satisfaction of the Court that it is not possible to serve you in the ordinary way, therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance before the Joint Registrar(Judicial) of this Court on **03.09.2019 at 11:00 a.m.**

Take notice that in default of your appearance on the day above mentioned, the suit will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and the seal of the Court, in terms of order dated 02.05.2019.

seal

Sd/-
Assistant Registrar(O)
for REGISTRAR GENERAL

पानी की किल्लत के विरोध में पटना में शनिवार को बाल्टी लेकर प्रदर्शन करतीं महिलाएं।

प्रचंड गर्मी के कारण 19 तक बंद रहेंगे पटना के स्कूल

पटना, 15 जून (भाषा)।

बिहार सरकार ने शनिवार को कहा कि मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए शहर में सभी स्कूल 19 जून तक बंद रहेंगे।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार पटना के जिलाधिकारी कुमार रवि ने कहा कि बीते कुछ दिनों से लू की स्थिति को देखते हुए पटना के सभी सरकारी व निजी स्कूल 19 जून तक बंद रहेंगे। यह दूसरी बार है, जब जिला प्रशासन ने मौसम की वजह से स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियों को रद्द किया है। इससे पहले नौ जून को जिलाधिकारी ने 16 जून तक स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया था।

तमिलनाडु में आइएस के तीन समर्थक गिरफ्तार

कोयंबटूर (तमिलनाडु), 15 जून (भाषा)।

कोयंबटूर में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत तीन संदिग्ध आइएस समर्थकों को शनिवार गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि मोहम्मद हुसैन, शाहजहां और शेख शफीउल्ला को 13 जून को उनके घरों पर छापेमारी के बाद हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान कुछ डिजिटल उपकरण और आपराधिक दस्तावेज बरामद किए गए।

कुछ दिन पहले ही राष्ट्रीय जांच एजंसी (एनआइए) ने शहर में सात जगहों पर छापा मारा था और आइएस के तमिलनाडु मॉड्यूल के कथित सरगना मोहम्मद अजरूद्दीन को गिरफ्तार किया था, जो श्रीलंका में रविवार को ईस्टर के दिन हुए आत्मघाती बम हमलों के सरगना जाहरान हाशिम का फेसबुक मित्र था।

ऐसी सूचना मिली थी कि ये तीनों आइएस के कट्टर समर्थक हैं और सोशल मीडिया पर आतंकवादी संगठन की विचारधारा को प्रसारित करते हैं। यह भी सूचना थी कि ये तीनों श्रीलंका में रविवार को ईस्टर हमले के सरगना के समर्थक हैं तथा यहां भी आतंकवादी हमलों की साजिश रच रहे हैं। इसी के आधार पर उनके घरों पर छापा मारा गया था।

> ये तीनों आइएस के कट्टर समर्थक हैं और सोशल मीडिया पर आतंकवादी संगठन की विचारधारा को प्रसारित करते हैं। यह भी सूचना थी कि ये तीनों श्रीलंका में रविवार को ईस्टर हमले के सरगना के समर्थक हैं और यहां भी आतंकवादी हमलों की साजिश रच रहे हैं।

उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धाराओं 18, 38 और 39 के तहत मामला दर्ज किया गया। तीनों आरोपियों को मेडिकल जांच के लिये सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में प्रधान जिला न्यायाधीश आर. शक्तिवेल के घर पर उनके समक्ष पेश किया गया।

रिक्त स्थान

Urgent requirement for Telecaller, HR, Team Leader, Counsellor in Noida. Contact 011-41547675, 7550666466 0040499462-1

PUBLIC NOTICE

This is to inform the public at large that My clients, Mr. Nagraj Malu, son of Late Shri Chhagan Mal Malu and my wife Smt. Saroj Devi Malu, both resident of BG-113, 3rd Floor, Shalimar Bagh, North West, New Delhi-110088 have disowned their son Shri Vimal Kumar Malu and his family members namely Smt. Mamta Malu (wife), Nitin Malu (son) and Harshita Malu (daughter), presently residing at A Block, 1/193, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-110052 from their all moveable and immoveable assets and severed all relations with them due to their disobedient and unfaithful behaviour. My Clients shall have no relations with them in future. They are restrained to misuse their name and address in future. Any person dealing with them in any manner shall do at his own risk and consequences. My Clients shall not be responsible for any act, commission, omission and deals done by Shri Vimal Kumar Malu and his family members in future.

Bharat Bhushan (Advocate)
Ch. No. Y-51, Civil Wing, Tis Hazari Courts, Delhi

PUBLIC NOTICE

My clients SMT. ANISHA BEGAM AND HER HUSBAND SH. MANJOOR ALI BOTH R/O H. NO. 483, POCKET - 5, SECTOR A6, PUNARWAS COLONY, NARELA, DELHI- 110040, has debarred his son LIYAKAT ALI from his/ her property in all respect, due to his criminal acts, misbehavior and negligence attitude towards family. He is residing separately. My clients have no concern in any manners from his son. Any person may deal with them at their own risk and cost.

YASHVANT SINGH (Advocate)
Ch. No. K-53, Tis Hazari Courts, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

This is informed to the general public that Sh. Rajender Kumar Tanwar S/o Sh. Amir Singh Tanwar & his son Sh. Akash Tanwar both R/o Qtr. No. A-4, Transit Hostel, Battery Lane, Civil Lines, Delhi-54, want to purchase third floor front side of property no. A-12/3, Rana Pratap Bagh, Delhi-7 from Sh. Jagdish Nandani S/o Late Sh. Khoob Chand R/o A-12/3, Rana Pratap Bagh, Delhi. If any person having any right, title or interest in respect of the said property is requested to contact me within 7 days from the date of publication of this notice along with the copies of all the documents on the basis of which he claims the said property, failing which any such right, title, interest or claim, if any will be deemed to have been waived and will not be binding on my client.

Dharam Pal Gupta (Advocate)
H-3/102, Sec.-18, Rohini, Delhi-85

PUBLIC NOTICE

Informed to General Public, that my Client SATBIR SINGH S/O SHRI HARPHOOL SINGH R/O B-1/1, TYPE-II, POLICE COLONY, PITAMPURA, DELHI-110034, have severed all the relations from his son SHRI AKSHAY KUMAR aged 25 years S/O SHRI SATBIR SINGH and his wife SMT. MANISHA aged 26 years W/O SHRI AKSHAY KUMAR, as they are disobedient, rude and not under the control of my clients aforesaid. From hereon my clients have debarred their son SHRI AKSHAY KUMAR aged 25 years S/O SHRI SATBIR SINGH and his wife SMT. MANISHA aged 26 years W/O SHRI AKSHAY KUMAR, from all their moveable and immoveable properties & Bank Accounts. If any person, organization, institution does any transaction with them does so at their own risk, for that my clients shall not be responsible in any manner whatsoever.

Sd/-
RAKESH KUMAR
(Advocate)
Enrl. No. D/1141/2004

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

कर्नाटक मंत्रिमंडल में निश्चित तौर पर फेरबदल होगा : दिनेश राव

बंगलुरु, 15 जून (भाषा)।

कर्नाटक में गठबंधन सरकार के मंत्रिमंडल में दो निर्दलीय विधायकों को शामिल किए जाने से कांग्रेस के अंदर बढ़ते असंतोष के बीच पार्टी के प्रदेश इकाई प्रमुख ने शनिवार को कहा कि मंत्रिमंडल में निश्चित तौर पर फेरबदल होगा और इसके लिए कई वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लिया जाएगा।

जद (सेकु)-कांग्रेस गठबंधन सरकार को स्थिरता प्रदान करने के कदम के तहत एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने आर शंकर और एच नागेश को शामिल कर मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। राज्य में 13 महीनों से यह गठबंधन सरकार है। हालांकि, कई वरिष्ठ नेताओं- खासकर कांग्रेस नेताओं के दावों को नजरअंदाज करते हुए इन दोनों निर्दलीय विधायकों को मंत्री बनाया गया है। मंत्री बनने के आकांक्षी व कांग्रेस के कई वरिष्ठ विधायक शुक्रवार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए थे, जिससे पार्टी में असंतोष बढ़ने की खबरों को बल मिला है।

कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख दिनेश गुंडू राव ने कहा कि निश्चित तौर पर मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा। संभवतः छह से आठ महीने में मंत्रिमंडल में फेरबदल की प्रक्रिया शुरू होगी और कई वरिष्ठ नेताओं समेत जिन लोगों को मौका नहीं मिला है, उन्हें विश्वास में लिया जाएगा।

महिला कार्यकर्ता को 'अपशब्द' कहने पर अभिनेता विनायकन पर मामला दर्ज

कलपेट्टा (केरल), 15 जून (भाषा)।

मलयाली अभिनेता विनायकन पर एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता को फोन पर अपशब्द कहने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

कोट्टायम जिले के पमबाडी की रहने वाली महिला की शिकायत पर अभिनेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला का आरोप है कि अभिनेता ने उससे अभद्र तरीके से बात की और जब उसने विनायकन को अप्रैल में एक कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया तब उन्होंने कथित तौर पर उसे अपशब्द कहे। महिला सामाजिक कार्यकर्ता ने इस संबंध में फेसबुक पर पोस्ट लिखा था, जो हाल में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 'थोट्टप्पन' के अभिनेता के खिलाफ धारा 509 (किसी महिला की गरिमा को भंग करने के इरादे से अभद्रता या अपशब्द कहना) और 294 (बी) (अश्लील शब्द कहना) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120 (ओ) (किसी अनजान शख्स को या किसी की इच्छा के विरूद्ध बार-बार फोन कर परेशान करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि महिला ने कोट्टायम में शिकायत दर्ज कराई थी, हालांकि घटना कलपेट्टा से संबंधित होने के कारण मामला यहां के पुलिस थाना को सौंप दिया गया है।

The Indian EXPRESS Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING.

EXPRESS EDUCATION

YDM IAS
Y.D. Misra's IAS

JOIN IAS : 2020-21 PRELIM-CUM-MAIN
GENERAL STUDIES

YD
Means
Success

Begins : 02:30pm. 17th June (Hindi & English Medium)
G.S. MAIN CRASH COURSE
IAS : 2019 (HINDI & ENGLISH MEDIUM)
60 DAYS SPECIAL BATCH
100 Lectures & Explanation
16 G.S. & Essay Tests
Contact for Enquiry : 8929430710/8929630710
Add: 625, 1st Floor Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09 (Near Aggarwal Sweet) Ph:011 4304 5306

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

नशे में धुत व्यक्ति ने भाई और पड़ोसी को मार डाला

नलबाड़ी (असम), 15 जून (भाषा)।

असम के नलबाड़ी जिले में कथित रूप से नशे में धुत एक व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से अपने परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों पर हमला कर दिया, इसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार आरोपी पंकज देव नाथ ने शुक्रवार रात करीब नौ बजे हती नामती गांव में अपने बड़े भाई अजोय देव नाथ और उनके दोस्त चंदन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पंकज ने इसके बाद अपने पिता जगबंधू देव नाथ और उनके बहनोई चांजला देव नाथ पर हमला कर दिया।

ग्रामीण ऊर्जा में विविधता लाने की जरूरत : प्रौद्योगिकी निदेशक

जयपुर, 15 जून (भाषा)।

राजस्थान सरकार के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के निदेशक वी सरवन कुमार ने कहा है कि ग्रामीण इलाकों में घरों तक रोशनी पहुंचाना वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता है, वहीं ग्रामीण ऊर्जा में विविधता लाना भी जरूरी है। वह यहां

मौसम

तापमान - नई दिल्ली

अधिकतम–45.4 डि.से. सूर्योदय– 5:23

न्यूनतम– 29.4 डि.से. सूर्यास्त– 19:20

सबसिडी से खुल सकता है मुफ्त मेट्रो सफर का रास्ता

- महिलाओं को मुफ्त यात्रा सुविधा के लिए जारी है मंथन का दौर
- केंद्र सरकार मानती है कि अलग व्यवस्था से बिगड़ेगी व्यवस्था

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

मेट्रो में महिलाओं की मुफ्त यात्रा के लिए गुलाबी टोकन को 'रेड कार्ड' मिल सकता है। केंद्र सरकार मेट्रो की व्यवस्था में बदलाव करने को लेकर पक्ष में नजर नहीं आ रही है। संभावना जताई जा रही है कि किसी भी नई व्यवस्था से मेट्रो की दक्षता पर प्रभाव होगा। इसके लिए इसकी जगह महिलाओं के खाते में सबसिडी जैसा कोई रास्ता ही अब दिल्ली सरकार की इस योजना को आगे बढ़ा सकता है।

ज्ञात हो कि इससे पूर्व 'मेट्रो मैन' ई श्रीधरन खुद इस व्यवस्था को लेकर गंभीर टिप्पणी कर चुके हैं। मेट्रो परियोजनाओं से जुड़े आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, किराए में छूट की राशि महिलाओं के बैंक खाते में जमा कराने के 'मेट्रो मैन' ई श्रीधरन के सुझाव पर मंत्रालय ने सहमति व्यक्त की है, जबकि मेट्रो परिचालन की मौजूदा व्यवस्था में किसी भी तरह के बदलाव से जुड़े विकल्प पर असहमति जताई है। ऐसे में टोकन की योजना को लेकर केंद्र व राज्य सरकार के बीच एक और विवाद खड़ा हो सकता है। हालांकि 'मेट्रो मैन' के पत्र के बाद दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की तरफ से एक पत्र और भी लिखा गया है। जिसमें दिल्ली सरकार की योजना की बारिकियों को समझाने की कोशिश की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, यह योजना मेट्रो से संबंधित निदेशक मंडल की बैठक में जाएगी। इसमें केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास सचिव की अध्यक्षता वाले निदेशक मंडल में केंद्र और दिल्ली सरकार के चार प्रतिनिधि होंगे। जो इस नई व्यवस्था पर आखिरी निर्णय लेंगे। मंत्रालय का स्पष्ट तौर पर मानना है कि सुचारू रूप से चल रही मौजूदा व्यवस्था में किसी तरह के बदलाव का मेट्रो परिचालन पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि भविष्य में अन्य शहरों में भी ऐसी मांग उठ सकती है, इसलिए सरकार चाहती है कि इसे लागू करने वाली व्यवस्था इतनी पुख्ता और टिकाऊ हो, जिसे एकरूपता के साथ सभी जगह लागू किया जा सके। यह दलील दी जा रही है कि टोकन प्रणाली को भ्रष्टाचार और दुरुपयोग की शिकायतों के कारण बंद करने के कारण दिल्ली मेट्रो में अब स्वचालित टिकट प्रणाली लागू है।

'वसूली गई तय शुल्क की रकम जनता को वापस हो'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

बिजली के बिल में फिक्स चार्ज से दिल्ली वालों से 7000 करोड़ रुपए की वसूली हो चुकी है। राज्यसभा सांसद व भाजपा नेता विजय गोयल ने मांग की कि जनता से वसूले गए इस पैसे को अब जनता को वापस किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने तय शुल्क से आम जनता को मूर्ख बनाया है और इस वजह से दिल्ली की जनता का बिजली बिल लगातार बढ़ रहा है। एक सामान्य घर के बिजली बिल में अब तक 30 फीसद तक इजाफा हो गया है। इस प्रेसवार्ता में आरडब्लूए प्रतिनिधि सौरभ गांधी, बीएस वोहरा, अनिल सूद समेत अन्य प्रतिनिधि भी शामिल थे।

सिख विरोधी दंगे में कमलनाथ की भूमिका की हो जांच : सिरसा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल 1984 के सिख विरोधी दंगे मामले में उनकी भूमिका की दोबारा जांच की मांग पर केंद्रीय गृह मंत्रालय सैद्धातिक रूप से तैयार हो गया है। अब इस बाबत गठित एसआइटी (विशेष जांच दल) मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफ बंद हो चुके मामलों की जांच दोबारा कर सकती है। इस बात का खुलासा शनिवार को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने यहां किया।

सिरसा ने कहा कि गृह मंत्रालय इस बाबत गठित एसआइटी का दायरा बढ़ाने और कमलनाथ की भूमिका की जांच को शामिल करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गया है। इतना ही नहीं इसकी जांच कर रही एसआइटी का कार्यकाल भी 31 जुलाई 2019 तक बढ़ा दिया गया है।

पाकिस्तान के गुरुद्वारे के लिए पोर्टल बनाए सरकार : चंडोक

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

इंडियन वर्ल्ड फोरम के प्रधान महासचिव पुनीत सिंह चंडोक ने शनिवार को मांग की है कि गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों में भारत के दर्शनार्थियों के वीजा सुविधा के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा की तर्ज पर यात्री पोर्टल शुरू किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में चंडोक ने कहा हैं कि गुरु नानक देव को सभी धर्मों व जातियों के लोग सम्मान देते हैं। इस साल गुरु स्राहिब की अर्ध शताब्दी है। इसके मद्देनजर उनसे जुड़े पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों के दर्शन विश्व के तमाम देशों में बसे भारतीय समुदाय के लोग करना चाहता हैं। इसलिए यह मांग और भी अहम हो जाती हैं। चंडोक ने प्रधानमंत्री से कहा है कि सरकार श्रद्धालुओं की जरूरतों व मदद के लिए एक पोर्टल (कैलाश मानसरोवर के पोर्टल की तरह) शुरू करें।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

आंचलिक तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा (आरओएसएआरबी) चतुर्थ तल, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–110008

ई–नीलामी बिक्री सूचना

अचल/चल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अन्तर्गत प्रतिभूत अचल सम्पत्ति की बिक्री

जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी ने निम्नलिखित ऋण खाते में बैंक की बकाया राशि की वसूली के लिए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अधीन जारी की गई सूचना के अनुसरण में और बकाया राशि के भुगतान में असफलता के परिणामस्वरूप निम्नलिखित सम्पत्ति का कब्जा उसको **"जैसी है जहां है आधार, जैसी है जो भी है आधार तथा कोई वापसी नहीं आधार"** बेचने के अधिकार के साथ ले लिया था। अधोहस्ताक्षरी उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अधीन उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त सम्पत्ति की बिक्री द्वारा बैंक की बकाया राशि की वसूली का प्रस्ताव करते हैं। अधोहस्ताक्षरी द्वारा उक्त बिक्री वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए ई–नीलामी प्लेटफार्म के माध्यम से की जाएगी।

अचल/चल सम्पत्तियों का वर्णन

क्र. सं.	शाखा	कर्जदार/गारंटर का नाम	वाहन का स्वामी	वाहन का वर्णन (सभी सम्पत्तियां भौतिक कब्जे में हैं)	बकाया राशि / धारा 13(2) के तहत मांग सूचना की तिथि	सुरक्षित मूल्य / ईएमडी / न्यूनतम बोली वृद्धि राशि	ई–नीलामी की तिथि एवं समय / खाता नंबर आईएफएससी कोड	प्राधिकृत अधिकारी तथा सम्पर्क नंबर
1.	आरओएसएआरबी	श्री जसविन्दर सिंह	सम्पत्ति स्वामी : श्री जसविन्दर सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह	**रजिस्ट्रेशन नंबर** : डीएल 10 सीएस 6849, **रजिस्ट्रेशन तिथि** : 09–04–2015, **दृष्टिबंधन** : बैंक ऑफ बड़ौदा, **वाहन मेक और माडल** : न्यू आई20 मैग्ना डीएसएल, **कलर** : पोलर व्हाइट, **विनिर्माण तिथि** : 03/2015, **वाहन क्लास** : एलएमवी, **प्रयुक्त ईंधन** : डीजल, **सीटिंग क्षमता** : 5	रू. 4,03,448.04 + लागू नहीं किया गया ब्याज और अन्य प्रभार 10–01–2019	रू.2,75,000/– रू.27,500/– रू.10,000/–	**19–07–2019** पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक **खाता नंबर** : 06860400000353 **खाता नाम** : बैंक ऑफ बड़ौदा, आरओएसएआरबी, नई दिल्ली आईएफएससी : BARB0PUSARO पाँचवां वर्ण शून्य है	**श्री एस.पी. सिंह** मो०: 8929031261 011–25781316

नोट : सुरक्षित मूल्य से कम या उसके बराबर की कोई बोली स्वीकार नहीं की जाएगी
बोली जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय – 17–07–2019
सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय – 24–06–2019 से 17–07–2019 तक पूर्वा. 10.00 बजे से अप. 05.00 बजे तक

बिक्री निम्नवर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी :

1. ई–नीलामी **"जैसा है जहां है तथा जो भी है आधार तथा कोई वापसी नहीं आधार"** पर आयोजित की जा रही है।
2. प्राधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान और जानकारी के अनुसार किसी सम्पत्ति पर कोई ऋणभार नहीं है। तथापि इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली देने से पहले, ऋणभार, नीलामी में रखी गई सम्पत्ति(यों) के स्वामित्व तथा सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/बकाया राशियों के संबंध में अपनी स्वतंत्र जांच स्वयं कर लेनी चाहिए। ई–नीलामी विज्ञापन बैंक की कोई वचनबद्धता निर्मित नहीं करता है और न कोई वचनबद्धता या प्रतिनिधित्व करता समझा जाएगा। सम्पत्ति, बैंक को ज्ञात और अज्ञात समस्त विद्यमान और भावी ऋणभारों सहित बेची जा रही है। प्राधिकृत अधिकारी/प्रत्याभूत क्रेडिटर किसी तृतीय पक्ष दावों/अधिकारों/देय राशियों के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
3. नीलामी–सह–बिक्री आधिकारिक पोर्टल https://bob.auctiontiger.net के माध्यम से ई–नीलामी विधि द्वारा की जाएगी।
4. यहां इसमें उपरोक्त अनुसूची में प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के पर्याप्त विवरण सम्मिलित करने हेतु पूरा ध्यान रखा गया है। अतः प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में हुई किसी गलती, गलत–विवरण अथवा चूक हेतु उत्तरदायी नहीं होंगे।
5. इच्छुक बोलीदाताओं को सलाह है कि वे अपनी बोलियां जमा करने तथा ई–नीलामी बिक्री कार्यवाही में प्रतिभागिता करने से पूर्व ई–नीलामी बिक्री हेतु निर्धारित विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए पोर्टल https://bob.auctiontiger.net देख लें तथा वे यहां इसमें उपरोक्त संबंधित सम्पत्ति/सम्पत्तियों हेतु संबंधित प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।
6. प्रतिभूत आस्तियों का विक्रय सुरक्षित मूल्य से कम पर अथवा उसके बराबर के मूल्य पर नहीं किया जाएगा। नीलामी का प्रारम्भ सुरक्षित मूल्य + एक न्यूनतम वृद्धि पर होगा तथा बोलीदाता यहां इसमें उपरोक्त न्यूनतम वृद्धिकारक राशि के साथ अपने प्रस्ताव बढ़ाकर परस्पर बोलीदान करने के लिए स्वतन्त्र होंगे।
7. 10 प्रतिशत धरोहर राशि जमा (ईएमडी) 17–07–2019 को अथवा इससे पूर्व अप. 05 बजे तक एनइएफटी/आरटीजीएस निधि अंतरण/डिमांड ड्राफ्ट (दिल्ली में देय) के माध्यम से नामित खाते, जिसका विवरण उपरोक्त तालिका में कालम 8 में दिया गया है, जिसमें आईएफएससी कोड का 5वां वर्ण '0' (शून्य) है, में जमा करनी होगी।
8. इच्छुक बोलीदातागण जो ईएमडी जमा कर चुके हैं, उन्हें आधिकारिक पोर्टल https://bob.auctiontiger.net पर पोर्टल में उपलब्ध कालमों/फील्ड के अनुसार 17–07–2019 को अथवा इससे पूर्व निम्नलिखित दस्तावेज अपलोड करने होंगे :
   क. ईएमडी जमा करने का साक्ष्य, ख. विधिवत भरा गया बोली प्रपत्र
   ग. भारत सरकार द्वारा जारी **इच्छुक बोलीदाता के फोटोग्राफ एवं आवासीय पता तथा पैन कार्ड की जानकारी से पूर्ण पहचान पत्र की स्वयं सत्यापित सत्य प्रति।** प्रलेखों की मूल प्रति संबंधित प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सत्यापन किए जाने हेतु उपलब्ध करानी होगी।
   घ. बोलीदान प्रक्रिया में प्रतिभागिता करने हेतु लॉगइन आईडी एवं पासवर्ड के निर्गमनार्थ अनुरोध।
   इच्छुक बोलीदातागण पोर्टल https://bob.auctiontiger.net पर अपनी लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड बना सकते हैं। यदि इच्छुक बोलीदाताओं को लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड बनाने, आंकड़ा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई–बोली प्रक्रिया इत्यादि पर प्रशिक्षण लेने के लिए किसी सहायता की आवश्यकता पड़ती है, तो वे
   मैसर्स ई–प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, बी–704–5, वॉल स्ट्रीट–।।, ओरियंट क्लब के सामने, गुजरात कालज रोड के निकट, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद से सम्पर्क कर सकते हैं। सम्पर्क व्यक्ति : श्री राम शर्मा – 06351896834 ई–मेल – delhi@auctiontiger.net, ramprasad@auctiontiger.net, नीतीश झा–7982880393, हेल्पलाइन नंबर : 079–61200295/520/548. हेल्पलाइन ई–मेल आईडी – support@auctiontiger.net.
   वेब पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोडिंग तथा किसी भी सम्पत्ति संबंधित पूछताछ हेतु आप संबंधित प्राधिकृत अधिकारियों से किसी भी कार्यदिवस पर कार्यालय समय के दौरान उपरोक्तानुसार सम्पर्क विवरणों पर सम्पर्क कर सकते हैं।
9. केवल उन बोलीदाताओं को ही ऑनलाइन ई–नीलामी में प्रतिभागिता करने की अनुमति प्रदान की जाएगी जिनके पास वैध प्रयोक्ता आइडी तथा पासवर्ड है तथा जो एनइएफटी/आरटीजीएस/डीडी के माध्यम से ईएमडी के भुगतान की पुष्टि कर चुके हैं। प्राधिकृत अधिकारी के पास किसी अथवा समस्त बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। इसके अलावा, प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए, चाहे जो कुछ भी हो, नीलामी प्रक्रिया के समापन से पूर्व किसी भी समय नीलामी को स्थगित अथवा निरस्त अथवा मुल्तवी या रोकने अथवा नीलामी के नियमों को बदलने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस संबंध में उनका निर्णय अन्तिम होगा।
10. यदि नीलामी के समापन समय के अन्तिम 5 मिनटों में कोई बोली प्राप्त होती है, तो समापन समय स्वतः ही अन्य 5 मिनटों हेतु बढ़ जाएगा।
11. यदि बोलीदान प्रक्रिया के समापन पर कोई अन्य बोली प्राप्त नहीं होती, तो जिस बोलीदाता ने सर्वोच्च राशि (सुरक्षित मूल्य से कम और उसके बराबर नहीं) उद्धृत की है, उसे ही सफल बोलीदाता घोषित किया जाएगा। सफल बोलीदाता को तत्काल अथवा अपने पक्ष में बोली पड़ने के अगले कार्यदिवस को क्रय राशि की 25 प्रतिशत राशि (पूर्व में भुगतान की गई धरोहर राशि सहित) का भुगतान करना होगा। ऐसा करने में विफल होने पर ईएमडी राशि जब्त कर ली जाएगी।
12. विक्रय मूल्य की केवल 25 प्रतिशत राशि जमा करने से ही सफल बोलीदाता अपने पक्ष में विक्रय की अभिपुष्टि प्राप्त करने का अधिकारी नहीं हो सकेगा। विक्रय ई–नीलामी के नियमों एवं शर्तों तथा इस उद्देश्य हेतु प्रतिभूत लेनदार द्वारा पुष्टिकरण के अधीन होगा।
13. यहां इसमें उपरोक्त क्रमांक 10 के अन्तर्गत निर्धारित राशि जमा करने के उपरान्त सफल बोलीदाता को प्राधिकृत अधिकारी के पास शेष विक्रय मूल्य राशि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा विक्रय पुष्टिकरण के 15 (पन्द्रह) दिनों के अन्दर जमा करनी होगी। यदि वह यह राशि जमा करने में विफल होता है, तो पूर्व में उसके द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्राधिकृत अधिकारी सम्पत्ति के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13(4) के नियमों के अन्तर्गत उनको उपलब्ध किसी अथवा अन्य अधिकारों का प्रयोग करने के लिए स्वतन्त्र होंगे।
14. यदि उधारकर्ताओं अथवा गारंटरों की ओर से बैंक द्वारा उपगत समस्त लागतों, प्रभारों और व्ययों के साथ बैंक की देयराशियों का भुगतान विक्रय हेतु निर्धारित तिथि को अथवा इससे पूर्व किसी भी समय कर दिया जाता है, तो तब कोई विक्रय कार्रवाई संचालित नहीं की जाएगी।
15. पंजीकरण प्रभारों, स्टाम्प शुल्क, करों इत्यादि सहित समस्त सांविधिक देयताओं/आनुषंगिक प्रभारों/अन्य देयराशियों का भुगतान क्रेता को वहन करना होगा।
16. विक्रय प्रमाणपत्र उसी नाम से जारी किया जाएगा, जिस नाम से बोली जमा की गई है।
17. बैंक, बैंक को ज्ञात भारग्रस्तताओं को प्रकट कर चुका है। प्राधिकृत अधिकारी अथवा बैंक ई–नीलामी हेतु विचारित सम्पत्तियों के संदर्भ में किसी प्रभार, धारणाधिकार, भारग्रस्तता अथवा सरकार या किसी अन्य को भुग्तेय किसी अन्य देयता हेतु उत्तरदायी नहीं होंगे। इच्छुक बोलीदाताओं को सलाह है कि वे सांविधिक दायित्वों, सम्पत्ति कर के बकाया भुगतान, विद्युत देयताओं इत्यादि सहित सम्पत्ति पर लगने वाली भारग्रस्तताओं के संबंध में अपने स्वयं की स्वतन्त्र पूछताछ कर लें।
18. बोलीदाताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके पास समुचित इंटरनेट कनेक्टिविटी, पॉवर बैक–अप इत्यादि है। बैंक इंटरनेट विफलता, विद्युत विफलता अथवा तकनीकी कारणों अथवा इ–नीलामी को प्रभावित करनेवाले कारणों/आकस्मिक व्ययों के कारण उत्पन्न किसी रुकावट हेतु उत्तरदायी नहीं होगा।
19. बैंक उचित समझे जाने पर किसी एक अथवा अनेक सम्पत्तियों की बोली लगा सकता है।
   बोलीदाताओं को अन्तिम मिनटों अथवा क्षणों में बोलीदान करने की प्रवृत्ति को स्वयं के हित में त्यागना होगा। न ही बैंक और ना ही सेवा प्रदाता विक्रेता की ओर से किसी विफलता/कमी (विद्युत विफलता, इंटरनेट विफलता इत्यादि) हेतु उत्तरदायी होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के क्रम में बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अपेक्षित बैकअप पॉवर आपूर्ति इत्यादि जैसी अनिवार्य व्यवस्थाएं/विकल्प तैयार रखें, ताकि वे किसी आकस्मिक अड़चन से बच सकें और नीलामी में सफलतापूर्वक भाग ले सकें। प्रमाणन प्राधिकरण नियंत्रक (सीसीए) द्वारा जारी नवीन अंतरसक्रियता दिशानिर्देशों के अनुसार इ–प्रोक्योरमेंट एप्लिकेशन हेतु सिक्योर्ड सॉकेट लेयर (एसएसएल) को एक नवीन एल्गोरिदम, एसएचए2 पर उत्पन्न किया गया है। इसके अलावा, इन प्लेटफॉर्मों के लिए लागू डिजिटल सर्टिफिकेट को भी एसएचए2 एल्गोरिदम अनुवर्ती होना होगा। इस हेतु, प्रयोक्ताओं को सुनिश्चित करना होगा कि उनके संबंधित पीसी/लेपटॉप में विंडोज एक्सपी (एसपी3)/विंडोज विस्टा/विंडोज 7 संस्थापित हो। विंडोज एक्सपी सर्विस पैक–3 की स्थिति में, यदि आपको कोई समस्या आती है, तो आप एसएसएल पैच संस्थापित कर सकते हैं, जो कि हमारे इ–नीलामी पोर्टल के डाउनलोड सेक्शन पर उपलब्ध है।

सरफासी अधिनियम के अन्तर्गत बिक्री हेतु कर्जदार/गारंटर/बन्धकदाता को 30 दिन का कानूनी नोटिस

उपरोक्त कर्जदारों/गारंटरों को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वे नीलामी की तिथि से पूर्व अद्यतन ब्याज सहित उपर्युक्तानुसार बकाया राशि का पूर्ण भुगतान कर दें। ऐसा करने में विफल होने पर सम्पत्तियों की नीलामी कर दी जाएगी/उनका विक्रय कर दिया जाएगा तथा शेष बकाया देयराशियां, यदि कोई हुई तो, उनकी वसूली कर्जदारों/गारंटरों से ब्याज एवं लागतों सहित की जाएगी।

स्थान : दिल्ली, दिनांक : 15–06–2019 प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड (पूर्व में ए.यू. फाईनेंसियर्स (इण्डिया) लिमिटेड के नाम से ज्ञात)

रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

सिक्युरिटाईजेशन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग सूचना पत्र

अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी है।''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की''धारा 13(2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी ने ऋण खातों के गैर निष्पादनीय आस्तियों (एन.पी.ए.) होने पर नीचे दी गई तालिका के अनुसार ऋणीयों/सह-ऋणीयों/ गारण्टर बंधककर्ताओं (जिन्हें आगे ऋणी/ऋणीयों के नाम से सम्बोधित किया जायेगा) को 60 दिनों के नोटिस प्रेषित किये थे, नोटिस के अनुसार यदि ऋणी 60 दिनों के भीतर सम्पूर्ण ऋण राशि जमा नही करवाते है तो प्राधिकृत अधिकारी प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधिनियम की धारा 13 उपधारा 4 व 14 के अन्तर्गत कदम उठाने हेतु स्वतंत्र होगा। जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उसे प्रतिभूत आस्तियों का कब्जा लेने की शक्ति तथा उनका विक्रय करना सम्मिलित है। अतः आप ऋणीयों को यह सूचित किया जाता है कि निम्न सूची में दी गई सम्पूर्ण बकाया ऋण राशि भविष्य के ब्याज तथा खर्चो एवं लागतों इत्यादि के साथ 60 दिवस के भीतर जमा करवा दें। इसके अतिरिक्त आप ऋणीयों को यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त 13(13) में निर्दिष्ट सूचना की प्राप्ति के पश्चात प्रतिभूत लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना सूचना में निर्दिष्ट अपनी किन्ही प्रतिभूत आस्तियों को विक्रय द्वारा या पट्टे द्वारा अथवा किसी माध्यम से अन्तरित नहीं करेंगे। ऋणीयों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(8) सपठित नियम 3 (5) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के अनुसार ऋणी अपनी बंधक सम्पत्ति को उसके द्वारा उपगत सभी खर्चो प्रभारों और व्ययों के सहित प्रतिभूत लेनदार द्वारा विक्रय या अन्तरण के लिये नीलामी सूचना के प्रकाशन से पूर्व किसी भी समय भुगतान करके मुक्त करवा सकते है।

ऋणी/सहऋणी/गारन्टर का नाम	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक सम्पत्ति का विवरण
गुलविर सिंह, श्रीमती संगीता रानी (खाता सं.) L9001060115610801	09 मई 2019 ₹1588523 /- रु. पंद्रह लाख अठ्यासी हजार पांच सौ तेईस मात्र 09 मई, 2019 तक	बी-15/3, खसरा नं. 212/1, गांव गोंधला गुजरन खादर, बी-ब्लॉक, गली नं. 5, मैन पुस्ता रोड़, 5 वां पुस्ता, गमरी इक्स्टेन्शन, इलाका शाहदरा, दिल्ली-11053
अजय सिंहा, श्रीमती तनु सिंहा (खाता सं.) LSEST05916-170538115 (L9001060700886329)	09 मई 2019 ₹5182348 /- रु. इक्यावन लाख बयासी हजार तीन सौ अडतालीस मात्र 09 मई, 2019 तक	सम्पत्ति बेरिंग नं. आरजेड-429/3, खसरा नं. 415 एवं 416, नसिरपुर क्षेत्र में कैलाशपुरी कॉलोनी , नई दिल्ली
राज कुमार, श्रीमती रचना नागर जमानतदार/बंधककर्ता : राजेन्द्र सिंह (खाता सं.) L9001060714343251	09 मई 2019 ₹5477380 /- रु. चौवन लाख सतत्तर हजार तीन सौ अस्सी मात्र 09 मई, 2019 तक	प्लॉट नं. 228 खाटोनी खाता नं. 50, खसरा (गठा)नं. 381, गांव सुनपुरा उर्फ सोहनपुर, तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, युपी.
छोटे लाल, श्रीमती माया, काशी राम (खाता सं.) LSEST05616-170507454 (L9001060100881328)	14 मई 2019 ₹597578 /- रु. पांच लाख सतयान्वे हजार पांच सौ अठहत्तर मात्र 13 मई, 2019 तक	प्लॉट नं. 290, खसरा नं. 306, वन्दना एन्कलेव कॉलोनी, खोदा कॉलोनी, गांव-खोदा, परागना लोनी, तहसील एवं जिला - गाज़ियाबाद, युपी.
उमेश कुमार, विपिन, श्रीमती मुकेश देवी, सचिन (खाता सं.) LSGUR02715-160405188 (L9001060100978344)	14 मई 2019 ₹1056407 /- रु. दस लाख छप्पन हजार चार सौ सात मात्र 13 मई, 2019 तक	सम्पत्ति आराजी खसरा नं. 1506/5, 1506/4, हाउस नं. 801/2, वाका मौजा फरिदाबाद, बुद्ध कॉलोनी (नई अहिरवाहा), जिला-फरिदाबाद, हरियाणा
गंगा राम, श्रीमती इन्दिरा शर्मा, विष्णु जमानतदार : सुमीत गोस्वामी (खाता सं.) LSGUR02715-160346117 (L9001060100970896)	14 मई 2019 ₹997531 /- रु. नो लाख सत्तानवे हजार पांच सौ इकत्तीस मात्र 13 मई, 2019 तक	प्लॉट नं. 147, खसरा नं. 14/10/2,11,20/1,15/6/2 गांव-गोछी, तहसील-बल्लभगढ़, जिला-फरिदाबाद
राज कुमार यादव, श्याम लाल यादव, रामकुमार यादव, श्रीमती ललिता यादव,श्रीमती कौशल्या यादव जमानतदार: अमित यादव (खाता सं.) LSDWM02716-170474593 (L9001060100740107)	14 मई 2019 ₹2415519 /- रु. चौबीस लाख पंद्रह हजार पांच सौ उन्नीस मात्र 13 मई, 2019 तक	रेजिडेन्शीयल सम्पत्ति बेरिंग नं. 1319/3, गली नं. 6, राजीव नगर, अधीन खसरा नं. 1897/1/6, मौजे व तहसील एवं जिला-गुड़गांव , हरियाणा
सुमन, कमलेश (खाता सं.) L9001060715014564	20 मई 2019 ₹1894512 /- रु. अठारह लाख चौरानवे हजार पांच सौ बारह मात्र 20 मई, 2019 तक	2 फ्लोर, छत के अधिकार सहित, बेरिंग सम्पत्ति नं. 43 खसरा नं. 655 से 657, 844/605 से 4.5इंच उपर दक्षिणी ओर की दीवार वाला क्षेत्र भी शामिल है जिसे हरिजन कॉलोनी के नाम से भी जाना जाता है, सावन पार्क, गांव-वजीरपुर, दिल्ली-110052
काली चरण, श्रीमती बबली (खाता सं.) L9001060113877817	20 मई 2019 ₹664287 /- रु. छः लाख चौसठ हजार दो सौ सतयासी मात्र 20 मई, 2019 तक	खसरा नं. 212/1/2, ,खेराती नगर, हसवस, अकबरपुर, बेहरमपुर, परगना लोनी, तहसील एवं जिला - गाजियाबाद, युपी
नरेंद्र सिंह यादव, श्रीमती उषा यादव (खाता सं.) LSDWM05616-170538179 (L9001060100745199)	20 मई 2019 ₹228303 /- रु. दो लाख अठाईस हजार तीन सौ तीन मात्र 20 मई, 2019 तक	सम्पत्ति नं. 28/2-सी, नया नं. 205, के आबादी ज्वाला नगर में, गली नं. 4,खसरा नं. 718 के बाहर, इलाका शाहदरा, गांव- चन्दावली उर्फ शाहदरा, दिल्ली
श्रीमती रजनी देवी, ओम प्रकाश (खाता सं.) L9001060114872537	20 मई 2019 ₹1119951 /- रु. ग्यारह लाख उन्नीस हजार नो सौ इक्यावन मात्र 20 मई, 2019 तक	मकान नं. 72/16,खसरा नं. 3412/1, मोसम विहार पसोन्दा, तहसील एवं जिला - गाजियाबाद, युपी. में स्थित है।
शमीम अहमद, श्रीमती शिरीन प्रवीन (खाता सं.) L9001060114352451	20 मई 2019 ₹2135188 /- रु. इक्कीस लाख पैंतीस हजार एक सौ अठाईस मात्र 20 मई, 2019 तक	निर्मित सम्पत्ति बेरिंग नं. बी-352, खसरा नं. 121/1 के बाहर, गली नं. 20, सुभाष मोहल्ला, उत्तरी तरफ घोंदा, गांव-घोंदा गुजरन बागर, उत्तरी तरफ घोंदा, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110053
विनोद कुमार, श्रीमती बबिता (खाता सं.) LSEST05615-160371477 (L9001060100880745)	20 मई 2019 ₹1336977 /- रु. तेरह लाख छत्तीस हजार नो सौ सतत्तर मात्र 20 मई, 2019 तक	मकान नं. 2310, ग्राउण्ड फ्लोर, बिना छत के अधिकार, गली मुंडे वाली, जुलाहां, सदर बाजार, दिल्ली-110006
तरूण श्रीवास्तव, श्रीमती ललीता श्रीवास्तव (खाता सं.) LSRPD05716-170432584 (L9001060701015749)	20 मई 2019 ₹2984178 /- रु. उनतीस लाख चौरासी हजार एक सौ अठत्तर मात्र 20 मई, 2019 तक	संपूर्ण 2 फ्लोर बिना छत के अधिकार सहित बेरिंग मुनि. नं. 17/3393 व 3393-ए के नाम से जाना जाता है खसरा नं. 406/399/7, रंजित नगर पुराना पुसा गेट गांव - शाहदिपुर, नई दिल्ली
आलोक सिंह, कुल्दीप सिंह, श्रीमती अंजली सिंह (खाता सं.) LSDWM05917-180553268 (L9001060713241163)	20 मई 2019 ₹2467570 /- रु. चौबीस लाख सडसठ हजार पांच सौ सत्तर मात्र 20 मई, 2019 तक	सम्पत्ति नं. के-21/57-एफ, खसरा नं. 783, गांव-गॉडा गुजरन खादर, गौतम विहार, इलाका शाहदरा, नई दिल्ली
आशिष विक्रम, भुपेन्द्र विक्रम सिंह, श्रीमती मीणा सिंह जमानतदार: अभिषेक विक्रम (खाता सं.) LSNSP05715-160374228 (L9001060700508873)	20 मई 2019 ₹3639828 /- रु. छत्तीस लाख उनचालीस हजार आठ सौ अठाईस मात्र 20 मई, 2019 तक	सम्पत्ति बेरिंग प्लोट नं. सी-28, ग्राउण्ड फ्लोर बिना छत के अधिकार, रेक्ट नं. 32 खसरा नं. 11, गांव-पोसंगीपुर, कॉलोनी पूर्वी उत्तम नगर के नाम से भी जानी जाती है, नई दिल्ली
कपिल शर्मा, राम चरण शर्मा, संजय कुमार शर्मा, श्रीमती बॉबी देवी, धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, (खाता सं.) LSEST02716-170475301 (L9001060100875845)	20 मई 2019 ₹2578425/- रु. पच्चीस लाख अठत्तर हजार चार सौ पच्चीस मात्र 20 मई, 2019 तक	सम्पत

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	43.4 डि.से.	43.4 डि.से.	43.6 डि.से.	43.6 डि.से.
न्यूनतम	27.8 डि.से.	27.8 डि.से.	27.8 डि.से.	27.7 डि.से.

राजधानी में बिजली और पानी को लेकर हाहाकार

जल बोर्ड कार्यालय पर महिलाओं ने मटके फोड़कर दिखाया गुस्सा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

दक्षिणी दिल्ली में गंभीर पानी संकट है। शनिवार को इसका असर जल बोर्ड के कालकाजी कार्यालय पर साफ नजर आया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रमेश बिधूड़ी की अगुआई में बड़ी संख्या में महिलाएं व स्थानीय लोग पहुंचे और बोर्ड कार्यालय का घेराव किया। इन लोगों ने जल बोर्ड के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाएं खाली मटके लेकर मौके पर पहुंची थीं। उन्होंने मटकों को फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया।

सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली का तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक जा रहा है और लोगों को पीने तक के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने आम जनता को 700 लीटर पानी मुफ्त देने का वादा किया था। इस वजह से लोगों ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार को 67 सीट देकर जिताया था। दिल्ली सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया है और लोगों को भीषण पानी संकट से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक लोगों के घरों तक पानी पहुंचाने के लिए लाइनें नहीं डाली गई हैं और दक्षिणी दिल्ली में जलापूर्ति बढ़ाने के लिए एक भी संयंत्र नहीं लगाया है। हालत यह है कि 'आप' के नेता आम जनता को पानी उपलब्ध कराने की जगह पर टैंकर माफिया को बचा रहे हैं। ये माफिया इलाकों में कई गुना वसूली कर रहे हैं और पानी उपलब्ध करा रहे हैं। इसका सबसे अधिक नुकसान गरीब परिवारों को हो रहा है। उन्होंने बताया कि दक्षिणी दिल्ली में 29 तालाब हैं। इन तालाब को पुनर्जीवित कर दक्षिणी दिल्ली में गिर रहे पानी के स्तर को रोका जा सकता है। दिल्ली सरकार की लापरवाही की वजह से ये तालाब कचराघर बन गए हैं। इनके संरक्षण के लिए दिल्ली सरकार ने कोई काम नहीं किया है। इन तालाब में मानसून का पानी एकत्र करके पानी की उपलब्धता को बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इस भीषण संकट के लिए सीधेतौर पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं क्योंकि जल बोर्ड सीधे उनके अधिकार क्षेत्र में आता है। उधर, विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने भी महिपालपुर में जल बोर्ड के जलाशय निर्माण कार्य की जांच की। उन्होंने बताया कि इस जलाशय के निर्माण का कार्य जनवरी 2017 में शुरू किया गया था और इस कार्य को 30 जून 2017 तक पूरा करना था। तय समयसीमा पूरी हो जाने के बाद भी इस काम को दिल्ली सरकार ने पूरा नहीं किया है। इस वजह से महिपालपुर, रंगपुरी, नांगल देवत, वसंत कुंज, अर्जुन कैंप व वसंत विहार के इलाकों में पानी का संकट है।

भाजपा ने तेज की 'आप' की घेरेबंदी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

लोकसभा चुनाव के बाद से ही आम आदमी पार्टी (आप) पर विपक्ष के हमले तेज हो गए हैं। पानी संकट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'आप' सरकार की घेराबंदी तेज कर दी है और आने वाले दिनों में अस्पतालों की खराब व्यवस्था पर भी दिल्ली सरकार विपक्ष के निशाने पर होगी। शनिवार को भाजपा ने इन सभी समीकरणों की मंत्रणा की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि पानी संकट के मसले पर दिल्ली सरकार केवल राजनीति कर रही है और अब मुफ्त मेट्रो कार्ड से दिल्ली को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भीषण गर्मी के प्रकोप की वजह से पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे लोग मुख्यमंत्री से राहत की उम्मीद लगाए हैं। दिल्ली में टैंकर माफिया का कब्जा है और इस माफिया से दिल्ली सरकार की मिलीभगत है, इसलिए दिल्ली सरकार इस मसले पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। हालत यह है कि दिल्ली की जनता को पीने के लिए स्वच्छ पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है और लोगों को परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। इसलिए आने वाले दिनों में भाजपा 'आप' सरकार की घेराबंदी तेज करेगी। वे शनिवार को पार्टी कार्यालय में चुनाव समीक्षा बैठक में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। इस बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष गौरव खारी भी उपस्थित थे।

सभी विधानसभा में बिजली-पानी संकट को उठाएंगे : शीला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

दिल्ली में बिजली-पानी के संकट पर कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने शनिवार को एलान किया कि पार्टी दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बिजली और पानी के संकट को उठाएगी। इस कड़ी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी शीला दीक्षित की अगुआई में यहां बिजली और पानी की कमी के विरोध में 18 जून को सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस का आरोप है कि 'आप' सरकार इस कमी को दूर करने में विफल रही है।

प्रदेश कांग्रेस के तीनों कार्यकारी अध्यक्ष हारुन यूसुफ, राजेश लिलोठिया और देवेंद्र यादव भी प्रदर्शनों का नेतृत्व करेंगे। सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने इसकी लामबंदी शुरू कर दी है। मंगलवार को कांग्रेसी नेता दिल्ली वालों के साथ 'आप' सरकार से पूछेंगें कि अरविंद केजरीवाल ने इन समस्याओं को हल करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। इसमें आरडब्लूए के लोग भी शिरकत कर रहे हैं।

हारून यूसुफ ने कहा कि गर्मी के दिनों में लोगों को बिजली और पानी की किल्लत से जूझना पड़ता है। यूसुफ ने कहा कि पानी की न केवल गंभीर कमी है बल्कि जितना पानी मिल रहा है, वह भी लोगों के इस्तेमाल के लायक नहीं है। बता दें कि शीला दीक्षित के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल 12 जून को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात कर चुका है और दिल्ली में बिजली-पानी की कमी को ओर ध्यान आकर्षित चुका है, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। लिहाजा दिल्ली वाले सड़क पर उतर रहे हैं। दीक्षित ने केजरीवाल से बिजली के बिलों में लगाए गए शुल्क और पेंशन फंड को तुरंत वापस लेने के लिए भी कहा था क्योंकि बिजली वितरण कंपनियों ने इस मद में अनावश्यक रूप से करोड़ों रुपए जमा किए हैं। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने केजरीवाल से कहा कि या तो वे बिजली उपभोक्ताओं को पैसा लौटाएं या अगले 6 महीनों में दिल्ली वासियों के बिजली बिलों में समायोजित करें। हारुन यूसूफ के मुताबिक, बीते डेढ़ साल में बिजली कंपनियों ने तय शुल्क (फिक्स चार्ज) के नाम 7401 करोड़ रुपए गलत तरीके से वसूले हैं। बकौल दीक्षित पहले नागरिकों की सहूलियत के नाम पर लाखों बिजली के नए मीटर लगवाया किया।

18 जून को सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रदर्शन का फैसला

खबरों में शहर

कर्मचारी आवास में हत्या के मामले में गिरफ्तारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

नई दिल्ली में सांसद निवास के कर्मचारी आवास (सर्वेंट क्वार्टर) में की गई सुरेश की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी अंजु (34) और उसके प्रेमी शिवम ठाकुर (21) को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मामले में एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि उसने मात्र सात हजार रुपए की सुपारी लेकर सुरेश की हत्या की थी। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि बीती सात जून को हत्या की सूचना मिली थी। छानबीन के दौरान पुलिस को सुरेश की पत्नी पर शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर सुरेश की पत्नी ने सच कबूल लिया।

गांधी नगर में घर में घुस कर युवक की हत्या

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक युवक की घर में घुस कर हत्या कर दी गई। युवक की पहचान आसाब आलम (19) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी की माने तो आरोपी ने मृतक के पेट के ऊपरी हिस्से में कोई नुकीली चीज घोंपकर हत्या की है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस लूटपाट के चलते हत्या की बात से इनकार कर रही है। उनका कहना है कि मृतक के पास से उसका फोन व पर्स मिला है।

फर्जी पहचान पत्र से झांसा देने वाला गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

दिल्ली पुलिस ने मयूर विहार थाने से बलात्कार के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पीयूष प्रिय (26) पर फर्जी पहचान पत्र के जरिए खुद को एसीपी बताकर महिलाओं को ठगने का आरोप है। पीयूष खुद को नार्कोटिक्स विभाग का एसीपी बताता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने कई लड़कियों व महिलाओं को मेट्रीमोनियल वेबसाइट और फेसबुक के जरिए ठगा। उसने अलग-अलग नामों से आइडी बना रखी थी। पुलिस ने इसके पास से एसीपी का नकली आइकार्ड, कई नामों के आधार, वोटर आइकार्ड, स्टैंप पेपर व अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं।

आज के कार्यक्रम

सभा संगोष्ठी / प्रदर्शनी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और पेरू दूतावास : पेरू पर प्रदर्शनी, आर्ट गैलरी, मैक्समूलर मार्ग, सुबह 11 बजे से, 18 जून तक।

विविध

इंडिया हैबिटेट सेंटर : नाटक, हैबिटेट वर्ल्ड, लोदी रोड, शाम सात बजे।

डॉक्टरों के संगठन ने उठाई मांग

सिर्फ सुरक्षा नहीं, संसाधनों की कमी दूर करने के बारे में भी सोचें

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली,15 जून।

'सिर्फ सुरक्षा मसला नहीं असली मुसीबत संसाधनों की भारी कमी भी है। इसलिए टिकाऊ समाधान बुनियादी संसाधन दुरुस्त करने के साथ सुरक्षा इंतजाम करने से होगा'। यह कहना है डॉक्टरों के एक संगठन प्रोग्रेसिव मेडिकोस एंड साइंटिस्ट फोरम (पीएमएसएफ) का। संगठन के पदाधिकारी डॉ हरजीत भट्टी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता सरकार व भाजपा दोनों इस मामले का राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि ममता अपने उस बयान को वापस लें जिसमें उन्होंने डॉक्टरों पर आरोप लगाया है कि वे मुसलिम मरीजों को नहीं देखते। भाटी का कहना है कि यह चिकित्सा सेवा की मूलभावना का अपमान है। आइएमए व फोर्डा ने भी यही मांग उठाई है।

कोलकाता में डॉक्टरों के साथ पिटाई के बाद देश के कई हिस्सों में चिकित्सकीय सेवाएं ठप पड़ गई हैं। आंदोलनकारी डॉक्टरों ने ममता बनर्जी से बयान वापस लेने और डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित छह शर्तें रखी हैं। इनमें अस्पतालों के बुनियादी ढांचे को ठीक करना भी शामिल है। हालांकि पूरा मुद्दा डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर कानून बनाने तक सीमित होता दिख रहा है। इस बीच पीएमएसएफ ने एक जारी बयान में मामले के राजनीतिकरण का आरोप लगाया है। फोरम का कहना है कि ममता बनर्जी के असंवेदनशील रवैये की वजह

से स्थिति खराब हुई है। जूनियर डॉक्टरों की वाजिब मांगों का समर्थन करते हुए फोरम ने कहा है कि इस पूरे मामले में स्पष्ट दिख रहा है कि भाजपा इससे राजनीतिक फायदा लेने की कोशिश कर रही है। फोरम ने राजनीतिक दलों व उनकी सरकारों पर लोगों का ध्यान वास्तविक समस्या से हटाने का आरोप लगाया है। फोरम का कहना है कि चाहे केंद्र या फिर राज्य में किसी भी पार्टी की सरकार हो, उनका काम लोगों का ध्यान वास्तविक कारणों से हटाने का है, जबकि मुख्य वजह प्रताड़ित व पीड़ित मरीजों और ज्यादा घंटे काम करने व संसाधनों के अभाव से जूझते डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का है। फोरम ने आरोप लगाया है कि केंद्र और देश की राज्य सरकारों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को अपनी मौत मरने के लिए छोड़ दिया है।

डॉक्टर अड़े, हड़ताल टालने को लेकर कोई फैसला नहीं

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

पश्चिम बंगाल में हिंसा के मामले में डॉक्टरों की मांगों पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आश्वासन के बाद भी दिल्ली समेत अन्य राज्यों में डॉक्टर अड़े हुए हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, एम्स आरडीए, फोर्डा, पीएमएसएफ, डीएमए, सहित तमाम संगठनों ने सोमवार से बेमियादी हड़ताल के फैसले पर कायम रहने की बात कही है। अगर ऐसा हुआ तो सोमवार को स्थिति और बिगड़ सकती है।

इस बीच राजधानी के कई अस्पतालों में हड़ताल की वजह से मरीज भटकते रहे। हालांकि इमरजेंसी सेवाएं जारी थीं व कुछ वैकल्पिक इंतजाम भी किए गए थे लेकिन यह जरूरत के हिसाब से नाकाफी थे। भटकते मरीजों ने पूछा हमारा क्या कुसूर? हड़ताल के चलते करीब 50 हजार मरीज प्रभावित हुए हैं। सैकड़ों मरीजों के आपरेशन शनिवार को भी टल गए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉ आरवी असोकन ने कहा है कि ममता बनर्जी ने केवल कुछ बातें कही है वह भी केवल मौखिक है।

इससे बड़ी बात जो उन्होने भेदभाव का आरोप लगाया है वह डॉक्टरी पेशे का अपमान है। इसलिए उन्हें यह बयान वापस लेकर माफी मांगनी चाहिए। वरना हम देशव्यापी हड़ताल पर कायम हैं। जबकि फेडरेशन आफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉ सुनील अरोड़ा ने कहा कि ममता बनर्जी बिना किसी से मिले मांगे मानने की बात कह रही हैं। जबकि न तो उन्होंने आंदोलनकारियों से मुलाकात की, न आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और न ही वे घायल डॉक्टरों को देखने आईं। ऐसे में उनके मौखिक आश्वासन को हम नहीं मानेंगे। डॉ अरोड़ा ने कहा कि हम रविवार को फोर्डा की आपात आम सभा कर रहे हैं। इसमें हम आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उसके बाद ही कोई घोषणा करेंगे। इससे माना जा रहा है कि संभवतः सोमवार से बेमियादी हड़ताल शुरू हो जाएगी। जिससे मरीजों की मुश्किलें और बढ़ जाएगी। राजधानी दिल्ली के आरएमएल सहित तमाम अस्पतालों में शनिवार को हड़ताल के कारण भारी संख्या में मरीजों को भटकना पड़ा।

रविवार को फोर्डा की होगी आपात आम सभा

सीआइडी सेल के कांस्टेबल के साथ मेस में मारपीट

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

ड्यूटी खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने गए एक सीआइडी सेल के कांस्टेबल के साथ मारपीट का मामला समाने आया है। आरोप मेस के कर्मचारी पर है। कांस्टेबल ने मामले की जानकारी अपने सेल के एक हेड कांस्टेबल और पुलिस को दी है। पुलिस ने कांस्टेबल का आरएमएल अस्पताल में इलाज कराया। कांस्टेबल राकेश कुमार (30) की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, राकेश जिला डोडा, जम्मू कश्मीर में परिवार के साथ रहते हैं। वह जम्मू कश्मीर में 18वीं बटालियन में बतौर कांस्टेबल तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11 जून को वह मेस में खाना खाने के लिए गए थे। आरोप है कि इसी दौरान मेस में तैनात एक एसपीओ (स्पेशल पुलिस ऑफिसर) उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। इस पर उन्होंने एसपीओ से पूछा कि आप किसे गाली दे रहे हो। तो एसपीओ ने कहा कि जो सुन रहा है उसे गाली दे रहा हूं। खाना खाने के बाद जैसे ही वह मेस से बाहर आए एसपीओ ने उनका रास्ता रोका लिया। इसके बाद वह उनके साथ मारपीट करने लगे।

गुमशुदा बच्ची को पुलिस ने चंद घंटों में खोज निकाला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

ग्रेटर कैलाश थाना पुलिस की सतर्कता और एक महिला की समझदारी से घर के बाहर खेलते-खेलते गुम हो गई चार साल की बच्ची को सकुशल बरामद किया और पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त परविंदर सिंह के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब 10:45 बजे जमरूदपुर के संजय कामत और उनकी पत्नी इंदु ग्रेटर थाने पहुंचे और बताया कि उनकी चार साल की बेटी नंदनी घर के पास बाहर खेल रही थी, तभी अचानक से गायब हो गई है। शिकायत पर मामला दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू की गई।

अधिक फीस वसूलने को लेकर 17 स्कूलों पर जुर्माना

नोएडा, 15 जून (भाषा)।

जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों से अत्यधिक फीस वसूलने को लेकर 17 निजी स्कूलों पर 8.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

गौतम बुद्ध नगर जिला प्रशासन ने एक बयान में कहा कि एक लाख रुपए का सबसे अधिक जुर्माना नोएडा के जागरण पब्लिक स्कूल पर लगाया गया है।

अधिकारियों ने बयान जारी कहा कि आठ स्कूलों पर प्रत्येक पर 75,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इनमें सीएलएम पब्लिक स्कूल, गगन पब्लिक स्कूल, ग्रेटर हाइट्स पब्लिक स्कूल, धर्म पब्लिक स्कूल (ये चारों स्कूल ग्रेटर नोएडा में हैं), ग्रैड्स इंटरनेशनल स्कूल, श्री रवि शंकर विद्या मंदिर, कार्ल हूबर (ये तीनों स्कूल नोएडा के हैं) और भंगेल के एसडी पब्लिक स्कूल शामिल हैं। जारी बयान के मुताबिक, स्व-वित्तपोषित स्कूलों के लिए उत्तर प्रदेश शुल्क नियमन कानून 2018 के प्रावधानों के तहत जिला शुल्क नियमन समिति के एक निर्णय के बाद 17 स्कूलों पर कुल 8.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन ने बताया कि नोएडा के विश्व भारती पब्लिक स्कूल पर 50,000 रुपए का, जबकि रामाज्ञा पब्लिक स्कूल पर 20,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन के मुताबिक, छह स्कूलों-रॉकवुड, जी डी गोयनका, मॉडर्न पब्लिक स्कूल, एसेंट इंटरनेशनल, एपीजे इंटरनेशनल और रेयान इंटरनेशनल पर 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

गौरतलब है कि हजारों बच्चों के परिजनों की ओर से निजी स्कूलों में अत्याधिक फीस वसूले जाने की शिकायतों के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सितंबर 2018 में सभी जिलों से ऐसे मामलों का

- एक लाख रुपए का सबसे अधिक जुर्माना नोएडा के जागरण पब्लिक स्कूल पर
- अधिकारियों ने बताया कि आठ स्कूलों पर प्रत्येक पर 75,000 रुपए का जुर्माना

रेस्तरां में चिकन करी नहीं मिली तो युवकों ने चलाईं गोलियां

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

सीमापुरी थाना क्षेत्र में चिकन करी नहीं देने पर कुछ युवकों ने एक रेस्तरां में गोलियां चला दी। गनीमत यह रही कि इस वारदात में किसी को गोली नहीं लगी। वारदात के बाद सभी युवक मौके से फरार हो गए। रेस्तरां मालिक ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके से पुलिस को कारतूस के दो खोखे बरामद हुए। पुलिस ने फिरोज खान (25) की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, फिरोज खान पुरानी सीमापुरी के ए-ब्लॉक में परिवार के साथ रहते हैं। उनका सीमापुरी में ही सलमान चिकन कॉर्नर के नाम से रेस्तरां हैं।

शुक्रवार रात करीब 10:40 बजे चार युवक उनके रेस्तरां पर खाना खाने के लिए आए थे। इस दौरान उन्होंने चिकन करी का आर्डर दिया। कुछ देर बाद उन्होंने दोबारा चिकन करी मांगी। इस पर फिरोज ने उनसे कहा कि चिकन करी खत्म हो गई है। इतना सुनते ही उन्होंने रेस्तरां में हंगामा शुरू कर दिया। वे रेस्तरां का सामान फेंकने लगे। फिरोज ने जब ऐसा करने से रोका तो युवकों ने गोलियां चलानी शुरू कर दी।

दिल्ली में पानी की किल्लत

पानी के टैंकरों के भरोसे प्यास

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 15 जून।

लंबी कतारें, पसीने से तर लोग, रात भर पानी का इंतजार करने की वजह से सूजी हुई निवासियों की आंखें, बड़े-बड़े खाली बर्तन, पानी और टैंकर को लेकर चीखती आवाजें...ये दृश्य दिल्ली के उन इलाकों का है जहां पानी की किल्लत है। एक ओर सूरज की मार तो दूसरी पीने के पानी को तरसते दिल्ली के लोग परेशान हैं। दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं, जहां पर लोग आज भी टैंकरों के भरोसे हैं, लेकिन पर्याप्त संख्या में टैंकरों के नहीं पहुंचने से यहां के निवासियों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि पीने के लिए पानी खरीदना पड़ता ही है। अब अन्य घरेलू कार्यों के लिए भी उन्हें निजी वाहन टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिसके लिए उन्हें मोटी रकम चुकानी पड़ रही है। वहीं, दिल्ली जल बोर्ड के एक अधिकारी का कहना है कि पानी की जरूरत के हिसाब से जलस्रोत नहीं हैं। यह भी एक पानी की समस्या का एक कारण है। वहीं, जानकारों का कहना है कि कई स्थानों पर दिल्ली जल बोर्ड की पाइप लाइनों से हमेशा पानी रिसाव होता है। अगर जल बोर्ड इन रिसाव को बंद कर ले तो लोगों को पानी की किल्लत से छुटकारा मिल सकता है।

यहां है पानी की दिक्कत

अनाधिकृत कॉलोनियां, जेजे कॉलोनी, महिपालपुर, छतरपुर, महरौली, बदरपुर, गौतमपुरी, जैतपुर, मदनपुर खादर, ओखला, जसोला, सोनिया विहार, भजनपुरा, मौजपुर, उत्तम नगर, मोहन गार्डन, नारायाणा, रघुबीर नगर, ख्याला, निहाल विहार, प्रेम नगर, समसपुर जागीर, खिचड़ीपुर, दल्लुपुरा, चिल्ला गांव, गणेश नगर और पाडंव नगर।

वादे पर नहीं हुआ अमल

जल बोर्ड विभाग मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पास है। बावजूद इसके दिल्ली में जलापूर्ति का संकट बरकरार है। बीते पांच जून को बदरपुर विधानसभा के गौतमपुरी में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने स्थानीय लोगों से वादा किया था कि आगामी एक सप्ताह में यहां के निवासियों को पाइप लाइन की मदद से जलापूर्ति की जाएगी। पर 10 दिन बीत जाने के बाद भी गौतमपुरी के निवासियों को पानी की किल्लत से दो-चार होना पड़ रहा है। गौमतपुरी निवासियों का आरोप है कि लोगों को घंटो लाइन में लग कर टैंकरों का इंतजार करना पड़ता है।

यमुना खेल परिसर में नवंबर में रणजी ट्रॉफी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

दिल्ली में नवंबर में रणजी ट्रॉफी आयोजित की जाएगी और यह यमुना खेल परिसर में आयोजित होगी। शनिवार को उपराज्यपाल अनिल बैजल के साथ खेल कैंपस में तैयारियों को लेकर एक बैठक हुई। उपराज्यपाल ने ट्रॉफी के बेहतर आयोजन के लिए विभाग के कर्मचारियों को तैयारियां पूरी करने के आदेश दिए हैं। डीडीए के अधिकारी इस परिसर में चेंजिंग रूम, नई पिच, लाइटिंग, स्टैंड व तीरंदाजी, सिंथेटिक वॉकिंग ट्रेक, कबड्डी आदि मैदान तैयार करेंगे।

डूंडीगल में शनिवार को प्रशिक्षण पूरा होने के बाद जश्न मनातीं एअरफोर्स एकेडमी की फ्लाइट कैडेट

खराब मौसम से सैन्यकर्मियों के शव लाने के प्रयासों में बाधा

ईटानगर/हैदराबाद, 15 जून (भाषा)

अरुणाचल प्रदेश के पर्वतों पर दुर्घटनाग्रस्त हुए भारतीय वायु सेना के विमान में सवार 13 सैन्यकिर्मयों के पार्थिव शरीर लाने के प्रयास शनिवार को खराब मौसम के कारण बाधित हुए। शिलांग में वायुसेना के प्रवक्ता रत्नाकर सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह शुरू हुए बचाव अभियान में दुर्घटनास्थल पर खराब मौसम के कारण कोई प्रगति नहीं हुई। चीता और एएलएच हेलीकॉप्टर तैयार रखे गए हैं और वे मौसम ठीक होने के बाद अभियान शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी इलाके में कम ऊंचाई पर बादल हैं और बारिश हो रही है। वायुसेना अपने जवानों के पार्थिव शरीर लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

इस बीच, वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ ने शनिवार को हैदराबाद में कहा कि एएन-32 विमान हादसे के कारणों का पता लगाकर

वायुसेना प्रमुख ने कहा, हादसे के कारणों का पता लगाकर सुनिश्चित करेंगे कि यह दोबारा नहीं हो

यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसे हादसे फिर नहीं हों। उनकी यह टिप्पणी अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज के इलाके में वायुसेना के विमान का मलबा मिलने के कुछ दिन बाद आई है।

उन्होंने यहां के पास डूंडीगल में वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड से इतर कहा कि हमें फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर मिल गए हैं...हम इस बात की विस्तृत जांच करेंगे कि क्या हुआ और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दुबारा नहीं हो। उन्होंने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश में इलाके बेहद दुर्गम हैं और वहां अधिकतर बादल छाए रहते हैं...जब आप उस क्षेत्र में बादलों वाले ऐसे मौसम में उड़ान भरते हैं, तो वहां दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

रूस निर्मित परिवहन विमान एएन 32 तीन जून की दोपहर असम के जोरहाट से अरुणाचल प्रदेश के मेंचुका के लिए उड़ान भरने के करीब 33 मिनट बाद लापता हो गया था। वायुसेना के एक विमान को मंगलवार को विमान का मलबा सियांग और शी-योमी जिलों की सीमा के समीप 12,000 फुट की ऊंचाई पर मिला।

मध्य प्रदेश में बनेंगी तीन सौ स्मार्ट गोशालाएं

भोपाल, 15 जून (भाषा)।

मध्य प्रदेश के पशुपालन मंत्री लाखन सिंह यादव ने शनिवार को कहा कि कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस नीत प्रदेश सरकार राज्य में तीन सौ स्मार्ट गोशालाएं बनाने के लिए एक विदेशी कंपनी से बातचीत कर रही है।

यादव ने बताया कि हम मध्य प्रदेश में तीन सौ स्मार्ट गोशालाएं बनाने के लिए एक विदेशी कंपनी से बातचीत कर रहे हैं। इसके लिए हम उनसे समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कंपनी प्रति वर्ष मध्य प्रदेश में साठ स्मार्ट गोशालाएं बनाएगी और पांच साल की अवधि में तीन सौ स्मार्ट गोशालाएं बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि ये स्मार्ट गोशालाएं पूरी तरह से वातानुकूलित होंगी और इनके लिए धन जुटाने की खातिर एनआरआइ से संपर्क किया जा रहा है।

रामलला राजनीति का विषय नहीं, शिवसेना ने कहा

अयोध्या, 15 जून (भाषा)।

शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे पिछले साल नवंबर में किया गया वादा पूरा कर रहे हैं कि वे चुनाव बाद यहां फिर आएंगे। उन्होंने रामलला को राजनीति का नहीं बल्कि आस्था का विषय बताया।

राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा, रामलला राजनीति का विषय नहीं हैं बल्कि आस्था का मसला हैं। हमने राम के नाम पर वोट नहीं मांगा और न ही भविष्य में मांगेंगे। जब वह (उद्धव) नवंबर में अयोध्या आए थे तो चुनाव बाद फिर आने का वायदा किया था। वह अपना वादा पूरा कर रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बारे में राउत ने कहा, नरेंद्र मोदी और योगी के नेतृत्व में इसका निर्माण होगा। 2019 का बहुमत राम मंदिर निर्माण के लिए है। राज्यसभा में भी 2020 तक हमारा बहुमत हो जाएगा। उद्धव कल सुबह अयोध्या पहुंचेंगे जबकि 18 नवनिर्वाचित शिवसेना सांसद शनिवार शाम तक पहुंच जाएंगे।

ठाकरे रामलला के दर्शन कर पूजा अर्चना करेंगे। इस साल के अंत में महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव होने हैं।

शिवसेना ने ठाकरे की प्रस्तावित यात्रा का उद्देश्य लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन के लिए भगवान राम का धन्यवाद करना और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की प्रतिज्ञा करना बताया है। पिछले शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामलला का पूजन करने अयोध्या आए थे। अयोध्या के एक संग्रहालय में भगवान राम की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद योगी ने कहा कि यह हर किसी की इच्छा है कि राम मंदिर बने।

केरल से लापता पुलिसकर्मी तमिलनाडु में मिला

कोच्चि, 15 जून (भाषा)।

वरिष्ठ अधिकारी के साथ बहस के बाद लापता हुआ कोच्चि पुलिस का एक क्षेत्र निरीक्षक पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में मिला है।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि कोच्चि सेंट्रल पुलिस स्टेशन के क्षेत्र निरीक्षक वीएस नवास सूचनाओं के मुताबिक तमिलनाडु रेलवे पुलिस को वहां के करुर रेलवे स्टेशन पर मिले हैं। उन्होंने बताया कि केरल पुलिस का एक दल उन्हें लेने तमिलनाडु रवाना हो गया है। बुधवार को वायरलेस सेट को लेकर वरिष्ठ अधिकारी के साथ बहस होने के बाद नवास गुरुवार सुबह से कथित रूप से लापता थे। उनकी पत्नी ने आरोप लगाया था कि वरिष्ठों की मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर वह लापता हुए हैं। नवास की पत्नी ने दावा किया कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका अपमान भी किया।

भाजयुमो नेता की हत्या

जबलपुर, 15 जून (भाषा)।

मध्य प्रदेश के जबलपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के स्थानीय नेता ऋषभ जैन (25) की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। उनकी लाश शुक्रवार शाम शहर के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के स्वर्णद्वारी के पास रेत में दबी मिली।

श्रीनगर के उप महापौर के खिलाफ प्राथमिकी

श्रीनगर, 15 जून (भाषा)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने श्रीनगर के उप महापौर शेख इमरान और जम्मू एंड कश्मीर बैंक के अधिकारियों के खिलाफ सरकारी खजाने को कथित रूप से करोड़ों रूपए का चूना लगाने को लेकर एक मामला दर्ज किया है।

एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। कारोबारी से नेता बने इमरान श्रीनगर नगर निगम के डिप्टी मेयर हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि इमरान जोकि केहवा ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक हैं, ने जम्मू एंड कश्मीर बैंक को नियंत्रित वातावरण (सीए) स्टोरेज की पुलवामा में स्थापना के लिए एक प्रस्ताव दिया था। विभिन्न विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों की एक संयुक्त निरीक्षण टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। परियोजना की अनुमानित लागत 33 करोड़ रुपए थी।

उन्होंने कहा कि बागवानी मिशन के मानदंडों के अनुसार इसमें सबसिडी 16.50 करोड़ रुपए थी। इस प्रस्ताव को बागवानी के एकीकृत विकास संबंधी मिशन की अधिकारप्राप्त निगरानी समिति द्वारा मंजूरी प्रदान की गई।

इसकी मंजूरी के बाद राज्य सरकार ने भी एक समिति गठित की जिसने निरीक्षण किया और कोई बदलाव या संशोधन किए बिना सबसिडी जारी करने की सिफारिश की। उन्होंने कहा कि एसीबी की जांच के दौरान यह पता लगा कि परियोजना की लागत बताई गई लागत से काफी कम थी। एसीबी के अनुसार बैंक के अधिकारियों की मिलीभगत से इस योजना को अंजाम दिया गया।

भारतीय स्टेट बैंक
आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी फरीदाबाद
एससीओ-98, 1ला एवं दूसरा तल, सेक्टर-16 मार्केट, फरीदाबाद,
फोनः 0129-2289222, फैक्सः 0129-2290222

कब्जा सूचना

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी फरीदाबाद के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 6.4.2019 जारी कर ऋणधारक (कों)/गारन्टर(रों) श्री जगपाल सिंह तथा श्रीमती मेमबती, एच.नं. 414, सैनिक कॉलोनी, सेक्टर-49, फरीदाबाद-121001 को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 05.04.2019 को रु. 2,89,627.00 (रुपये दो लाख नवासी हजार छः सौ सत्ताईस मात्र)+6.4.2019 से ब्याज के साथ अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक(कों)/गारन्टर(रों) खाता सं. 61056863683 के माध्यम से इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक(कों)/गारन्टर(रों) तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 7 जून, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों/गारन्टरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय 6.6.2019 को रु. 2,97,413.00 (रुपये दो लाख सत्तानवे हजार चार सौ तेरह मात्र) तथा 7.6.2019 से अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि के लिये भारतीय स्टेट बैंक के चार्ज के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति सं. डी-1151, डबुआ कॉलोनी, एनआईटी, फरीदाबाद, क्षेत्रफल माप 488 वर्ग यार्ड्स।

तिथिः 14.06.2019 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थानः फरीदाबाद **भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी**

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

सीव्यू ईनोवेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	**सीव्यू ईनोवेशन्स प्राईवेट लिमिटेड**
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	7.10.2015
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	आरओसी-दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U32300DL2015PTC286099
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	टी-39 विष्णु गार्डन, नई दिल्ली, वेस्ट दिल्ली डीएल 110018 आईएन
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	14 जून, 2019
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	11 दिस., 19
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल के रूप में कार्यरत है	आनंद चन्द्र स्वैन IBBI/IPA-002/IP-N00162/2017-18/10431
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल का पता एवं ईमेल	एक्स्पो टावर, प्लॉट-1307, फ्लैट-4 (एएवंबी), नंदन कानन रोड, पी.ओ.- कीत, भुवनेश्वर, उड़ीसा-751024 ई-मेलः anand.swain2@gmail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	एक्स्पो टावर, प्लॉट-1307, फ्लैट-4 (एएवंबी), नंदन कानन रोड, पी.ओ.- कीत, भुवनेश्वर, उड़ीसा-751024 ई-मेलः cirpcview@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	28 जून, 2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल द्वारा सुनिश्चित किया गया	लागू नहीं
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफिश्नल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	लागू नहीं
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख) प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	वेबलिंकः http://www.ibbi.gov.in/home/downloads भौतिक पताः लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण (पीठ-II), नई दिल्ली ने 14 जून, 2019 को सीव्यू ईनोवेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। एतद्द्वारा सीव्यू ईनोवेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिशनल के पास 28 जून, 2019 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।

प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष यथा सूचीबद्ध किसी वर्ग में संबंधित वित्तीय क्रेडीटर प्रपत्र सीए में वर्ग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये (वर्ग निर्दिष्ट करें) प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफिश्नलों में से प्राधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पसंद को दर्शाएं

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

हस्ता./-
तिथिः 15.6.2019 आनंद चन्द्र स्वैन
स्थानः भुवनेश्वर अंतरिम प्रस्ताव प्रोफेश्नल

भारतीय स्टेट बैंक
आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी फरीदाबाद
एससीओ-98, 1ला एवं दूसरा तल, सेक्टर-16 मार्केट, फरीदाबाद,
फोनः 0129-2289222, फैक्सः 0129-2290222

कब्जा सूचना

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी फरीदाबाद के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 6.4.2019 जारी कर ऋणधारक (कों)/गारन्टर(रों) श्री चंदन सिंह, पुत्र श्री कुंअर सिंह, निवासी एच.नं. 418, दुर्गा कॉलोनी, सेहतपुर एक्स्टेंशन, दून भारती स्कूल के निकट तथा चेतन मार्केट, फरीदाबाद-121003 को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 05.04.2019 को रु. 4,72,100.00 (रुपये चार लाख बहत्तर हजार एक सौ मात्र)+6.4.2019 से ब्याज के साथ अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक(कों)/गारन्टर(रों) खाता सं. 61044799642 के माध्यम से इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक(कों)/गारन्टर(रों) तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 7 जून, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों/गारन्टरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय 6.6.2019 को रु. 4,55,782.00 (रुपये चार लाख पचपन हजार सात सौ बयासी मात्र) तथा 7.6.2019 से अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि के लिये भारतीय स्टेट बैंक के चार्ज के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का विवरण

प्लॉट नं. 418, दुर्गा एन्क्लेव, सेहतपुर एक्स्टेंशन, फरीदाबाद, क्षेत्रफल माप 75 वर्ग यार्ड्स की सम्पत्ति का ईएम। यह सम्पत्ति चन्दन सिंह, पुत्र कुंअर सिंह के नाम में है।

तिथिः 14.06.2019 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थानः फरीदाबाद **भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी**

इंडियन बैंक Indian Bank
अंचल कार्यालय, विधि विभाग : 2-बी, हबीबुल्लाह स्टेट, 11 महात्मा गाँधी रोड, हजरतगंज, लखनऊ - 226001
फोनः 0522-262277, 2614020. फैक्स नं.: 0522-2230804
ई-मेल : zolucknow@indianbank.co.in

बिक्री सूचना का प्रकाशन
(ई-नीलामी प्रक्रिया के अन्तर्गत)
प्रतिभूति हित अधिनियम (प्रवर्तन नियम) 2002 के तहत प्रतिभूतिकरण और वित्तीय आस्तियों के पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के 6(2) और 8(6) के तहत बिक्री सूचना
अनुसूची
सेवा में, विक्रय हेतु लायी जाने वाली सम्पत्ति का विशिष्ट विवरण निम्नलिखित हैः

क्र. सं.	ऋणियों/जमानतकर्ताओं/बंधककर्ता का नाम एवं पता	बंधक/दृष्टिबंधक सम्पत्तियां-अचल सम्पत्ति (परिसम्पत्ति से सम्बन्धित सभी भाग एवं हिस्सों सहित)	मांग पत्र की तिथि / कब्जा सूचना की तिथि / बकाया धनराशि	आरक्षित मूल्य	ई.एम.डी.	दिनांक, समय और बिक्री का स्थान	पूर्व अवभार
1	**ऋणी/बंधककर्ताः (1) श्री भारत कालरा पुत्र श्री हरमेश कुमार,** मकान नं. बी-175, विवेक विहार, दिल्ली - 110095. **(2) श्रीमती निधी कालरा पत्नी श्री भारत कालरा,** मकान नं. बी-175, विवेक विहार, दिल्ली - 110095. **जमानतकर्ताः श्री करूणेश कुमार शुक्ला पुत्र श्री राधा कृष्ण शुक्ला,** एम-57, संजय गाँधी पुरम, फैज़ाबाद रोड, लखनऊ - 226016. **निर्माता : मेसर्स अफ्टेक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि.** कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत, पंजीकृत ऑफिस एम-57, संजय गाँधी पुरम, फैजाबाद रोड, लखनऊ-226016. **लोन खाता सं. : 6445859804** **शाखा :** लखनऊ शाखा	फ्लैट नं. 109, प्रथम तल, के सभी भाग व खण्ड, (क्षेत्रफल : 2125 वर्ग फीट) एलियास अपटेक रेजिडेन्सी, नगर निगम नं. 498/212 स्थित खसरा नं. 83, 84, 85, 88 एवं 89 का भाग (भूमि का कुल क्षेत्रफल : 4229.08 वर्ग मी.) निकट रेलवे क्रॉसिंग, 10 फैज़ाबाद रोड, महानगर, लखनऊ. **फ्लैट की बाउण्ड्री : पूर्व :** फ्लैट नं. 108, **पश्चिम :** खुली जगह, **उत्तरः** फ्लैट नं. 110, **दक्षिणः** खुली जगह. **कुल भूमि की बाउण्ड्री : पूर्व :** अराजी मोहम्मद फारूख, **पश्चिम :** अराजी राम प्रसाद, **उत्तरः** रेलवे लाइन, **दक्षिणः** काशी प्रसाद का मकान एवं अन्य.	**31.08.2018** **12.06.2019** **₹ 79,79,045/-** दिनांक **28.08.2018** तक + ब्याज व अन्य खर्चे बकाया धनराशि **₹ 85,46,241/-** दिनांक **11.06.2019** तक	₹ 81.13 लाख	₹ 8.12 लाख	**19.07.2019** पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 01.00 बजे तक ई-नीलामी प्रक्रिया को 5 मिनट के गुणक में आवश्यकतानुसार असीमित बार बढ़ायी जा सकती है	कोई नहीं

विषयः उपरोक्त ऋण खाता इंडियन बैंक, लखनऊ शाखा से सम्बन्धित है।
उपरोक्त ऋणी ने **इंडियन बैंक, लखनऊ शाखा** से ऋण सुविधा प्राप्त की थी जिसकी अदायगी अनुसूची में वर्णित बंधक/दृष्टिबंधक सम्पत्ति द्वारा सुरक्षित थी।
उपरोक्त ऋणी बैंक की बकाया राशि की अदायगी में विफल रहे इस कारण से इंडियन बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने **SARFAESI ACT 2002** की धारा 13(2) के तहत ऊपरलिखित तिथि में मांग पत्र को जारी किया जिसमें ऋणी/उधारकर्ता एवं अन्य जो इंडियन बैंक के बकाया राशि की अदायगी के लिए जिम्मेदार है उनको ऊपरलिखित बकाया राशि तथा उस पर आगे के ब्याज एवं खर्चे के भुगतान के लिए कहा गया। ऋणी/उधारकर्ता एवं अन्य मांग पत्र के बावजूद भुगतान करने में विफल रहे। उपरोक्त ऋणी/उधारकर्ता इस मांग पत्र ऊपरलिखित तिथि के बावजूद भुगतान करने में विफल रहे। जिस कारण अद्योहस्ताक्षरी ने अनुसूचि में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ऊपरलिखित तिथि को विधिवत तरीके से लिया हुआ है।
अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार सुरक्षित लेनदार की ओर से अधिग्रहित सम्पत्ति के बकाया धनराशि की प्राप्ति उपरान्त बिक्री को प्रभावी करने का अधिकार है। इसी क्रम में अधोहस्ताक्षरी/प्राधिकृत अधिकारी निम्नलिखित प्रक्रिया के अन्तर्गत अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति की बिक्री प्रायोजित कर सकता है।
बिक्री आम जनता से निविदा/नीलामी के माध्यम से ई-नीलामी मोड के अन्तर्गत प्रस्तावित की गई है।
प्रतिभूति हित अधिनियम (प्रवर्तन नियम) 2002 के तहत प्रतिभूतिकरण और वित्तीय आस्तियों का पुर्ननिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के नियम 6(2), 8(6) एवं 9(1) के तहत बिक्री का नोटिस जारी किया गया है।
उपरोक्त अनुसार बकाया धनराशि एवं इसके साथ भविष्य ब्याज, लागत, अन्य शुल्क च खर्चे।
कृपया ध्यान दें यह 30 दिनों का नोटिस है और अंकित सम्पत्ति का विक्रय अधिनियम के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी द्वारा 30 दिनों के बाद कभी भी बिक्री किया जा सकता है।
ई-नीलामी प्रक्रिया के अन्तर्गत बिक्री दिनांक 19.07.2019 को की जायेगी।
इच्छुक खरीददार सम्बन्धित दस्तावेज व अब तक **EC** अनुसूची में लिखित सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं के खर्चे पर दिनांक **10.07.2019** प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 05.00 बजे तक कर सकते है।
बंधक सम्पत्ति की बिक्री के लिए अनुसूची में अंकित आरक्षित मूल्य और धनराशि निर्धारित की गई है।
नियम व शर्तों के साथ निविदा/बोलीफार्म वेबसाइट https://indianbank.auctiontiger.net से ऑनलाइन प्राप्त किया जा सकता है और सिस्टम/साफ्टवेयर में नियमों का प्रयोग करके 'सील बोली विकल्प' ऑनलाइन गतिविधियों द्वारा पूरा किया जा सकता है। निविदा फार्म एवं नियम व शर्तें दिनांक **13.06.2019** से **18.07.2019** तक प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 04.00 बजे तक वेबसाइट पर उपलब्ध है।
निर्धारित ई.एम.डी. प्रारूप के साथ निविदायें/बोली सभी आवश्यक शर्तों के साथ प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 18.07.2019को अपरान्ह 4.00 बजे तक है।
आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि जैसा की विज्ञापन में छपा है निश्चित है सीलबन्द निविदा बयाना राशि जो कि DD/BPO/RTGS/NEFT फण्ड ट्रांसफर के द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर नहीं जमा होगा तो निरस्त माना जायेगा।
नोडल बैंक खाता सं./आईएफएससी कोड आदि का ऑनलाइन मनी ट्रांसफर निम्न प्रकार से हैः

क्र.सं.	नोडल बैंक खाता नं.	आईएफएससी कोड
1	ई-नीलामी ईएमडी खाता, लखनऊ, जोन का खाता संख्या 6127853725	IDIB000L002

विक्रय सुरक्षित लेनदार की पुष्टि के अधीन, सबसे ऊँची बोलीदाता के पक्ष में प्रदान की जाएगी। प्राधिकृत अधिकारी निविदा/बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित है।
नीलामी/ई-नीलामी प्रक्रिया के पूर्ण होने पर सबसे ऊँची व सफल बोलीदाता को व्यक्तिगत/ई-मेल या अन्य किसी माध्यम से सूचित किया जायेगा और उसे उच्चतम बोली का 25 प्रतिशत, (धरोहर राशि EMD भी सम्मिलित है) तुरन्त अर्थात् उसी दिन अथवा अगले कार्यदिवस तक DD/BPO/RTGS/NEFT/खाता ट्रांसफर और किसी भी फंड ट्रांसफर द्वारा जमा करना होगा अन्यथा उसके द्वारा बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी।
बाकी बचा हुआ मूल्य अगले 15 दिनों में जमा करना या अतिरिक्त समय के लिए लिखित में प्रार्थना देना होगा, यदि बकाया मूल्य निर्धारित समय में जमा नहीं किया गया तो 25 प्रतिशत राशि जब्त कर ली जायेगी।
विक्रय सुरक्षित लेनदार (बैंक) की पुष्टिकरण के अधीन है।
विक्रय "जैसे है जहाँ है" और जैसे है जो भी है" के आधार पर है और कोई अन्य प्रतिनिधित्व बैंक द्वारा किसी भी अन्य भार या वैधानिक दायित्व से मुक्त है।
यह सूचना किसी भी अन्य उपचार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना सुरक्षित लेनदार (बैंक) के लिए उपलब्ध है।
बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि वे हमारी वेबसाइट https://indianbank.auctiontiger.net से ई-नीलामी के सेवा प्रदाता M/s E-Procurement Technologies Limited (Auctiontiger.net, Ahmedabad) से जानकारी व शर्तों के लिए विस्तृत संलग्न प्रपत्र को देखें। **इस प्रक्रिया में सहायता के लिए सम्पर्क करें लैन्डलाइन नं. 079-4023 0821 /826 /827 /800 /816 से 824, ई-मेल आई डीः up@auctiontiger.net, एवं support@auctiontiger.net (शाखा सम्पर्क नं. 0522-2230998)**

दिनांक : 15.06.2019, स्थान : लखनऊ **प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक**

सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड
प्रशासनिक कार्यालयः नं. 24-बी
गांधी नगर, कुम्बाकोनम-612001, फोनः 2402322, 2401622, फैक्सः 0435-2431746

मांग सूचना का प्रकाशन

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना-उपयुक्त अभिस्वीकृति के साथ पंजीकृत डाक से 9.5.2019 को भेजी गई और वह सभी द्वारा लौटा दी गई। अतएव् यह प्रकाशन हैः
सं.1) मै. एन्हान्स प्रोटीन्स लिमिटेड, लेन नं. 1, प्लॉट नं. 5, अंतिम तल, वेस्ट एंड मार्ग, सैदुल्लाजब, दिल्ली-110030 सं. 2) श्री राजीव गोयल, पुत्र श्री अमरनाथ गोयल, बी-14, 2रा तल, एसएफएस फ्लैट्स, साकेत, नई दिल्ली-110017, सं. 3) श्रीमती दीपा गोयल, पत्नी श्री राजीव गोयल, बी-14, 2रा तल, एसएफएस फ्लैट्स, साकेत, नई दिल्ली-110017, साथ हीः श्रीमती दीपा गोयल, पत्नी श्री राजीव गोयल, एस-33, ग्रेटर कैलाश पार्ट-II, 2रा तल, नई दिल्ली-110048, सं. 4) श्री सौभाग्य पंडा, पुत्र श्री श्रीरंग पंडा, मकान सं. 658, गली नं. डी -27 छत्तरपुर पहारी, नई दिल्ली-110074, साथ हीः श्री सौभाग्य पंडा, पुत्र श्री श्रीरंग पंडा, सी-27, मकान सं. 401, छत्तरपुर, 100 फीट रोड, नई दिल्ली-110074, सं. 5) श्री वी. हरिहरण सुब्रमनियन, पुत्र श्री एल. वैद्यनाथन, नं. 9, डी-ब्लॉक एएन, शालीमार बाग, दिल्ली-110082, नं. 6) मै. अवसुम प्रोटीन्स लिमिटेड, 78/3, 2रा तल, जनपथ, नई दिल्ली-110001, नं. 7) श्री मुरलीधर दूबे, अवसुम प्रोटीन्स लिमिटेड के निदेशक, 59/10, लाल क्वार्टर, लोहिया नगर, राणा प्रताप स्कूल, गाजियाबाद, साथ हीः श्री मुरलीधर दूबे, आई-994-सी, गली नं. 22, रतनगी पब्लिक स्कूल, सौरभ विहार, हरि नगर एक्स्टेंशन, जैतपुर, हरिनगर, दिल्ली-110044
प्रिय महोदय/महोदया,
विषयः मै. एन्हान्स प्रोटीन्स लिमिटेड के नाम में सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड, नई दिल्ली-जनकपुरी शाखा में ऋणखाता/ओवरड्राफ्ट
बैंक ने सरफैसी अधिनियम के अंतर्गत 09.05.2019 को सूचना जारी कर आप सं. 1,2,3 एवं 7 को संयुक्त तथा पृथक रूप से ऋण खाता 208120000141572 में रु. 16,96,00,513/-(रुपये सोलह करोड़ छियानवे लाख पाँच सौ तेरह मात्र) एवं आप में सं. 2 एवं 3 को संयुक्त तथा पृथक रूप से ऋण खाता 208012002666520 में रु. 1,96,89,016/-(रुपये एक करोड़ छियान

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

विरासत में मिली अर्थव्यवस्था

श्रीमती निर्मला सीतारमण ने जिस तेजी से तरक्की की है, उसकी मैंने तारीफ की है। पार्टी प्रवक्ता (2010) से वे 2014 में वाणिज्य मंत्री बनीं और दिसंबर 2017 में रक्षा मंत्री और अब इस बार 2019 में वे देश की वित्तमंत्री बनी हैं। उनकी हरेक तरक्की एक उपलब्धि रही है। इससे और ज्यादा महिलाओं को यह साबित करने की प्रेरणा मिलनी चाहिए कि वे पुरुषों से कहीं कम सक्षम नहीं हैं।

किसी भी वित्तमंत्री के लिए शुरुआत बिल्कुल नए सिरे से नहीं होती है। पिछली सरकार की कमियों और असफलताओं का मिलाजुला रूप नए वित्तमंत्री के सामने होता है, इनमें कुछ मददगार होती हैं तो कुछ नुकसानदायक, कुछ मुश्किलें पैदा करती हैं और कुछ रोड़े अटकाती हैं! पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. अरविंद सुब्रमनियन वृद्धि दर के आंकड़ों को लेकर संशय व्यक्त कर चुके हैं और जीडीपी गणना के तरीकों की लंबे समय से आलोचना करते रहे हैं। इस पछतावे के लिए काफी देर हो चुकी है। इसे एक तरफ कर दें, और बिना किसी पूर्वाग्रह के आर्थिक हालत का जायजा लें। यहां कुछ तथ्य और संकेतक दिए जा रहे हैं।

मुद्रास्फीति कम, पर वृद्धि धीमी

मुद्रास्फीति की दर कम है। थोक मूल्य सूचकांक 3.07 फीसद पर है और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 3.05 फीसद पर। जरूरत से ज्यादा सख्त मौद्रिक नीति और वस्तुओं के दाम कम होने के कारण मुद्रास्फीति दर कम है, लेकिन दोनों बदल रहे हैं। मुद्रास्फीति जितने लंबे समय तक कम बनी रहेगी, सरकार का खर्च बढ़ सकता है, लेकिन क्या पैसा है?

2018-19 में वृद्धि दर में काफी तेजी से गिरावट आई है। चार तिमाहियों में यह 8.0, 7.0, 6.6 और 5.8 फीसद रही। अप्रैल-जून 2019 की तिमाही में संभवतया यह और नीचे आएगी। कम वृद्धि का अनुमान लगाते हुए ही रिजर्व बैंक ने 2019-20 के लिए वृद्धि दर 7.2 फीसद रहने की भविष्यवाणी की है।

2018-19 में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 2.9 फीसद रही। 2018 में कृषि मजदूरी में 4.64 फीसद का इजाफा हुआ। हर साल दस हजार से ज्यादा किसान आत्महत्या कर रहे हैं। इस साल अकेले महाराष्ट्र में ही अब तक आठ सौ आठ किसान खुदकुशी कर चुके हैं। किसान अब और उपेक्षा बर्दाश्त नहीं करेंगे।

निवेश नदारद

वृद्धि को बढ़ाने वाला सबसे प्रमुख कारक निवेश है। 2018-19 में भारत में आने वाला निवेश पिछले छह साल में पहली बार एक फीसद तक गिर कर 44.37 अरब अमेरिकी डॉलर पर आ गया। पिछले साल सकल स्थायी पूंजी निर्माण (चालू मूल्यों पर) 29.3 फीसद रहा था। प्रोमोटर निवेश करने से बच रहे हैं, क्योंकि क्षमता का इस्तेमाल काफी कम रह गया है, उदाहरण के लिए, विनिर्माण क्षेत्र में यह छिहत्तर फीसद था।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआइआइ) ने भी 2018-19 में अपना काफी पैसा निकाल लिया। पिछले साल शुद्ध एफआइआइ निवेश 358.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर के साथ ऋणात्मक रहा।

विनिर्माण क्षेत्र में मंदी छाई है। विनिर्माण के लिए 2015-16 और 2018-19 के दौरान औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) में वृद्धि दर 2.8, 4.4, 4.6 और 3.5 फीसद रही। अब वाहन निर्माताओं ने बिक्री घटने की बात कही है और उत्पादन में कटौती शुरू कर दी है।

एनडीए के राज में कारोबारी निर्यात सिर्फ 2018-19 में ही तीन सौ पंद्रह अरब अमेरिकी डॉलर के उस स्तर को पार कर पाया है, जो 2013-14 में था। दुर्भाग्य से संरक्षणवाद बढ़ रहा है और व्यापार युद्ध का खतरा सामने है। नए वित्त वर्ष की शुरुआत ही बहुत खराब हुई है जब अप्रैल में कारोबारी निर्यात मात्र छब्बीस अरब अमेरिकी डॉलर का रहा।

बैंकिंग क्षेत्र की सेहत काफी बिगड़ी हुई है। मार्च, 2019 के अंत तक कुल एनपीए बकाया कर्ज का 9.3 फीसद था और अप्रैल 2014 से अब तक बैंक पांच लाख पचपन हजार छह सौ तीन करोड़ रुपए बट्टे खाते में डाले जा चुके हैं। दूसरी पारी में वित्तमंत्री बैंकिंग क्षेत्र के इस संकट के लिए यूपीए को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकती हैं (जैसा कि उनके पूववर्ती वित्तमंत्री ऐसा करने के आदी हो चुके थे)।

बैंक जमा 9.4 फीसद की वृद्धि से बढ़ रहे हैं, लेकिन उधार में वृद्धि 13.1 फीसद की है। रिजर्व बैंक ने नीतिगत दर और घटा दी है और वह चाहता है कि बैंक भी कर्जदारों के लिए अपनी दरों में कटौती करें। बैंक कर्जदारों के लिए दरें तब तक नहीं घटा सकते, जब तक वे जमाकर्ताओं के लिए दरें कम न करें। ऐसा होने से जमा वृद्धि पर असर पड़ेगा। इसका कोई आसान समाधान नहीं है।

वित्तीय हालत चिंताजनक

साल 2018-19 में व्यापार घाटा 176.42 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे चालू खाते के घाटे (कैड) पर दबाव बढ़ रहा है जो दिसंबर 2018 में 51.8 अरब डॉलर (ऋणात्मक) था। चालू खाते का घाटा वह आंकड़ा होता है जिस पर विश्लेषकों और मुद्रा कारोबारियों की नजर होती है। वित्तमंत्री को भी इस पर नजर रखनी चाहिए।

वर्ष 2018-19 में कर राजस्वों में भी भारी कमी आई है। एक फरवरी, 2019 का संशोधित अनुमान तो मजाक बन कर रह गया। संशोधित अनुमान चौदह लाख चौरासी हजार चार सौ छह करोड़ रुपए था, जबकि आए कुल तेरह लाख सोलह हजार नौ सौ इक्यावन करोड़ रुपए, यानी एक लाख सड़सठ हजार चार सौ पचपन करोड़ रुपए का घाटा। जाहिर है, वित्तमंत्री अंतरिम बजट के बंधी नहीं रह सकतीं। उन्हें नए सिरे अनुमान पेश करने होंगे। यह अच्छी शुरुआत नहीं है।

एनडीए के पांच सालों में वित्तीय घाटा सिर्फ 1.1 फीसद कम हुआ है। व्यापक खर्च कटौतियां सिर्फ जनवरी-मार्च, 2019 में की गईं। वरना 2018-19 में वित्तीय घाटा 4.1 फीसद तक पहुंच जाता, न कि 3.4 फीसद पर रहता। यदि अभी भी सरकार का प्रमुख लक्ष्य राजकोष को मजबूत करना है तो वित्तमंत्री को राजस्व (बिना तकलीफ पहुंचाए) और खर्च (बिना किसी को आहत किए) में बेहतर संतुलन बना कर चलना होगा।

लोगों की सबसे बड़ी चिंता तो बेरोजगारी को लेकर है, फिर भी ज्यादातर राज्यों में मतदाताओं ने भाजपा को वोट देकर फिर से सत्ता सौंपी है। यह मसला सरकार का फिर से पीछा करेगा। वित्तमंत्री के पहले बजट की परीक्षा ही इसी से होगी कि आर्थिक वृद्धि को फिर से पटरी पर लाने और रोजगार पैदा करने के लिए बजट में क्या संभावना है। रोजगार पर वित्तमंत्री को मुद्रा लोन, उबर चालकों और ईपीएफओ के पंजीकृत आंकड़ों से नहीं लुभाना चाहिए। बेरोजगारी का पता लगाने का एकमात्र विश्वसनीय तरीका आवर्ती श्रम-बल सर्वे है। वित्तमंत्री को याद रखना चाहिए कि बेरोजगारी की दर 6.1 फीसद है जो पैंतालीस सालों में सबसे ज्यादा है।

निर्मला सीतारमण को मौजूदा आर्थिक हालत विरासत में मिली है। वे हमारी शुभभकामनाओं और विश्व के तमाम सौभाग्यों की हकदार हैं।

आप मेरे दादू नहीं हो सकते

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

हेलो, अंकल!' मैं स्विमिंग पूल के किनारे खड़ा अपनी चढ़ी सांस को बराबर करने के लिए पानी में डुबकियां मार रहा था कि वह अचानक कहीं से उभरा और उसने अपनी चौड़ी-सी दिल जीतने वाली मुस्कराहट मुझ पर वार दी। वह सात-आठ साल का बच्चा था, पर उसका अंदाज दिलफरेब दोस्ताना था। उसने एक और डुबकी लगाई और फिर मुंह से पानी का फव्वारा छोड़ते हुए कहा, 'मैं आपको दो-तीन दिन से देख रहा हूं। आपसे बात करना चाहता हूं।' 'हां, बताओ!' हमने दुलार से कहा।

'अंकल, कुछ दिन पहले मैंने एक पिक्चर देखी थी... उसमें जो हीरो था, ठीक आप जैसा दिखता था।' उसने एक सांस में कहा और पानी में कुछ पल के लिए अंतर्ध्यान हो गया। बच्चे की भोली-सी बात सुन कर हमारा मन प्रसन्न हो गया। चलो, किसी ने तो हीरो कहा!

जब वह निकला तो हम उससे पूछे बिना न रह पाए। 'किस हीरो की बात कर रहे हो तुम?' पता नहीं क्यों, एक क्षण के अंतराल में मन में कौंध गया था कि उसने जरूर एके हंगल को किसी फिल्म में देखा था और हम उसको हंगल जैसे लग रहे थे। 'अंकल!' उसने मेरे इर्द-गिर्द तैरते हुए कहा, 'उस फिल्म में न, एक पायलट था, जिसका प्लेन क्रैश होने वाला था... प्लेन में न, बहुत सारे पैसेंजर्स थे... पर पायलट ने बड़ी बहादुरी से प्लेन को न्यू यॉर्क वाली जो नदी है न... हडसन नदी... उस पर उतार दिया था... सबको बचा लिया था... आप उस पायलट जैसे दिखते हैं।'

हम समझ गए। वह हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता टॉम हैंक्स की बात कर रहा था, जिसके बाल फिल्म में सफेद दिखाए गए थे। बच्चा डुबकी मार कर दूर निकल गया था, पर उसकी बात से मन बाग-बाग हो गया था। हम अपने को हंगल समझ रहे थे, पर उसकी निगाह में टॉम हैंक्स थे! जिंदगी में पहली बार लगा कि कोई कद्रदान मिला है।

अलगे दिन वह जलीय देवता की तरह फिर अवतरित हो गया। 'मैंने सोच लिया है, पर आपसे परमिशन लेना भी तो जरूरी है न...' उसने मेरे चारों तरफ तैरते हुए कहा। 'हां बेटा, बोलो।' 'क्या मैं आपको अंकल के बजाय दादू कह सकता हूं?' बच्चे के मासूम सवाल पर हम लट्टू हो गए। 'वाह! कितना उम्दा खयाल है। सुभान अल्लाह!' हमारी जुबान से कुदरतन फिसल गया।

बच्चा एकदम से हमसे दूर तैर गया। फिर रुका और पानी में खड़ी लगाते हुए कुछ देर हमको ताकता रहा। कुछ सोचने के बाद वापस आया, पर उसने हाथ भर का फासला बना कर पूछा, 'क्या आप मुसलमान हैं?' 'क्यों पूछ रहे हो?' 'क्योंकि आपने अल्लाह कहा।' 'तो?'

'हिंदू अल्लाह थोड़ी ही कहते हैं।' 'बेटा, हमने सुभानअल्लाह कहा था, जिसका मतलब बहुत अच्छी बात है, होता है।'

बच्चे की आखों में शक उतर आया था। 'पहले आप ये बताइए कि आप मुसलमान हैं कि नहीं?' 'उससे क्या फर्क पड़ता है? अब हम तुम्हारे दादू हैं।' बच्चा थोड़ा और हट गया। 'तो आप मुसलमान हैं।' उसने निराशा से कहा। पता नहीं हमारे मन में क्या आया कि हमने अपने को मुसलमान कबूल लिया। उसका चेहरा लटक गया। उसकी मायूसी देख कर हमने उसे अपने से हिलाने की कोशिश की। 'हम मुसलमान हुए तो क्या हुआ, तुम्हारे दादू जैसे ही तो हैं। यू लाइक मी ऐंड आई लाइक यू। हम दोस्त हुए न?'

बच्चे ने कुछ देर सोचा और कहा, 'पर मुसलमान अच्छे नहीं होते हैं न?' 'क्यों?' 'सबको मार देते हैं।' 'नहीं, ऐसा नहीं है। वे लोग हिंदुओं की तरह ही अच्छे होते हैं। हम अच्छे लगे हैं न आपको?' 'हां, पर वे अच्छे नहीं होते हैं।' उसने जोर देकर कहा, 'टीवी पर रोज आता है... बम मारते रहते हैं... मुसलमान पाकिस्तानी हैं... पापा-मम्मी भी यही कहते हैं।'

'अच्छा ये बताओ, तुम किसी मुसलमान को जानते हो?' 'नहीं।' उसने कहा। 'स्कूल में तो होंगे ही?' 'कैसे होंगे?' उसने तपाक से कहा, 'वे स्कूल नहीं जाते हैं। उनके अपने स्कूल हैं। वे गरीब हैं। हमारे स्कूल अफोर्ड नहीं कर सकते हैं।' 'क्यों?' 'क्योंकि उनके दस-दस बच्चे होते हैं। आपके कितने हैं?' 'दो।' 'बस? इतने कम कैसे?' 'बस, ऐसे ही', हमने हंस कर कहा।' तभी आप इस सोसाइटी में रहते हैं! और आप मुसलमान जैसे दिखते भी नहीं हैं।'

'तुमने मुसलमान पहले कभी देखा है?' 'हां, देखा है... पापा ने एक बार दिखाया था।' उसने उत्साह से कहा। 'कहां देखा था?' 'दिल्ली में। हम लोग एक बार चांदनी चौक गए थे। बहुत सारे कहीं से निकल रहे थे। सब टोपी लगाए हुए थे। आप टोपी लगाते हैं?' 'नहीं।' 'तभी मैं पहचान नहीं पाया था।' उसने कहा और फिर अपनी बात पर हंस कर माथा ठोक लिया, 'मैं भी बेवकूफ हूं... स्विमिंग पूल में कोई टोपी लगाता है भला! पर आपके दाढ़ी भी तो नहीं है, कैसे पहचानता?'

हम भी हंस दिए और फिर चिढ़ाया, 'विराट कोहली भी तो दाढ़ी रखता है।' 'उसकी बात अलग है। वह हिंदू है। उसकी दाढ़ी ठीक है।'

हमारी बातचीत तो चल रही थी, पर वह औपचारिक हो गया था। दादू तो दूर, उसने मुझे अंकल भी कहना बंद कर दिया था। वह शायद अभी तक मेरे साथ इसलिए टिका था, क्योंकि मुसलमानों के बारे में वह अपना कौतूहल शांत करना चाहता था। मुसलमान से बात करना उसके नन्हे से जीवन की अनोखी घटना थी- एक 'एडवेंचर'-सा था, जिसके बारे में वह घर जाकर मम्मी को एक सांस में बता सकता था।

'अच्छा मैं चलता हूं', उसने कहा, 'आप मुसलमान तो हैं, पर आप प्लेन वाले हीरो लगते हैं।' उसने जाते-जाते मुस्करा कर कहा। उसकी इस अदा पर हमें प्यार आ गया। हम उसके सिर पर हाथ फेरने के लिए बढ़े, तो वह पीछे हट गया। पर हमने हौसला नहीं हारा। 'कल जब मिलना तो हमें दादू कह कर पुकारना।' हमने बड़ी संजीदगी से इल्तजा की। 'आप मेरे दादू नहीं हो सकते। आप मुसलमान हैं।' उसने धीरे से कहा।

'हम हो सकते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। हम तो ऐसे ही अपने को मुसलमान कह रहे थे, तुमको समझाने के लिए कि हिंदू, मुसलमान एक जैसे ही होते हैं। कोई फर्क नहीं है दोनों में।' 'आप झूठ बोल रहे हैं। आप हिंदू नहीं हैं। मैं पहचान गया हूं, हिंदू मुसलमान एक जैसे नहीं होते हैं। वे बच्चों को भी मार देते हैं।' उसने बिदक कर कहा और फर्राटे से तैरता हुआ दूर निकल गया। हम अवाक देखते रह गए।

कुछ देर मैं सुन्न खड़ा रहा। फिर लंबी सांस लेने की कोशिश की। नहीं आई तो पानी में डुबकी मार ली। दम घुट गया। सारी फिजा जहरीली हो गई थी। देखते-देखते हम जड़ से लेकर नई कोंपल तक प्रदूषित हो गए हैं। मैं कंधों तक पानी में तो जरूर खड़ा था, पर डूब मरने के लिए चुल्लू भर पानी के लिए मोहताज था।

> कुछ देर मैं सुन्न खड़ा रहा। फिर लंबी सांस लेने की कोशिश की। नहीं आई तो पानी में डुबकी मार ली। दम घुट गया। सारी फिजा जहरीली हो गई थी। देखते-देखते हम जड़ से लेकर नई कोंपल तक प्रदूषित हो गए हैं। मैं कंधों तक पानी में तो जरूर खड़ा था, पर डूब मरने के लिए चुल्लू भर पानी के लिए मोहताज था।

पुराना भारत नया भारत

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

पिछले हफ्ते जब कांग्रेस अध्यक्ष वायनाड पहुंचे मतदाताओं को धन्यवाद देने, तो उन्होंने साथ में यह भी कह डाला कि नरेंद्र मोदी ने देश में नफरत का जहर फैला कर जीत हासिल की है। उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, जो हर दूसरे दिन इसी तरह की कोई बात कहती हैं। कभी 'जय श्रीराम' का नारा सुनते ही अपनी गाड़ी से उतर कर झगड़ा करने लगती हैं लोगों से, तो कभी कहती हैं कि भारतीय जनता पार्टी कोलकाता के सरकारी अस्पतालों में अराजकता फैला रही है। मार्क्सवादी महारथी सीताराम येचुरी आरोप लगा रहे हैं कि मोदी की जीत के पीछे पूंजीवादी शक्तियां हैं और चुनाव आयोग का दुरुपयोग। मायावती ने अपनी हार को अस्वीकार करते हुए कहा कि परिणाम साबित करते हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाओं का पूरी तरह दुरुपयोग हुआ है। यानी विपक्ष में एक भी राजनेता नहीं दिख रहा है, जो यथार्थ का सामना करने को तैयार है।

हकीकत यह है कि भारत के मतदाता बदल गए हैं और हमारे तकरीबन सारे विपक्षी राजनेता इस परिवर्तन को या तो देखना नहीं चाहते, या अपनी पुरानी राजनीति में इतने उलझे हुए हैं कि देख नहीं पाते हैं। उनकी पुरानी राजनीति आधारित है जातिवाद, वंशवाद और किसी बड़े राजनेता की तथाकथित करिश्मे पर। इन चीजों को ढकते हैं समाजवाद और सेक्युलरिजम जैसे बड़े शब्दों के पीछे। ढोंग है, लेकिन दशकों तक इस ढोंग को देख नहीं पाए भारत के मतदाता, क्योंकि गुरबत और अशिक्षा के शिकंजों में फंसे हुए लोगों को दिखता थोड़ा कम है। मतदाता जब इन शिकंजों से निकल कर मध्यवर्ग में आ जाते हैं तो उनकी दृष्टि बदल जाती है और उनकी अपेक्षाएं भी।

मजे की बात यह है कि इस परिवर्तन की तरफ मेरा ध्यान आकर्षित किसी विपक्ष के राजनेता ने नहीं, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अरुण जेटली ने किया। मैं उनसे मिलने गई थी पिछले हफ्ते उनकी सेहत के बारे में पूछने। सेहत के कारण उन्होंने सरकार में मंत्री न बनने का निर्णय किया है। मैंने देखा कि शरीर उनका कमजोर काफी हुआ है, लेकिन राजनीति में रुचि कमजोर नहीं हुई है। मिलते ही बातें शुरू की उन्होंने राजनीति की। चुनाव परिणाम का विश्लेषण उन्होंने शुरू किया यह कह कर कि उनको परिणाम आने से पहले ही यकीन था कि तीन सौ से ज्यादा सीटें आएंगी भारतीय जनता पार्टी की और नरेंद्र मोदी दुबारा प्रधानमंत्री अवश्य बनेंगे।

इसके बाद उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो पंडित कहा करते थे कि भाजपा की दो सौ बीस और ढाई सौ के बीच सीटें आएंगी, वह जानते नहीं हैं कि मतदाता कितना बदल गए हैं। आगे उन्होंने कहा कि इन पंडितों ने ध्यान नहीं दिया इस बात पर कि भारत के चालीस फीसद मतदाता अब मध्यवर्ग में पहुंच गए हैं। मोदी को इन्हीं लोगों ने जिताया है, क्योंकि वे जानते हैं कि मोदी ही उनकी अपेक्षाएं, उनके सपने समझ सकते हैं। अरुणजी की बातें सुनी, तो याद आया मुझे कि आम सभाओं में आजकल वे पुराने किस्म के मतदाता बहुत कम दिखते हैं, जो नंगे पांव, फटे गंदे कपड़ों में आया करते थे। आम सभाओं में अब लोग न गरीब दिखते हैं और न अशिक्षित।

इस परिवर्तन पर ध्यान दिया होता विपक्ष के बड़े राजनेताओं ने तो 2014 में हारने के बाद अपनी रणनीति शायद बदल दी होती। शायद जान गए होते कि जातिवाद को अब मतदाता इतनी अहमियत नहीं देते जितना देते हैं आर्थिक मुद्दों को। शायद जान गए होते बहुत पहले कि करिश्मा का जादू भी कमजोर पड़ गया है, इतना कि राहुल गांधी हार सकते हैं अमेठी जैसे चुनाव क्षेत्र से, जो दशकों से गांधी परिवार का गढ़ रहा है। शायद जान गए होते कि वंशवाद की शक्ति भी कम हो गई है, इतनी कि महाराष्ट्र में शरद पवार जैसे महारथी अपने परिवार से सिर्फ अपनी बेटी को जिता पाए हैं। बिहार में लालू यादव की बेटी तक हार गई इस बार। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में अगर जगनमोहन रेड्डी और स्टालिन जैसे राजनीतिक वारिस जीत कर आए हैं तो शायद सिर्फ इसलिए कि इन राज्यों में विकल्प नहीं दिखा लोगों को।

बहुत कोशिश की इस चुनाव अभियान में विपक्ष के तमाम राजनेताओं ने सेक्युलरिज्म के नाम पर लोगों को बहकाने की, लेकिन यह भी मुद्दा कमजोर पड़ गया मोदी के नए भारत के सपने के आगे। विपक्ष के राजनेता स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि हिंदुत्व के बल पर नहीं जीते हैं मोदी, लेकिन हकीकत यह है कि इस चुनाव में न हिंदुत्व मुद्दा था, न राम मंदिर। इन मुद्दों के बारे में अगर इस लंबे चुनाव अभियान में किसी को बात करते सुना है मैंने, तो सिर्फ दिल्ली में और वह भी राजनेताओं और राजनीतिक पंडितों को। आम लोगों को नहीं। देहातों में जहां भी गई हूं, लोगों ने आर्थिक मुद्दों पर बातें की हैं।

जिस परिवर्तन का वादा मोदी ने 2014 में किया था, राजनीतिक तौर पर आ ही गया है। आर्थिक तौर पर इतना नहीं आया है जितना आना चाहिए था, लेकिन उसके आने के आसार दिखने लगे हैं। इसकी वजह से लोगों की उमीदें नहीं टूटी हैं। कई जगह वही पुरानी समस्याएं आज भी हैं, जो दशकों से चली आ रही हैं। बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याएं। मगर चूंकि कुछ हद तक इनमें सुधार दिखने लगा था मोदी के पहले कार्यकाल में, तो लोगों को विश्वास है कि सुधार होता रहेगा।

कहने का मतलब यह है कि जिस पुराने भारत में विपक्ष के राजनेता अब भी जी रहे हैं, उस पुराने भारत के अंतिम संस्कार हो गए हैं इस चुनाव में और बहुत अच्छी बात है कि ऐसा हुआ है।

> हकीकत यह है कि भारत के मतदाता बदल गए हैं और हमारे तकरीबन सारे विपक्षी राजनेता इस परिवर्तन को या तो देखना नहीं चाहते, या अपनी पुरानी राजनीति में इतने उलझे हुए हैं कि देख नहीं पाते हैं। उनकी पुरानी राजनीति आधारित है जातिवाद, वंशवाद और किसी बड़े राजनेता की तथाकथित करिश्मे पर।

हंसना मना है

बारबर

■ सुधीश पचौरी

एक दिन सारे चैनल जम्मू-कश्मीर की धारा तीन सौ सत्तर के हटाने, न हटाने को लेकर बहस चलाते रहे और भविष्य का नया एजंडा तय होता रहा।

पुराने विशेषज्ञ कहते रहे कि धारा के साथ छेड़छाड़ ठीक नहीं। दूसरे कहते रहे कि जब कश्मीर 'इंटेग्रेशन' वाले प्रस्ताव में धारा तीन सौ सत्तर कहीं है ही नहीं, तब उसका होना क्यों जरूरी है?

एजंडे पर कश्मीर रहना है।

फिर एक शाम, एक से एक बड़ी खबरें टूटीं कि वक्फ बोर्ड के कब्जे से प्रापर्टीज को मुक्त किया जाएगा, कि मदरसों का आधुनिकीकरण किया जाएगा, कि अल्पसंख्यक समाज के पांच करोड़ छात्रों को वजीफे दिए जाएंगे, कि शादी के वक्त लड़कियों को इक्यावन हजार रुपए दिए जाएंगे!

लोग अल्पसंख्यकों पर खतरे को रोते रहे और सरकार उन तक इस तरह पहुंचती रही। कई एंकर चहक उठे कि देखो, यह है सरकार का अल्पसंख्यकों तक सीधी पहुंच बनाने का तरीका।

एक चैनल चर्चा में एक पत्रकार बोलीं कि सेक्युलर दलों ने मुसलमानों को एक 'घेटो' में बंद रखा है। एंकर कटाक्ष करते हुए बोला कि लोग तो मानते हैं कि अल्पसंख्यकों पर अगले पांच बरस भी अत्याचार जारी रहेंगे। पत्रकार फिर बोलीं कि सवाल यह है कि अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व तो नहीं मिला न!

भई! आपको आम खाने से मतलब है कि पेड़ गिनने से? एंकर समझाने लगा कि सबका विश्वास के इस दौर में आप भी तो सबके विश्वास में विश्वास करो जी!

इसी बीच यूपी में एक अल्पज्ञात चैनल के अल्पज्ञात रिपोर्टर की अल्पज्ञात कहानी सुविख्यात चैनलों में आकर 'अभिव्यक्ति की आजादी' का सवाल बन उठी।

उस अल्पज्ञात पत्रकार ने जंबूद्वीप की एक पगलेट प्लेटोनिक प्रेमिका के नाम एक प्रेमगीत जोड़ कर सोशल मीडिया में आगे बढ़ा दिया। एकतरफा मुहब्बत की यह शाश्वत कहानी सोशल मीडिया में वायरल होकर दो दिन के लिए अमर हो गई।

प्रेमकथा को वायरल होते देख जंबूद्वीप के चिर सजग एंटी रोमियो स्क्वाड एक्शन में आ गया और उसने इस अल्पज्ञात पत्रकार को 'स्वतः संज्ञान' भाव में ताव उठा कर अंदर कर दिया! उसके साथ अन्य सात पत्रकारों को किश्तों में अंदर किया। यानी पूरा चैनल ही अंदर कर दिया, ताकि इस प्रेमकथा का नामलेवा तक बाहर न रहे।

सुविख्यात पत्रकारों को यह तुरंता गिरफ्तारी अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला नजर आई। सभी पत्रकार एंकर हाय हाय करने लगे कि अपने जंबूद्वीप में ये क्या गजब हो रहा है? आखिर उस पत्रकार की गलती क्या है? उसने एकतरफा मुहब्बत की दास्तान को सिर्फ आगे तो बढ़ाया। अगर पकड़ना ही था तो अपनी मुहब्बत का वीडियो में इजहार करने वाली प्रेमिका को पकड़ते। उन मीडिया वालों को धरते, जिनने उसे खबर की तरह दिखाया। यह अल्पज्ञात पत्रकार कनौजिया तो एक फिल्मी गाना चिपका कर इस इश्किया का मजा ही तो ले रहा था। हाय! इतनी हंसी भी एंटी रोमियो स्क्वाड को बर्दाश्त नहीं हुई!

बहरहाल, टाई-सूट छाप नामी-गिरामी पत्रकारों ने यूपी सरकार और पुलिस की निरंकुशता को दो दिन तक लगातार जम कर कोसा और बड़ी अदालत से न्याय की गुहार तक की। पत्रकार की पत्नी भी पत्रकारों के प्रदर्शन में दिल्ली में दिखीं।

एक अंग्रजी एंकर ने इस एकतरफा प्रेम की कथा को ससंदर्भ अंग्रेजी में कह कर पुलिस को चुनौती तक दे डाली कि हमने भी कह दी वह प्रेमकथा, जिसे कॉमिक बनाने के 'अपराध' में कनौजिया को पकड़ा। अब हमें पकड़ कर दिखाए पुलिस, तो जानें। हम नहीं डरते, आएं हमें पकड़ें।

इसे कहते हैं बीती गंगा में हाथ धोना! जब सब कुछ कहा जा चुका तब आपने कही, तो क्या कही?

अहसान मानिए साहसी पत्रकार कनौजिया का कि उसने अपनी एक जरा-सी मजाहिया पत्रकारिता से आप सबको एक क्रांतिकारी मुद्रा अपनाने का अवसर दिया!

बहरहाल, इस सप्ताह अल्पज्ञात पत्रकारों पर बुरी गुजरी। अगले रोज एक अन्य अल्पज्ञात पत्रकार ने फिर खबर बनाई। रेलवे यार्ड में हो रहे घोटाले को खोलने के लिए उसने अपने मोबाइल में वीडियो बनाया, लेकिन शामली पुलिस ने उस मोबाइल को छीन लिया तथा पत्रकार को सीधे थाने में बंद कर दिया लिया।

थाने में बंद होते हुए भी पत्रकार का साहस देखिए कि एक चैनल के थाने के अंदर आते ही वह बेधड़क बोलता रहा कि मेरा वीडियो वाला मोबाइल इन पुलिसवालों ने छीन लिया। तीन किलोमीटर दूर से थाने तक मुझे पीटते हुए लाए। मुझे नंगा कर दिया। मेरे मुंह में 'टायलेट' किया।

अहा! क्या 'कंट्रास्टी सीन' था : इधर सलाखों के पीछे खड़ा आहत पत्रकार पुलिस पर आरोप लगाता रहा, उधर आरोपी पुलिस जी पास की कुर्सी पर अपने भावों को जब्त करते हुए खामोशी से बैठे सुनते रहे। चैनल के कैमरे रिकार्ड करते रहे, जिसे चैनलों ने बार-बार दिखाया। बाद में पत्रकार को सलाखों से बाहर कर दिया गया।

यह है असली, किंतु अल्पज्ञात साहसी छोटी-छोटी पत्रकारिता, जो स्टूडियोज में बैठी गाल बजाती सूट बूट छाप पत्रकारिता पर भी भारी पड़ जाती है।

वह वहां भी हंस सकती है, जहां हंसना मना है!

> बहरहाल, टाई-सूट छाप नामी-गिरामी पत्रकारों ने यूपी सरकार और पुलिस की निरंकुशता को दो दिन तक लगातार जम कर कोसा और बड़ी अदालत से न्याय की गुहार तक की। पत्रकार की पत्नी भी पत्रकारों के प्रदर्शन में दिल्ली में दिखीं।

किताबें मिलीं

मल्लिका

मल्लिका आधुनिक हिंदी के निर्माता भारतेंदु हरिश्चंद्र की वह प्रेमिका थी, जिसके संबंध में इतिहास और साहित्य मौन हैं। भारतेंदु के घर के पास रहने वाली बाल-विधवा, मल्लिका ने भारतेंदु से हिंदी पढ़ना-लिखना सीख कर बांग्ला के तीन उपन्यासों का हिंदी में अनुवाद किया। उन्हीं अनुवादों ने भारतेंदु को 'उपन्यास' विधा से परिचित करवाया और इसी से प्रेरणा पाकर वे आधुनिक हिंदी के निर्माता बने। लेकिन भाग्य की ऐसी विडंबना कि मल्लिका ने जो स्वयं मौलिक उपन्यास लिखा, उसका कहीं कोई जिक्र तक नहीं मिलता; जबकि उनका वह उपन्यास हिंदी का प्रथम उपन्यास माने जाने वाले, 'परीक्षागुरु', से पहले का है। इतिहास के धुंधलके से गल्प के सहारे मनीषा ने उसी विस्मृत और उपेक्षित नायिका को खोज निकाला है और उसके जीवन पर एक काल्पनिक जीवनीपरक उपन्यास रचा है।

'मल्लिका' की कथा गल्प होते हुए भी ऐसे संपूर्ण व्यक्ति की कहानी है जो हाड़-मांस से बना, किन्हीं वक्तों में जीता हुआ, सांस लेता था। उसके होने के अल्प ही सही, ओझल ही सही, मगर प्रमाण हैं। वे प्रमाण इतने क्षीण हैं कि वह किसी महानतम की छाया का व्यंग्य मात्र बन कर रह जाती है। उसके बारे में जो अनिश्चित और रिक्त स्थान हैं उन्हें उसके वायवीय चौखटे पर कल्पना के सूत्रों से एक संपूर्ण व्यक्तित्व की संरचना से भरने/ बुनने का काम लेखिका ने किया है। गल्प से निर्मित इस कृति में इसका खास खयाल रखा गया है कि 'वह' उस विशिष्ट और महत्त्वपूर्ण भूमिका को वहन करे, उसके जीवन का हर पहलू विचारणीय बने, जिसका प्रतिनिधित्व उसने यकीनन अपने ओझल समय में किया होगा।

मल्लिका : मनीषा कुलश्रेष्ठ; राजपाल एंड संज, 1590, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली; 235 रुपए।

अनासक्त आस्तिक

जैनेंद्र कुमार हिंदी के केवल मूर्धन्य कथाकार नहीं, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक-विचारक भी हैं। वे हिंदी भाषा में सोचने-विचारने वाले अन्यतम व्यावहारिक भारतीय दार्शनिक भी हैं, तो भारत सहित वैश्विक राजनीति पर गहरी दृष्टि रखने वाले प्रबुद्ध राजनीतिक विशेषज्ञ भी। वे स्वाधीनता आंदोलन के तपोनिष्ठ सत्याग्रही भी रहे, जिन्होंने स्वाधीनता मिलने के बाद भी अपने समग्र जीवन और लेखन को सत्याग्रह बनाया। अपने पूरे जीवन में अनासक्त रहते हुए उन्होंने जो लिखा और जिया, वह हमेशा एक नई राह की खोज का कारण बना। कहानी और उपन्यास को नई भाषा, शिल्प तथा अधुनातन प्रविधियों में ढालकर जैनेंद्र ने उन विषयों को प्रमुखता दी, जिन पर विचार करने का साहस पहले न किया जा सका। इसमें प्रमुखता से वह स्त्री उभरी, जिसे सदियों से उत्पीड़ित किया जाता रहा है।

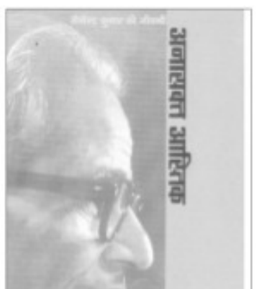

अपने दर्शन में आत्म को प्रतिष्ठित करने वाले, विचारों में भारतीय राष्ट्र-राज्य को अधिकाधिक सर्वोदय में देखने वाले तथा जीवन में एक गृहस्थ संन्यासी का आदर्श प्रस्तुत करने वाले जैनेंद्र कुमार का महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, विनोबा भावे, राधाकृष्णन, जयप्रकाश नारायण, इंदिरा गांधी आदि राष्ट्रीय नेताओं से सीधा संवाद था। पर यह संवाद राष्ट्रीय हितों के लिए था, निजी स्वार्थों के लिए नहीं।

ऐसे जैनेंद्र कुमार के विराट व्यक्तित्व को उनकी जीवनी 'अनासक्त आस्तिक' में देखने और उनके क्रमिक विकास को परखने का एक बड़ा प्रयत्न है, जो निश्चय ही उन्हें नए सिरे से समझने में सहायक होगा।

अनासक्त आस्तिक : ज्योतिष जोशी; राजकमल प्रकाशन, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली; 795 रुपए।

अब मैं सांस ले रहा हूं

हिंदी दलित कविता में असंगघोष एक चर्चित नाम हैं। उनके इस संग्रह की कविताएं एक ओर हमारी मानवीय संवेदनाओं को झकझोरती हैं, तो दूसरी ओर अन्याय, शोषण और असमानता के विरुद्ध प्रतिकार की चेतना का संचार करती हैं। इन कविताओं में सर्वत्र मनुष्यता की पहचान, मनुष्यता की मांग और मनुष्यता की कामना है।

कवि का हृदय वर्जनाओं से मुक्त होकर बगावत करने के लिए व्याकुल है। इस व्याकुलता में उसके 'अंतर्मन से निकलते हैं नफरतों भरे/ बगावत के गीत' और इन गीतों को वह खुद पर ही आजमाता है। इन गीतों की अपनी भाषा है, अपनी लय, छंद, जिनमें समता और स्वातंत्र्य की चाह और मनुष्यता की राह है। कवि समाज को यह अहसास कराना चाहता है कि समाज में सब कुछ सुंदर नहीं है। बहुत कुछ असुंदर और वीभत्स भी है, किंतु इस असुंदर और वीभत्स पर पर्दा है। असंगघोष की कविताएं इस पर्दे को उघाड़ कर समाज के उस असुंदर और वीभत्स यथार्थ को अभिव्यक्त करती हैं। साथ ही, भेड़ की खाल में भेड़िए की पहचान, अभिजात्यता के आवरण में छिपे जातिवाद की पहचान, छद्म राष्ट्रवाद और देशभक्ति की पहचान भी ये कविताएं कराती हैं।

कवि का हृदय जातिगत भेदभाव के जनक और पोषण ब्राह्मण वर्ग के प्रति आक्रोश और प्रतिशोध से भरा है। वह ब्राह्मणवाद को एक दुश्मन की तरह देखता है, पर अन्य दलित कवियों की तरह हिंदुत्व से बाहर निकलने के बजाय वह हिंदू ही बने रहना चाहता है और घोषणा करता है कि 'मैं तब तक हिंदू ही रहूंगा/ जब तक कि उसकी श्रेष्ठता को जमीन में/ गाड़ न दूं/ सौ फुट नीचे/ तब तक मैं हिंदू हूं/ और हिंदू ही रहूंगा।' हिंदुत्व से मुक्ति का यह भी एक रूप है।

अब मैं सांस ले रहा हूं : असंगघोष; वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली; 250 रुपए।

दस्तक देती यादें

सूर्यनगरी जोधपुर जितना ऐतिहासिक रूप में सुपरिचित है, उतनी ही बड़ी पहचान लिए है एक कारोबारी स्थल के रूप में भी। यहां पुष्करण ब्राह्मणों का समाज लंबे समय से रहता चला आया है। इसी समाज की भीतरी सच्चाइयों का क्लोजअप विश्वंभर पुरोहित की इन कहानियों में पढ़ने को मिलेगा। अपनी रसवान पठनीय भाषा में वे इस समाज की अपरिवर्तनशील जड़ मानसिकता को अपनी कहानियों का विषय अनेक कोणों से बनाते हैं।

संग्रह की कहानियां परिवेश का वर्णन रिपोर्ताज शैली में करती हैं। वर्णनात्मकता इनका गुण भी है और सीमा भी। समाज की परिभाषा का दायरा भले ही यहां व्यापक न हो, परंतु सीमित दायरे के भीतर खूब पैठ कर देखा गया है। लेखक का अनुभव यहां पूरी धमक के साथ मौजूद है। स्वयं पर्याप्त निरपेक्षता भी है। आत्मविश्लेषण इन कहानियों में इतना नहीं है, जितना कि अनुभवजन्य आंखिन देखा सत्य। अपने मूल उद्यम को संजोए रखने की व्यग्रता में भी लेखक उन कुरीतियों पर वार करता है, जो एक खास समाज को आज भी जकड़े हुए हैं। जहां बहुएं आज भी अपनी सास से पर्दा करती हैं। पीहर में बेटियां पिता के सामने अपनी संतान को गोद में नहीं उठा सकती हैं। बहुपरतीय समाज के दृश्य भले ही यहां न हों, पर जिस समाज को यहां उभारा गया है, उसकी परख और पहचान सच्ची है।

एक समय यही काम अपनी भाषा में कुमाउंनी समाज की कमियां उजागर करने के लिए मूर्धन्य कथाकार मनोहरश्याम जोशी ने किया था, जिसकी भूरि-भूरि प्रशंसा हुई थी। इस दृष्टिकोण से विश्वम्भर पुरोहित की ये कहानियां बेहद पठनीय और जरूरी संदेश लेकर उपस्थित हुई हैं।

दस्तक देती यादें : विश्वंभर पुरोहित; सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली; 250 रुपए।

कहानी की बात

साहित्य की विधाओं में कहानी का पाठकीय विस्तार अपेक्षाकृत अधिक है। हालांकि हिंदी में इस विधा का विकास आधुनिक चेतना के साथ शुरू हुआ, पर इस अवधि में कहानी कई उल्लेखनीय प्रयोगों के दौर से गुजर चुकी है। इसके बावजूद शिकायत यह रहती है कि कहानी में उस तरह आलोचना अपनी विश्वसनीय उपस्थिति दर्ज नहीं करा पाई, जिस तरह कविता में है। कुछ लोग कथा आलोचकों पर पक्षपात के आरोप भी लगा देते हैं। मगर यह सवाल प्रमुख है कि कहानी के क्षेत्र में आलोचना क्यों अपना विस्तार नहीं कर पाई। इस बार की चर्चा इसी पर। – संपादक

कहानी विधा अधूरी या आलोचना नहीं पूरी

आनंद कुमार सिंह

कहानी अपने ढांचे में पुरानी होते हुए भी एक नई विधा है, जिसे अंग्रेजी में 'शॉर्ट स्टोरी' कहते हैं। हिंदी में इसका आगमन हुए लगभग सवा सौ साल होने को आए, लेकिन इसे समझने के मानक ठीक तौर पर अभी तक विकसित नहीं हो सके हैं। यहां तक कहा जाता है कि हिंदी में कहानी की आलोचना का विकास ही नहीं हुआ है। कुछ हद तक यह बात इसलिए ठीक लगती है कि कविता जैसी विधा, जो परंपरिक होते हुए भी नवीन है और जिसमें विगत पचास सालों में ही कितना उछाल आ चुका है, उसे समझने के लिए पारंपरिक दृष्टि के साथ-साथ आधुनिक दृष्टि का विकास हिंदी में दिखाई देता है। कह सकते हैं कि अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद नई कविता भी आलोचकों की जद से बाहर नहीं जा सकी, इसलिए सभी महत्त्वपूर्ण आलोचकों ने अपने विचार-विमर्श के केंद्र में कविता को ही महत्त्वपूर्ण मान कर रखा है। लेकिन यही बात कहानी, बल्कि नई कहानी के बाबत नहीं कही जा सकती। दिलचस्प यह भी है कि नई कहानी ने अपनी शुरुआत में मूर्धन्य आलोचकों को अपनी ओर खींचा था, लेकिन बाद में उनमें से कुछ कविता की ओर मुड़ गए। कुछ ने आलोचना का काम ही छोड़ दिया और कुछ की पकड़ से कहानी ही बाहर चली गई।

मगर यह भी सच है कि नामवर सिंह, धनंजय वर्मा, मधुरेश और विजय मोहन सिंह, देवीशंकर अवस्थी जैसे समीक्षकों के काम को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहानी के नएपन को पुराने छिलकों से बिलगा कर देखा और रूप, अंतर्वस्तु, संगठन, अंतर्विरोध, तनाव, पठनीयता और कहानीपन जैसे प्रतिमानों की चर्चा चलाई। न केवल यही, बल्कि उन्होंने नई कहानी, समांतर कहानी, सचेतन कहानी आदि के जुमलों को, जिसे मोहन राकेश-राजेंद्र यादव-कमलेश्वर की त्रयी ने खूब उछाला था उसे, कहानीकारों की मंशा से अलग केवल प्रवृत्ति विशेष के रूप में ही स्वीकार किया। वह नामवर सिंह थे, जिन्होंने प्रगतिवाद की सीमाओं से बाहर जाकर कहानी के रूप-संगठन और शिल्प की तरलता की चर्चा की और निर्मल वर्मा की 'परिंदे' कहानी को हिंदी की पहली आधुनिक या नई कहानी मानने का खतरा मोल लिया। वह बात अब भी कहानी की चर्चा करते हुए अनायास सामने आती है। बाद में उदय प्रकाश की कहानियों को लेकर विजय बहादुर सिंह ने भी इसी तरह की पहल की थी। गोपाल राय, परमानंद श्रीवास्तव, विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी ने नए, पुराने और बिल्कुल नए कहानीकारों पर ढेर सारी बात की है, लेकिन कहानी आलोचना के प्रतिमानों का स्वरूप स्थिर नहीं हो सका। परिणाम यह हुआ कि कहानी को लेकर हिंदी में एक अराजकता का माहौल है।

अस्सी के दशक और उसके बाद अनेक महत्त्वपूर्ण कहानियां लिखी गईं, जो आलोचकों की दृष्टि से ओझल रहीं। उन्हें पाठकों ने अपनाया, जिसे समीक्षकों ने नजरअंदाज किया। इन कहानीकारों ने अपने जिए गए जीवन के सापेक्ष बाहरी जीवन की विविधता और उसकी अनगढ़ता को बाकायदा कथाशिल्प में ढाला है, जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। आज भी जबकि कहानी का वर्तमान परिदृश्य सर्जना के लिहाज से बहुत उर्वर और उपजाऊ है, वहीं पर आलोचना के औजार वर्तमान कहानी को समझने-समझाने के लिए नाकाफी नजर आते या छोटे पड़ते हैं। स्वयं कहानीकार इसे अनेक बार कहते ही हैं, समीक्षकों को भी इस अपूर्णता का बोध होता रहता है। इसका आखिर क्या कारण हो सकता है? क्या कहानी एक अधूरी और अपूर्ण विधा है या कि आलोचना ही अधूरी है, जो कहानी को पकड़ नहीं पाती! क्या जीवन-दृष्टि को अपने समूचेपन में अभिव्यक्त करने में कहानी लाचार है, पंगु है या कि उसे आलोचकों द्वारा वह भूमिका ही अदा नहीं करने दी गई? क्या कारण है कि समकालीन कहानी की आक्रामकता को भी देख पाने में आलोचक विफल रहे।

पिछले तीस-पैंतीस सालों में कहानी का भूगोल और अक्षांश ही खिसक गया है। कहानी अपने घाट-बाट से बहुत दूर बह कर आ चुकी है। आलोचक के लिए जरूरी है कि वह उस यथार्थ को पकड़ने

चर्चा

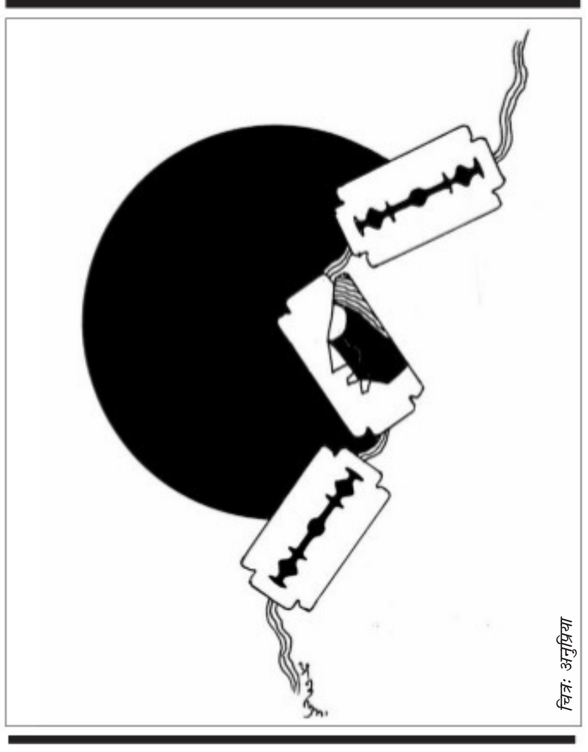
चित्र: अनुप्रिया

क्या ऐसा प्रतिमान नहीं विकसित हो सकता, जिससे हम कहानी के जीवित होने के क्षण में ही उसके साथ न्याय कर सकें? हमारे बड़े आलोचकों ने खतरे उठा कर जो बातें बहुत पहले कही थीं, क्या वहां से आगे हिंदी कहानी को नहीं ले जाया जा सकता? क्या पश्चिमी प्रतिमानों की मुंहदेखी करते हुए ही हम आलोचना के औजार बनाएंगे?

के नए उद्यम करे। नए यथार्थ की कहानी, ग्रामीण संवेदना की कहानी, स्त्री-पुरुष के मौलिक अंतर्द्वंद्व की कहानी और तकनीकी उलझनों में रचे-बसे जीवन की सच्चाइयों की कहानी, पिछले तीन दशकों में बहुत त्वरा से चीजें आपस में संगुंफित होती चली गई हैं। भाषा-शैली, चरित्र-चित्रण, कथोपकथन आदि जंग लगे और घिस चुके प्रतिमानों के आधार पर आज की कहानी को समझना बहुत कठिन है। वह कोई जैविक प्रतिमान नहीं है। वह कहानी को खंड-खंड करके देखने का उपक्रम है, जिस प्रक्रिया में कहानी ही मर जाती है। क्या ऐसा प्रतिमान नहीं विकसित हो सकता, जिससे हम कहानी के जीवित होने के क्षण में ही उसके साथ न्याय कर सकें? हमारे बड़े आलोचकों ने खतरे उठा कर जो बातें बहुत पहले कही थीं, क्या वहां से आगे हिंदी कहानी को नहीं ले जाया जा सकता? क्या पश्चिमी प्रतिमानों की मुंहदेखी करते हुए ही हम आलोचना के औजार बनाएंगे? क्या हमारे देश की परंपरागत कहानी के मलबे में ऐसा कुछ नहीं जिसको 'रिसाइकिल' किया जा सके? सवाल तो और भी हैं।

हम जानते हैं कि अब मामला बिल्कुल दूसरी ओर जा चुका है। अब हम एक ऐसी मांग कर रहे हैं, जो उत्तर-आधुनिक समय में संभव ही नहीं है। हम आज कहानी की आलोचना का वृहद आख्यान ही क्यों बनाना चाहते हैं, जबकि ऐसे 'नैरेटिव' संकटग्रस्त हो चुके हैं? बनना ही था, तो प्रतिमान पहले ही बन जाने थे। अब तो कहानी भी उपशीर्षों में लिखी जाने लगी है, विधाएं गड्डमड्ड हो गई हैं और उनका ढांचा ही बदल गया है। कहीं ऐसा तो नहीं कि ऐसी मांग करते हुए हम किसी शाश्वत प्रतिमान की जकड़बंदी में कहानी जैसी जीवित विधा को कैद करना चाहते हैं? अभी तक तो यही कहा जाता रहा है कि आलोचना के निकष स्वयं विधाओं के भीतर से निकलते हैं। लेकिन सवा सौ सालों की हिंदी कहानी यात्रा में अब तक कहानी के भीतर से भी कोई शास्त्र बन कर तैयार नहीं हो सका। क्या इसका कारण केवल इतना है कि हिंदी कहानी को मुकम्मल आलोचक नहीं मिला? कहीं ऐसा तो नहीं कि कहानी की विधागत सीमा में ही चुनौती निहित हो कि इसका समीक्षक खंड-खंड समीक्षक होगा, वह हमेशा अधूरा होगा और पूरा होते ही कविता की ओर चला जाएगा। अब तक यही होता आया है।

क्या कहानी जीवन की बड़ी अर्थवत्ताओं को उस कौशल और बल से उठाने में न्यून रह जाती है, जिसे कविता बहुत हल्के प्रयत्न से उठा लेती है? कहानीकार तो यही कहते हैं कि कविता की रचना से कहानी लिखने की प्रक्रिया बहुत अधिक जटिल है, क्योंकि कहानी को देश-काल की जमीन पर ठीक से पैर जमा कर चलना पड़ता है, जबकि कविता ऐसे दलदलों के सामने आने पर उड़ान भरने का विकल्प खुला रखती है। जाहिर है कि यह एक पुरानी बहस है, पर इस दृष्टि से भी इस पर सोचा जाना चाहिए। केवल समीक्षक क्यों, स्वयं कहानीकारों ने भी कहानी से दूरी बना ली। जब अज्ञेय ने कहानियां लिखनी छोड़ दी, तो यही इल्जाम लगाया गया कि कहानी उनसे छूट गई। संभवतः जीवन का बदला हुआ यथार्थ उनसे छूट गया। एक बार फिर यह बात केंद्र में लगती है कि सचमुच ही जिसे कहा गया कि 'टाइम इज आउट आफ ज्वाइंट' यानी काल की चूलें उखड़ गई हैं, वही बात आज कहानी के यथार्थ के साथ घटित हो रही है। आज की कहानी बड़े जीवनादर्शों और सामाजिक सत्यों को सर्वथा नए शिल्प में उकेर रही है, लेकिन ऐसा लगता है कि उस पर आलोचकों की पूरी दृष्टि नहीं पड़ रही।

आजकल आख्यानों के संकटग्रस्त हो जाने से कहानी ने अपना आलोचकीय विवेक खुद कहानी के शिल्प में ही प्रतिष्ठित करने का काम किया है। लगभग हर कहानी एक सुरंग बनाती है, जो दूसरे छोर पर पाठक की आंख की पुतली में खुलती है। समकालीन कहानी का लेखक एक समांतर आलोचना अपनी कहानी में स्वयं ही करता चलता है। उसे ऐतिहासिक हड़बड़ी और जल्दी भी है। जाहिर है कि समीक्षा को ही अपना दायरा बड़ा करना होगा, क्योंकि कहानी ने अपना तेवर, अंदाज और अपनी राजनीति बदल दी है। इसलिए आलोचना को अपने देसी औजार विकसित करने चाहिए। समीक्षकों के सामने असल चुनौती यही है।

कथा आलोचना की जमीन

हरियश राय

चर्चा योग्य उत्कृष्ट कहानियों के चर्चा में न होने का सवाल हिंदी का एक ज्वलंत सवाल है। कथा मासिक 'परिकथा' की संपादकीय में शंकर ने हिंदी की कथा आलोचना को कठघरे में रखते हुए कहा है कि 'हिंदी की कथा आलोचना सही मायने में अधूरेपन का शिकार है।' उनका यह भी कहना है कि 'हिंदी आलोचना में अक्सर ही कुछ नाम उठाए और उछाले गए और कई उत्कृष्ट रचनाएं चर्चा से बाहर रहीं। अगर ऐसी रचनाओं की सूची बने, तो संभव है कि हिंदी कथा आलोचना शरमाने लग जाए।'

यह सवाल पहली बार नहीं उठा है। कई बार अलग-अलग संदर्भों में उठाया गया है। सवाल है कि यह चिंता फिर से क्यों जताई जाने लगी है। शायद कहानी के चयन का कोई प्रतिमान और कथा आलोचना की कोई विवेकपूर्ण परंपरा न होने के कारण यह सवाल उठा होगा।

दरअसल, हिंदी कथा आलोचना में नामवर सिंह, देवीशंकर अवस्थी, विश्वनाथ त्रिपाठी, सुरेंद्र चौधरी, धनंजय वर्मा, मधुरेश, मार्कंडेय, विजयमोहन सिंह, खगेंद्र ठाकुर, रमेश उपाध्याय ने इस दिशा में काफी काम किया और उनके इस काम से कहानी समीक्षा की आधार भूमि भी तैयार हुई। इससे कथा समीक्षा के क्षेत्र में एक वैचारिक बहस की शुरुआत भी हुई थी। इन सबके बावजूद यह सवाल उठता रहा है।

इस सवाल पर विचार करने के लिए आज के समय से थोड़ा पीछे जाकर कहानी समीक्षा की पड़ताल करनी पड़ेगी और यह जानना तथा समझना होगा कि उत्कृष्ट रचनाएं कथा समीक्षा से बाहर क्यों और कैसे रह गईं।

दरअसल, कथाकार अपने समय के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिवेश से निरंतर रूबरू होता रहता है और उसी परिवेश में संवेदनात्मक और वैचारिक स्तर पर अपनी कहानियों के कथानक चुनता और बुनता है। अस्सी के बाद के कथाकारों ने अपने-अपने ढंग से अपने सामाजिक परिवेश को देखा और सामाजिक परिवेश के दबावों को अपनी कथाओं में व्यक्त किया। कथाकारों ने अपने जमाने की पेचीदगियों, हकीकतों और तकाजों को मानवीय और विवेकपरक दृष्टि से कहानी के केंद्र में रखा। अस्सी के दशक के बाद कहानी के कथ्य और शिल्प के क्षेत्र में विविधता और संपन्नता देखने को मिली। कथाकारों ने अपनी रचनात्मकता से पहले लिखी जा रही कहानी के क्षेत्र को लांघ कर नई रचना भूमि विकसित की। इस दौरान अनेक बेहतरीन कहानियां लिखी गईं, जिनमें अपने समय का परिवेश समग्रता से रेखांकित हुआ है। मगर न जाने किन कारणों से कई महत्त्वपूर्ण कहानियां आलोचकों की नजरों से नहीं गुजर सकीं। दरअसल, हुआ यह कि आलोचकों ने कुछ कथाकारों और कुछ कहानियों का चुनाव कर बार-बार उन्हें ही अपनी आलोचना के केंद्र में रखा, जिससे बेहतर लिखने वाले कई कथाकार या तो हाशिए पर चले गए या परिदृश्य से ही गायब हो गए। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो कहानी के क्षेत्र में कोई गंभीर बहस या विचार-विमर्श नहीं हुआ।

भूमंडलीकरण से निर्मित परिवेश और उस परिवेश से निकल कर आए अनेक संदर्भों और घटनाओं को लेकर हिंदी कथाकार काफी सजग दिखाई देते हैं। सांप्रदायिकता और धार्मिक कठमुल्लेपन को लेकर कई कहानियां लिखी गईं। भूमंडलीकरण के बाद की जिंदगी बेहद आक्रामक हो गई थी और कथाकारों ने आक्रामक जिंदगी से मुठभेड़ करती हुई कहानियां लिखीं। इस दौर में मानवीय मूल्यों के पक्ष में अनेक कहानियां लिखी गईं। भूमंडलीकरण के इस दौर में जो अपसंस्कृति पनपी और उससे जो मूल्यहीनता सामने आई, कथाकारों ने समग्रता से इस दौर को कथा में दर्ज किया। कथा-जगत में कई

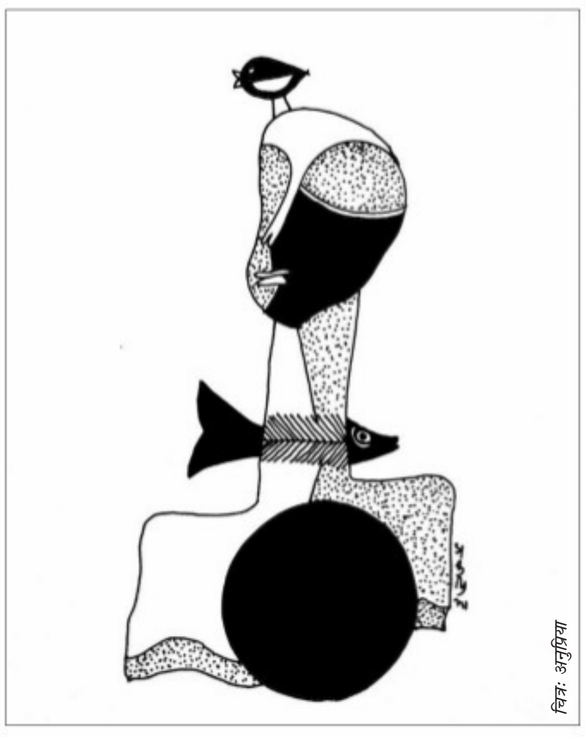
चित्र: अनुप्रिया

कथा आलोचना की जो दृष्टि विकसित हुई वह पश्चिमी देशों के साहित्य से उठाए गए सूत्रों पर आधारित रही, जिसके कारण आलोचकों ने प्रगतिशील और मानववादी आलोचना के प्रति कभी मौन, तो कभी विरोध का रवैया भी अपनाया। कहानी को समग्रता में न देख कर एक दस्तावेज या वक्तव्य के रूप में भी देखा गया।

लेखिकाओं ने अपनी महत्त्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज की है। स्त्री विमर्श और दलित विमर्श के अनेक मुद्दों को कहानियों के केंद्र में रखा गया। इन कहानियां में ऐसे चरित्र हैं, जो अपने परिवेश से निरंतर टकराते और जीवन में बदलाव लाने के लिए आतुर हैं। अस्सी के बाद के कथाकारों ने जीवन संघर्षों से जुड़े प्रमुख मसलों को अपनी कथा के केंद्र में रखा। साथ ही ग्रामीण जीवन में आए बदलावों और शोषण मूलक सामाजिक संबंधों को अपनी कथाओं में रेखांकित किया। इस दौर में विविधता के साथ नए-नए कथा प्रयोग हो रहे हैं।

कथा आलोचना की जो दृष्टि विकसित हुई, कुछ अपवादों को छोड़ कर वह दृष्टि पश्चिमी देशों के साहित्य से उठाए गए सूत्रों पर आधारित रही, जिसके कारण आलोचकों ने प्रगतिशील और मानववादी आलोचना के प्रति कभी मौन, तो कभी विरोध का रवैया भी अपनाया। कहानी को सम्रगता में न देख कर एक दस्तावेज या वक्तव्य के रूप में भी देखा गया। कथा आलोचना ने विचारधारा और उसके संघर्ष के प्रगतिशील रूपों की उपेक्षा कर कुछ 'व्यक्तित्वों' को पेश किया। इस दृष्टि के कारण ही आलोचकों ने अपने-अपने कथा नायक बना लिए और उन कथा नायकों का प्रचार और प्रसार इस तरह किया कि उनकी आड़ में कई बेहतरीन कहानियां या तो छूट गईं या उन पर उतना ध्यान केंद्रित नहीं किया, जितना किया जाना चाहिए था। इस प्रवृति के कारण अपने समय के कई विशिष्ट और महत्त्वपूर्ण कथाकार अनचाहे ही ओझल हो गए। कुछ कथा आलोचकों का मानना है कि ऐसी कहानियां लिखी ही नहीं जा रहीं, जो उन्हें लिखने को बाध्य कर सकें और जो कहानियां लिखी जा रही हैं वे उन्हें आकृष्ट कर पाने में सफल नहीं हो रही हैं।

कहानी के इस परिवेश में ऐसा कोई आलोचनात्मक हस्तेक्षप नहीं हुआ, जो कथा के रचनात्मक परिदृश्य को समग्रता से सामने लाकर कहानी के प्रतिमानों को रेखांकित कर सके। आज जरूरत लिखी जा रही कहानियों के आधार पर प्रतिमान बनाने और नए कथा विमर्श की है। साथ ही जरूरत कहानी के क्षेत्र में जो आलोचनात्मक कुहासा छाया हुआ है, उसे दूर करने की भी है

अस्सी के दशक के बाद हिंदी कथा आलोचना बहुत धीमी गति से आगे चली और आलोचकों और संपादकों ने अपने चयन और अपने प्राथमिकता के आधार पर कुछ कहानीकारों के नाम सामने रखे और बाकी के आलोचकों ने भी उन्हीं नामों का ढोल पीटा। कुछ आलोचक तो बहुत फख्र से कहते हैं कि मैं कहानियां नहीं पढ़ता या मुझे आज के दौर की लिखी जा रही कहानियों में ऐसा कुछ नहीं दिखाई देता कि मैं उस पर कुछ लिखूं। यह एक चिंतनीय स्थिति है।

विश्वनाथ त्रिपाठी की दो किताबें- 'कुछ कहानियां कुछ विचार' और 'कहानी के साथ'- कथा आलोचना के क्षेत्र में नई राह दिखाती हैं। साथ ही पिछले कुछ समय में जानकी प्रसाद शर्मा, खगेंद्र ठाकुर, कर्मेंदु शिशिर, अरुण प्रकाश, शशांक, संजीव कुमार, सूरज पालीवाल, शंभु गुप्त, अरुण कुमार और ज्योतिष जोशी की कहानियों से संबंधित किताबें आईं। इन किताबों में अपने समय के कहानी संकलनों पर लेख हैं, जो व्यक्ति विशेष कथाकारों का मूल्यांकन करते हैं। ये किताबें कथा आलोचना की कमी को कुछ हद तक पूरा करती हैं और इनसे कथा आलोचना की एक राह तो निकलती दिखाई देती है, लेकिन इस क्षेत्र में एक मुकम्मल काम होना अभी बाकी है। पर यह बात दावे से कही जा सकती है कि यह चिंता वाजिब है।

आतंकवाद एशिया में सबसे गंभीर खतरा : जयशंकर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को यहां कहा कि आतंकवाद एशिया में लोगों के लिए सबसे गंभीर खतरा है। साथ ही, आतंकवादियों और उनकी हरकतों से पीड़ितों को एक ही नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। विदेश मंत्री जयशंकर पांचवें सीआइसीए सम्मेलन के लिए शुक्रवार को यहां पहुंचे।

ताजिकिस्तान की राजधानी में आयोजित एशिया में बातचीत एवं विश्वास बहाली (सीआईसीए) के पांचवें सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि सीआइसीए के सदस्य देश आतंकवाद के पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद सबसे गंभीर खतरा है जिसका हम एशिया में सामना कर रहे हैं। सीआइसीए सदस्य देश इसके पीड़ित हैं और इसलिए यह स्पष्ट होना चाहिए कि आतंकवादियों और उनकी हरकतों से पीड़ितों को एक ही नजर से नहीं देखा जाए।

सम्मेलन से पहले जयशंकर का ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान ने स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, 'एक अहम मध्य एशियाई साझेदार। विदेश मंत्री एस जयशंकर का ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान ने सीआईसीए 2019 सम्मेलन के शुभारंभ पर स्वागत किया। सीआइसीए के नेता एशियाई महाद्वीप की चुनौतियों से निपटने की सामूहिक रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।'

जयशंकर ने कहा कि भारत, अफगानिस्तान में अफगान नीत और खुद अफगान जनता द्वारा शांति एवं सुलह प्रक्रिया का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि सभी कोशिशों और प्रक्रियाओं में वहां की वैध रूप से निर्वाचित सरकार तथा अफगान समाज के सभी तबकों को जरूर शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि नई भू-राजनीतिक एवं भू-आर्थिक परिस्थितियों के कारण वैश्वीकरण दबाव में है। भारत नियम-कायदा आधारित व्यवस्था का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, 'भारत-मध्य एशिया पांच वार्ता प्रारूप समूचे क्षेत्र में सहयोग एवं स्थिरता के लिए काफी सकारात्मक चीज है।'

उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का विजन 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं वृद्धि) में निहित है और यह सीआइसीए के लक्ष्यों के अनुरूप है।

बिहार में चार और बच्चों ने दम तोड़ा

पेज 1 का बाकी

हो गई। एक जून से 197 बच्चों को एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया जबकि केजरीवाल अस्पताल में 91 बच्चों को भर्ती कराया गया। इन सभी को एक्यूट इंसेफलाइटिस सिड्रोम के संदेह में भर्ती कराया गया था लेकिन ज्यादातर हाइपोग्लाइसीमिया के पीड़ित पाए गए। इन दोनों अस्पताल में इलाज करा रहे छह बच्चों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नित्यानंद राय गृह राज्य मंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद से राज्य के अपने पहले दौरे पर सभी अभिनंदन कार्यक्रम रद्द करते हुए पटना हवाईअड्डे से सीधा मुजफ्फरपुर पहुंचे। उन्होंने बच्चों की मौत पर चिंता जताई और कहा कि पार्टी किसी के भी स्वागत के लिए दो हफ्तों तक किसी कार्यक्रम का आयोजन नहीं करेगी। उन्होंने एसकेएमसीएच का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह हम सभी के लिए अत्यंत दुखदायी समय है। इस अज्ञात बीमारी ने इस साल कई जान ले ली।' राय ने कहा कि पिछले दो सालों में इससे दो या चार मौतें हुईं। साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकारों ने जरूरी बचाव उपाय किए हैं और अब तक इस बीमारी से प्रभावित 69 बच्चों को इन दो अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है।

डॉक्टरों से हिंसा के खिलाफ कानून बनाने पर सोचें राज्य : हर्षवर्धन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 जून।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने शनिवार को चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को किसी भी तरह की हिंसा से बचाने के लिए राज्यों से विशेष कानून लाने पर विचार करने को कहा। पश्चिम बंगाल में चिकित्सकों पर हुए हमले के मद्देनजर हर्षवर्धन ने यह बात कही। उन्होंने इस बारे में सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। पत्र के साथ उन्होंने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) की ओर से मुहैया कराए गए मसविदा अधिनियम-चिकित्सा सेवा जन व चिकित्सा सेवा संस्थान (हिंसा व संपत्ति को क्षति या नुकसान से रोक) अधिनियम, 2017 की एक प्रति भी संलग्न की। आइएमए व डीएमए के प्रतिनिधियों से शनिवार को मुलाकात के बाद उन्होंने यह पत्र लिखा है।

हर्षवर्धन ने डॉक्टरों पर हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई के मुद्दे पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का ध्यान खींचा है। आइएमए ने सुरक्षा की मांग को लेकर सोमवार को देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। इस बीच आइएमए चार दिनों का राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुक्रवार से शुरू कर चुका है। आइएमए ने अस्पतालों में स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए केंद्रीय कानून लाने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मांग भी की है। इसी के मद्देनजर हर्षवर्धन ने यह कदम उठाया है।

हर्षवर्धन ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में डॉक्टरों पर हमले की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इसने चिकित्सकों को अचानक हड़ताल पर जाने को मजबूर किया है। इससे स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा है कि देश के कई हिस्सों में रेजीडेंट डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं और स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया नहीं कर रहे हैं। बंगाल में चिकित्सकों का आंदोलन व्यापक रूप ले रहा है और यह देशभर के सरकारी व निजी क्षेत्र के डॉक्टरों की हड़ताल में तब्दील हो रहा है। आइएमए और दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने शनिवार को इस मामले में हर्षवर्धन से मुलाकात करके अपना ज्ञापन सौंपा। हर्षवर्धन ने भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि ऐसा कानून होना चाहिए, ताकि डॉक्टर और अस्पताल अपने कर्तव्य निभा सकें व चिकित्साकर्मी किसी हिंसा का सामना किए बगैर अपना काम कर सकें। उन्होंने ोर दिया कि इन पर हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून प्रवर्तन एजंसियों की ओर से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पांच जुलाई को होंगे राज्यसभा की छह सीटों के लिए उपचुनाव

नई दिल्ली, 15 जून (भाषा)।

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद सहित कुछ राज्यसभा सदस्यों के हाल ही में लोकसभा चुनाव जीतने के कारण उच्च सदन की रिक्त हुई छह सीटों के लिए उपचुनाव पांच जुलाई को होगा।

निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को जारी चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक बिहार, ओड़ीशा और गुजरात से रिक्त हुई छह सीटों पर उपचुनाव होगा। इनमें से बिहार से एक, गुजरात से दो और ओडिशा से तीन सीट रिक्त हुई हैं। बिहार से रविशंकर प्रसाद, गुजरात से अमित शाह, स्मृति ईरानी और ओड़ीशा से बीजद के अच्युतानंद सामंत लोकसभा के सदस्य चुने गए हैं। जबकि ओड़ीशा से ही राज्यसभा सदस्य प्रताप केशरी देब के विधानसभा सदस्य चुने जाने व सौम्य रंजन पटनायक के इस्तीफे की वजह से ये सीटों खाली हुई हैं।

इन सीटों पर उपचुनाव के लिए 18 जून को अधिसूचना जारी किए जाने के साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत होगी। उम्मीदवारी के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 25 जून होगी और 26 जून को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा, भारत से बात 'इज्जत और बराबरी' के साथ

पेज 1 का बाकी

परेशानी है। जब भारत खुद को इस बात के लिए तैयार कर ले, वह हमें भी तैयार पाएगा। लेकिन हम बातचीत बराबरी के दर्जे और इज्जत के साथ ही करेंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्री कुरैशी ने कहा कि ना तो हमें किसी के पीछे भागने की जरूरत है और ना ही कोई अकड़ दिखाने की ख्वाहिश है। पाकिस्तान का रुख बहुत ही वास्तविक, सोचा-समझा हुआ है। उन्होंने कहा कि अब फैसला भारत को करना है कि द्विपक्षीय वार्ता करना चाहता है या नहीं।

कुरैशी ने पुष्टि की कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शुक्रवार को अभिवादन हुआ। कुरैशी ने जियो न्यूज से कहा, 'हां, बैठक हुई, दोनों ने हाथ मिलाए और एक-दूसरे का अभिवादन किया।' कुरैशी ने कहा, 'पाकिस्तान को जो कहना था वह कह दिया। हम न तो जल्दबाजी में हैं न ही हमें कोई समस्या है। जब भारत तैयार होगा, हम भी तैयार मिलेंगे लेकिन हम बराबरी के आधार पर सम्मानजनक तरीके से वार्ता करेंगे।'

हालात का जायजा लेने मुजफ्फरपुर जाएंगे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

पेज 1 का बाकी

अस्पतालों- श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसकेएमसीएच) और केजरीवाल अस्पताल में इस महीने 67 बच्चों की मौत हुई है। डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि केंद्र बिहार को एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम और जापानी इंसेफलाइटिस के मामलों को रोकने व उसके प्रबंधन के लिए हर तरह की मदद मुहैया करा रहा है। मैं राज्य सरकार से स्थिति का जायजा लेने व समीक्षा करने रविवार मुजफ्फरपुर जा रहा हूं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री वहां मौजूद विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले दलों से बातचीत करेंगे और राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं केंद्र की उच्चस्तरीय विशेषज्ञों की टीम द्वारा सुझाए गए प्रबंधन के उपायों और तत्काल व चिरकालिक उपायों के तहत स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और महिला व बाल विकास मंत्रालय समेत केंद्र सरकार के अन्य मंत्रालयों के जरिए जो कुछ मदद की जा सकती है, उस पर चर्चा करूंगा।

मंत्री ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है और एइएस/जेइ के मामलों के प्रबंधन में राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों की सहायता कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रभावित इलाकों में केंद्रीय व राज्य के दलों की हर वक्त की मौजूदगी और उनके द्वारा उठाए गए बचाव कार्यों ने लोगों के बीच भरोसा जगाया है। हम जल्द ही एएसइ/जेइ मामलों को बढ़ने से रोकने में सक्षम होंगे। केंद्रीय मंत्री ने हाल में बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे से दो बार मुलाकात की और इस दौरान मुजफ्फरपुर में एइएस के और बिहार के ही गया में जेइ के बढ़ते मामलों की खबरों और इन्हें रोकने के लिए जन स्वास्थ्य उपायों पर चर्चा की।

आंधी व हल्की फुहारों से आज मिल सकती है गरमी से राहत

पेज 1 का बाकी

अगले कुछ दिनों तक बादलों की आवाजाही रहेगी व हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा है कि चक्रवाती तूफान 'वायु' ने दिशा भले बदल ली है लेकिन इसका असर जरूर होगा। जहां 'वायु' अरब सागर में ही आगे बढ़ रहा है वहीं इसके प्रभाव से राजस्थान पर भी चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बन रहा है। इसकी वजह से उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व आसपास के इलाकों में आंधी के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने रविवार को धूल भरी आंधी चलने और हल्की बारिश होने का अनुमान तो जताया ही है, मंगलवार से भी यह सिलसिला जारी रहने के कयास भी लगाए हैं। हालांकि दो दिनों तक गरमी से फिलहाल बड़ी राहत नहीं होगी। उसके बाद तापमान में गिरावट आएगी।

मौसम विभाग में क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रभारी कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा है कि आने वाले समय में दो स्थितियां ऐसी बन रहीं है जिनसे पश्चिमोत्तर भारत में मानसून पूर्व की बारिश हो सकती है। इनमें चक्रवाती हवाओं व पश्चिमी विक्षोभ का क्षेत्र शामिल है। शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस साल इस मौसम में सामान्य है। हवा में नमी का स्तर 36 फीसद रहा। मौसम विभाग ने दोपहर बाद आंशिक रूप से बादल छाए रहने और धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान लगाया है। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। दिल्ली के शहर के लिए मौसम संबंधी आधिकारिक आंकड़ा प्रदान करने वाली सफदरजंग वेधशाला ने शनिवार को अधिकतम तापामन 43.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। पालम में यह क्रम से 45 व 29.4 डिग्री सेल्सियस रहा। आगे इसमें मामूली गिरावट आएगी पर यह 40 के ऊपर ही रहेगा। मंगलवार से कुछ राहत होगी।

उधर, तूफान 'वायु' गुजरात के तटीय क्षेत्रों से समुद्र में पश्चिम की ओर हो गया है। मौसम विभाग ने इसके 17 जून की शाम तक सौराष्ट्र और कच्छ के तटीय क्षेत्र में पहुंचने का अनुमान जताया है। इसकी गति धीमी हो गई है। विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के मुताबिक शनिवार को शाम चार बजे तक वायु का प्रभावक्षेत्र अरब सागर में पूर्वोत्तर और मध्य पूर्वी क्षेत्र में दीव से 445 किमी पश्चिम में और पोरबंदर से 335 किमी पश्चिम दक्षिण पश्चिम में स्थित था। यह लगभग छह किमी प्रति घंटे की गति से तटीय क्षेत्रों से समुद्र में पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। इसके अनुसार वायु,अगले 24 से 36 घंटे तक इस गति से पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए लगातार कमजोर हो रहा है। गुजरात के समुद्री क्षेत्र में हवा के कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण शनिवार को तटीय इलाकों में द्वारका, भावनगर और पोरबंदर में 0.4 से 17 मिलीमीटर तक बारिश हुई। विभाग ने इन इलाकों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा द्वारका, ओखा, कांडला, पोरबंदर और आसपास के इलाकों में 10 से 27 किमी प्रति घंटे की गति से तूफानी हवाओं का दौर जारी है। चक्रवात के कारण जानमाल के संभावित नुकसान की आशंका को देखते हुए केंद्र व राज्य सरकार के एहतियाती उपायों के कारण अभी तक किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है।

लक्ष्य बड़ा, पर मिलकर हासिल करेंगे : मोदी

पेज 1 का बाकी

एचडी कुमारस्वामी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई अन्य ने हिस्सा लिया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने हर भारतीय को अधिकार संपन्न बनाने और लोगों की जिंदगी अधिक सुगम बनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'टीम इंडिया' के रूप में आयोजित इस सम्मेलन में अपने प्रारंभिक संबोधन में देश में गरीबी, बेरोजगारी, सूखा, बाढ़, प्रदूषण, भ्रष्टाचार और हिंसा आदि के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का आह्वान किया। मोदी ने 17वीं लोकसभा के चुनाव को दुनिया में लोकतंत्र की सबसे बड़ी कवायद बताया और कहा कि अब समय है कि सब मिल कर भारत के विकास में लग जाएं।

प्रधानमंत्री ने संचालन परिषद के सभी सदस्यों से सरकार का ऐसा ढांचा तैयार करने में मदद का आह्वान किया, जो कारगर हो और जिसमें लोगों का भरोसा हो। सहयोगपूर्ण संघवाद के महत्त्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'देश को 2024 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन राज्यों के संयुक्त प्रयास के साथ इसे हासिल किया जा सकता है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्यों दोनों को निर्यात में वृद्धि की दिशा में काम करना चाहिए। पूर्वोत्तर समेत कई राज्यों में निर्यात के क्षेत्र में काफी संभावना है, जिसका उपयोग नहीं हुआ है।' उन्होंने कहा कि राज्यों के स्तर पर निर्यात पर जोर से आय और रोजगार को गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'यहां बैठे सभी लोगों का 2022 तक नया भारत बनाने का एक साझा लक्ष्य है।' उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान और प्रधानमंत्री आवास योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य मिलकर क्या नहीं कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सशक्तिकरण और जीवन सुगमता हर भारतीय को उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि अल्पकालीन और दीर्घकालीन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ के लिए जो लक्ष्य रखे गए हैं, उसे हर हाल में हासिल किया जाना चाहिए और आजादी की 75वीं वर्षगांठ को लेकर जो लक्ष्य रखे गए हैं, उसे हासिल करने की दिशा में काम करना चाहिए।' मोदी ने कहा कि जल संरक्षण के अपर्याप्त प्रयासों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। नवगठित जल शक्ति मंत्रालय जल प्रबंधन के विषय में एक समन्वित दृष्टिकोण अपनाने में मदद करेगा। राज्यों को भी जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में अपने विभिन्न प्रयासों को समन्वित करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, 'उपलब्ध जल संसाधन का प्रबंधन अत्यंत जरूरी है। हमारा 2024 तक सभी घरों को पाइप के जरिए जल आपूर्ति का लक्ष्य है। जल संरक्षण और प्रबंधन के लिए इमारतों के निर्माण से जुड़े प्रावधानों जैसे नियम और नियमन भी तैयार करने की जरूरत है।'

प्रधानमंत्री ने सूखे की स्थिति से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया। केंद्र सरकार की 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि मत्स्य, पशुपालन, बागवानी, फसल और सब्जियों पर ध्यान देने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों की जरूरत पर बल देते हुए मोदी ने कहा, 'कंपनियों के निवेश, लाजिस्टिक को मजबूत बनाने तथा पर्याप्त बाजार समर्थन उपलब्ध कराने की जरूरत है।' उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य उत्पादन के मुकाबले खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में तेजी से विकास होना चाहिए।

मोदी ने कहा कि कई पिछड़े जिले नक्सल हिंसा से पीड़ित हैं। विकास में तेजी लाते हुए हिंसा से कड़ाई से निपटा जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2022 तक कई लक्ष्यों को हासिल करने को ध्यान में रखना है। उन्होंने 2025 तक टीबी को समाप्त करने के लक्ष्य का जिक्र किया। उन्होंने उन राज्यों से आयुष्मान भारत के तहत पीएमजेएवाई से जल्द जुड़ने का आह्वान किया, जो अब तक इसमें शामिल नहीं हुए हैं।

कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों ने की मनमोहन से चर्चा

पेज 1 का बाकी

का मार्गदर्शन लिया। इस बैठक में कांग्रेस शासित चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कर्नाटक के मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी शामिल हुए।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मुलाकात कर इस बैठक में उठाए जाने वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री कुमारस्वामी और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नारायणसामी इस बैठक में शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक इस मुलाकात के दौरान इन मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग के संचालन परिषद की बैठक के मसविदे और उसमें उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले शुक्रवार रात कमलनाथ की ओर से दिए गए रात्रिभोज में गहलोत, बघेल और नारायणसामी ने शिरकत की थी।

भारत-पाक का मुकाबला आज, देश को जीत की आस

पेज 1 का बाकी

हैं। दूसरी तरफ पाकिस्तान की टीम ने अब तक खेले चार मैचों में तीन अंक जुटाए हैं। टीम ने अपना एकमात्र मैच इंग्लैंड के खिलाफ जीता है। वेस्ट इंडीज और आस्ट्रेलिया से उसे हार मिली है। श्रीलंका के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण रद्द करना पड़ा था।

रविवार के मुकाबले में कागज पर विराट की टीम सरफराज अहमद की पाकिस्तान टीम से मजबूत है। हालांकि दोनों की असली परीक्षा मैदान पर ही होगी। इस मैच में दोनों टीमों के नए खिलाड़ियों को दबाव से उबर कर बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विराट ने इस मैच को सामान्य मैचों से अलग मानने की सोच से जरूर खुद को अलग किया है, पर इस मैच में भारत की जीत की उम्मीद वे भी क्रिकेट के अन्य दिग्गजों के साथ कर रहे हैं।

नेपाल में कई स्कूलों ने चीनी भाषा मंडारिन को बनाया अनिवार्य

पेज 1 का बाकी

पृष्ठभूमि में। भारत इस परियोजना का विरोध कर रहा है क्योंकि इसके तहत आने वाला चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरेगा।

द हिमालयन टाइम्स की खबर के मुताबिक नेपाल के कई स्कूलों ने छात्रों के लिए चीनी भाषा मंदारिन सीखना अनिवार्य कर दिया है क्योंकि चीन की सरकार ने मंदारिन पढ़ाने वाले शिक्षकों के वेतन का भुगतान करने की पेशकश ही है। नेपाल में स्कूल का पाठ्यक्रम तैयार करने वाली इकाई करिकुलम डेवलपमेंट सेंटर के दिशानिर्देश के अनुसार नेपाल के स्कूल छात्रों को विदेशी भाषा पढ़ा सकते हैं लेकिन वह इसे अनिवार्य नहीं बना सकते हैं।

ट्रेनों में मालिश की सुविधा का प्रस्ताव वापस लिया

पेज 1 का बाकी

जानकारी दी गई थी कि इस प्रस्ताव को रेलवे ने वापस लेने का फैसला लिया है। योजना दक्षिणी रेलवे की रतलाम डिवीजन से शुरू की जानी थी।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने इस मामले में रेल मंत्री पीयूष गोयल को शुक्रवार को पत्र लिखा था। पत्र में उन्होंने रेल मंत्री से जानना चाहा था कि क्या पश्चिम रेलवे के रतलाम रेल मंडल की प्रस्तावित मालिश योजना को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दी है? इस प्रकार की (मालिश) सुविधा के लिए चलती रेलगाड़ी में किस तरह की व्यवस्था की जाएगी क्योंकि इससे विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा एवं सहजता के संबंध में कुछ प्रश्न हो सकते हैं। उन्होंने अपने पत्र में यह भी पूछा था कि क्या इंदौर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर मसाज पार्लर खोले जाने का भी कोई प्रस्ताव है क्योंकि इस मामले में इंदौर क्षेत्र के सांसद शंकर लालवानी भी मसाज योजना पर रेल मंत्री को पत्र लिखकर पहले आपत्ति दर्ज करा चुके हैं। उन्होंने रेल मंत्री से अनुरोध किया था कि इस योजना को लेकर जनमानस की भावनाओं के मुताबिक पुनर्विचार करें।

पहली बार इंदौर से चलने वाली 39 ट्रेनों में यात्रियों को मालिश की सुविधा देने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। हालांकि, इसे शुरू करने की तारीख की कोई घोषणा नहीं की गई थी। योजना के तहत सुबह छह से रात 10 बजे तक सिर और पैरों की मालिश देने की योजना थी। इस सेवा के बदले यात्रियों से विभिन्न श्रेणी में 100 रुपए, 200 रुपए और 300 रुपए का शुल्क लिया जाना था। अनुमान जताया गया था कि इससे रेलवे खजाने में सालाना 20 लाख रुपए की अतिरिक्त आय होगी। पश्चिमी रेलवे ने ट्रेन से सफर करने वाले यत्रियों को ट्रेन में ही सिर व पैर की मालिश करने का प्रस्ताव तैयार किया था। जैसे ही यह योजना पश्चिमी रेल के वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आई तो इस प्रस्ताव को वापस लेने का फैसला किया गया है। हालांकि मंत्रालय यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर काम जारी रखेगा और सुविधा के लिए यात्रियों व आम जनता से रायशुमारी की जाएगी। पश्चिमी रेलवे का कहना है कि वह यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वचनबद्ध है।

नहीं पहुंचे ममता और चंद्रशेखर राव

पेज 1 का बाकी

बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के चंद्रशेखर राव, पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह नहीं पहुंचे। ममता बनर्जी और केसीआर 30 मई को मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल नहीं हुए थे।

ममता बनर्जी ने मोदी को पत्र लिखकर इस बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई थी। उनका कहना था कि नीति आयोग के पास किसी तरह के वित्तीय अधिकार नहीं हैं ऐसे में इस तरह की बैठक की कवायद बेकार है। इससे पहले भी ममता नीति शोध संस्था की बैठक में शामिल नहीं हुई थीं और उन्होंने योजना आयोग को भंग किए जाने पर नाराजगी जताई थी। अमरिंदर सिंह स्वास्थ्य कारणों से बैठक में नहीं आ पाए। बैठक में पंजाब का प्रतिनिधित्व राज्य के वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने किया। बैठक में अन्य सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, संघ शासित प्रदेशों के प्रशासक व जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल ने हिस्सा लिया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री अपनी महत्वाकांक्षी 80,000 करोड़ रुपए की कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को शुरू करने की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस परियोजना से राज्य के जल संकट को दूर किया जा सकेगा। तेलंगाना सरकार ने बैठक में अपना कोई प्रतिनिधि भी नहीं भेजा।

सीवर साफ करने के दौरान दम घुटने से सात की मौत

पेज 1 का बाकी

उन्होंने सभी शवों को बाहर निकाला। पोस्टमार्टम के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। होटल का मालिक हसन अब्बास इस्माइल बोरानिया फरार है।

डभोई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक शैलेष मेहता ने कहा कि चारों सफाईकर्मी पड़ोस के थुवावी गांव के रहने वाले थे। उन्हें सफाई के लिए बुलाया गया था। उन्होंने कहा कि यह हादसा दर्शाता है कि मजदूरों की सुरक्षा का कतई ख्याल नहीं रखा जाता है।

इस बीच, गुजरात सरकार ने हर मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का एलान किया है।

राज्यपाल ने कहा, डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाएं ममता

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून।

बंगाल के राज्यपाल केसरी नाथ त्रिपाठी ने शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिख कर उन्हें डॉक्टरों को सुरक्षा मुहैया करने के लिए तत्काल कदम उठाने और राज्य भर में जूनियर डॉक्टरों के प्रदर्शन से पैदा हुए गतिरोध का समाधान तलाशने की सलाह दी। ममता बनर्जी ने बाद में कहा कि उन्होंने राज्यपाल से बात की और उन्हें अस्पतालों में गतिरोध को हल करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी।

त्रिपाठी ने ममता को सलाह दी कि वह डॉक्टरों की सुरक्षा इंतजाम के बारे में उन्हें (डॉक्टरों को) भरोसे में लें। साथ ही, उन पर हुए हमले की घटनाओं की जांच में हुई प्रगति को लेकर भी उन्हें भरोसे में लें।

राज्यपाल ने पत्र में कहा कि इससे अनुकूल माहौल बनाने में मदद मिलेगी और डॉक्टर अपनी ड्यूटी पर लौट पाएंगे। गौरतलब है कि त्रिपाठी ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने जूनियर डॉक्टरों के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री से संपर्क करने की कोशिश की थी लेकिन उन्हें उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला।

डॉक्टरों ने ठुकराई काम पर लौटने की ममता की अपील

पेज 1 का बाकी

इस्तीफे पर बनर्जी ने कहा कि यह कानूनी रूप से मान्य नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर जूनियर डॉक्टर सोचते हैं कि मैं अक्षम हूं तो वे हमेशा राज्यपाल या मुख्य सचिव या पुलिस आयुक्त से बात कर सकते हैं।'

हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका जताते हुए राज्य सचिवालय में ममता बनर्जी के साथ शनिवार को बंद कमरे में बैठक का आमंत्रण ठुकरा दिया और कहा कि मुख्यमंत्री को गतिरोध दूर करने के उद्देश्य से खुले में चर्चा के लिए एनआरएस मेडिकल कॉलेज व अस्पताल आना चाहिए।

उधर, जूनियर डॉक्टरों के संयुक्त मंच के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हमलोग ड्यूटी पर लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री की ओर से इसका (मौजूदा समस्या का) समाधान निकालने के लिए कोई ईमानदार पहल नहीं की गई है।' प्रदर्शनरत जूनियर डॉक्टरों ने बनर्जी के उस दावे को भी खारिज किया कि उनके कुछ सहकर्मी उनसे मिलने के लिए राज्य सचिवालय गए थे।

उन्होंने कहा कि संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने जो कुछ भी कहा है उसमें कोई सच्चाई नहीं है। कोई भी जूनियर डॉक्टर उनसे मिलने के लिए नहीं गया था। वे दावा कर रही हैं कि हमलोग समाधान निकालने और बातचीत के खिलाफ हैं... लेकिन हम चाहते हैं कि वे नील रतन सरकार मेडिकल कॉलेज अस्पताल आएं, हमें सुनें और बीमार लोगों की सेवा के लिए जरूरी कदम उठाएं।

उधर, विपक्षी दलों भाजपा व वाम मोर्चा ने हड़ताल के लिए ममता को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उन्हें धमकी देने के बजाय डॉक्टरों से बात करनी चाहिए।

प्रदर्शनों के बाद हांगकांग का रुख बदला

प्रत्यर्पण विधेयक निलंबित रहेगा

हांगकांग, 15 जून (एएफपी)।

बेजिंग समर्थक हांगकांग की मुख्य प्रशासक कैरी लाम ने शनिवार को कहा कि चीन को प्रत्यर्पण की अनुमति देने वाला 'विभाजक' विधेयक निलंबित रहेगा। एक सप्ताह तक चले अभूतपूर्व प्रदर्शनों के बाद लाम ने इस संबंध में अपनी सरकार के रुख में बदलाव किया है।

हांगकांग की मुख्य प्रशासक कैरी लाम ने संवाददाताओं से कहा, 'सरकार ने विधेयक में संशोधन संबंधी प्रक्रिया को स्थगित करने, समाज के सभी तबकों के साथ बातचीत की प्रक्रिया फिर से शुरू करने और इस सिलसिले में अधिक कार्य करने तथा समाज के विभिन्न विचारों को सुनने का फैसला लिया है।'

दरअसल, लाम पर इस विवादास्पद विधेयक को रोकने के लिए अपने राजनीतिक सहयोगियों और सलाहकारों का भी दबाव पड़ रहा था। उन्होंने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, 'सरकार ने विधेयक में संशोधन संबंधी प्रक्रिया को स्थगित करने, समाज के सभी तबकों के साथ बातचीत की प्रक्रिया फिर से शुरू करने और इस सिलसिले में अधिक कार्य करने तथा समाज के विभिन्न विचारों को सुनने का फैसला लिया है।'

लाम ने कहा, 'इस कार्य के लिए कोई समय सीमा तय करने का हमारा कोई इरादा नहीं है और हम अगला कदम उठाने का फैसला करने से पहले सुरक्षा मामलों पर विधायी परिषद के सदस्यों के साथ मशविरा करने का वादा करते हैं।

इस विधेयक पर आलोचना बढ़ने के साथ बेजिंग में कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं के बीच भी बेचैनी बढ़ने लगी थी। लाम ने शनिवार का संवाददाता सम्मेलन उसी सरकारी परिसर में किया जिसका इस हफ्ते की शुरूआत में प्रदर्शनकारियों ने घेराव किया था।

साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट ने बताया कि लाम ने शुक्रवार रात अपने सलाहकारों की एक आपात बैठक बुलाई, जबकि पास के शहर शेंझेन में चीनी अधिकारियों ने भी गतिरोध दूर करने की राह तलाश करने के लिए बैठक की।

प्रदर्शन के आयोजक रविवार को भी बड़ी रैली करने की योजना बना रहे हैं जिसे लेकर तनाव बढ़ रहा है। बहरहाल, प्रदर्शनकारी इस विधेयक को पूरी तरह से वापस लेने की मांग कर रहे हैं, ना कि महज टाले जाने का।

हांगकांग में 1997 के बाद ये सबसे बड़े विरोध प्रदर्शन थे। 1997 में हांगकांग को चीन को सौंपे जाने के दौरान यहां हजारों लोगों ने प्रदर्शन किए थे। बुधवार को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे और रबड़ की गोलियां चलाई थीं।

ट्रंप ने तेल टैंकरों पर हमले के लिए ईरान को ठहराया जिम्मेदार, वार्ता की अपील

वाशिंगटन, 15 जून (एपी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सामरिक महत्व की हर्मुज जलसंधि के पास तेल टैंकरों पर हुए कथित हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि अमेरिका के सैन्य बल प्रयोग की धमकी से यह खाड़ी देश बातचीत के लिए तैयार हो जाएगा।

ईरान के जल क्षेत्र के बाहर दो तेल टैंकरों में हुए विस्फोट के एक दिन बाद अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अफरा-तफरी मच गई। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ट्रंप प्रशासन ईरान को दंडित करने और युद्ध के कगार पर पहुंचे बगैर अमेरिका के खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों को भरोसे में रखने के बीच की स्थिति में फंस गया है।

ट्रंप ने फॉक्स न्यूज चैनल पर शुक्रवार को कहा, 'ईरान ने यह किया।' हालांकि, उन्होंने कोई सबूत तो नहीं दिया, लेकिन अमेरिकी सेना ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने टैंकरों को निशाना बना कर हर्मुज जलसंधि के पास बिछाई गई एक बारूदी सुरंग को हटाया। इस बारूदी सुरंग में विस्फोट नहीं हुआ था।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया के साथ इसी तरह की कूटनीति अपनाई थी। ईरान ने इन विस्फोटों में किसी संलिप्तता से इनकार किया है।

ट्रंप ने कहा, 'उन्हें (ईरान को) बहुत कड़े शब्दों में कहा गया है कि हम उन्हें वार्ता की मेज पर वापस चाहते हैं।' गौरतलब है कि एक दिन

नेपाल में उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर चिंता

काठमांडो, 15 जून (भाषा)।

नेपाल में उत्तर कोरिया की बढ़ रही कारोबारी गतिविधियों पर अमेरिका ने चिंता जताई है। अमेरिका ने नेपाल से आग्रह किया है कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश होने के नाते उसे इस वैश्विक इकाई द्वारा उत्तर कोरिया पर लगाए गए प्रतिबंध का सम्मान करना चाहिए।

उत्तर कोरिया के लिए विशेष अमेरिकी राजदूत मार्क लैम्बर्ट तीन दिवसीय दौरे पर नेपाल में हैं। उन्होंने यहां के सांसदों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के सह-अध्यक्ष पुष्प कमल दहल से यह अपील की है।

FORM G - INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST

(Under Regulation 36A (1) of the Insolvency and Bankruptcy (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016

RELEVANT PARTICULARS

1	Name of the corporate debtor	Kansal Building Solutions Pvt. Ltd.
2	Date of incorporation of corporate debtor	December 28, 2010
3	Authority under which corporate debtor is incorporated / registered	RoC-Delhi
4	Corporate identity number / limited liability identification number of corporate Debtor	U51909DL2010PTC211852
5	Address of the registered office and principal office (if any) of corporate debtor	Registered Office: 509/5, Maa Anand Mai Marg Govindpuri New Delhi-110019
6	Insolvency commencement date of the corporate debtor	March 25, 2019
7	Date of invitation of expression of interest	June 16, 2019 (Earlier: May 29, 2019)
8	Eligibility for resolution applicants under section 25(2)(h) of the Code is available at:	Available at the website: http://www.kansalindia.in
9	Norms of ineligibility applicable under section 29A are available at:	https://ibbi.gov.in/webfront/legal_framework.php More details can be sought by emailing at kansal@ascgroup.in and alok@insolvencyservices.in
10	Last date for receipt of expression of interest	June 27, 2019 (Earlier: June 17, 2019)
11	Date of issue of provisional list of prospective resolution applicants	July 07, 2019 (Earlier: June 27, 2019)
12	Last date for submission of objections to provisional list	July 12, 2019 (Earlier: July 02, 2019)
13	Date of issue of final list of prospective resolution applicants	July 22, 2019 (Earlier: July 12, 2019)
14	Date of issue of information memorandum, evaluation matrix and request for resolution plans to prospective resolution applicants	July 12, 2019 (Earlier: July 02, 2019)
15	Manner of obtaining request for resolution plan, evaluation matrix, information memorandum and further information	Only such applicants that meet the eligibility criteria as per pt. 8 above) and have signed NDA, will be provided access to the request for Resolution Plan, evaluation matrix and Information Memorandum and Data Room through electronic form. The applicant can raise specific request at email at kansal@ascgroup.in. Further prospective resolution applicants should regularly visit the website of Corporate Debtor at http://www.kansalindia.in to keep themselves updated regarding classifications amendments or extensions of time, if any.
16	Last date for submission of resolution plans	August 11, 2019 (Earlier: August 01, 2019)
17	Manner of submitting resolution plans to resolution professional	A prospective resolution applicant in the final list may submit resolution plan or plans prepared in accordance with the Code and these regulations to the resolution professional electronically and in the sealed envelope at the address mentioned in pt. 21. Further details will be provided in the Request for Resolution Plan.
18	Estimated date for submission of resolution plan to the Adjudicating Authority for approval	September 06, 2019
19	Name and registration number of the resolution professional	Alok Kumar Agarwal Reg. No.: IBBI/IPA-001/IP-P00059/2017-2018/10137
20	Name, Address and e-email of the resolution professional, as registered with the Board	Alok Kumar Agarwal Address: 605, Suncity Business Tower, Golf Course Road, Sector 54, Gurgaon,Haryana ,122002. e-mail: alok@insolvencyservices.in
21	Address and email to be used for correspondence with the resolution professional	Address: C-100, Sector 2, Noida, Uttar Pradesh, 201301 Email: kansal@ascgroup.in
22	Further Details are available at or with	From the website at http://www.kansalindia.in or email at kansal@ascgroup.in
23	Date of publication of Form G	June 16, 2019 (Earlier: May 29, 2019)

(Alok Kumar Agarwal) Resolution Professional
Registration No.: IBBI/IPA-001/IP-P00059/2017-2018/10137
Address: 605, Suncity Business Tower, Golf Course Road, Sector -54, Gurgaon, Haryana- 122002 Mail ID: alok@insolvencyservices.in

Date: June 16, 2019
Place: Gurgaon

चीन में पुल ढहा, वाहन नदी में गिरे, दो लोग लापता

बेजिंग, 15 जून (एपी)।

दक्षिणी चीन में एक पुल का एक बड़ा हिस्सा नदी में ढह गया जिससे दो वाहन नदी में गिर गए और दो लोग लापता हैं। हेयुआन शहर की पुलिस ने बताया कि पुल का 120 मीटर का हिस्सा शुक्रवार सुबह ढह गया। चीन की समाचार एजंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि दो सुरक्षा गार्डों ने 44 साल के एक व्यक्ति को बचाया जबकि दो अन्य लोग अब भी लापता हैं।

बैंक ऑफ इंडिया
(भारत सरकार का उपक्रम)
गाजियाबाद प्रक्षेत्र
बी-32, सेक्टर 62, नोएडा-201307

अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये द्वितीय बिक्री सूचना

परिशिष्ट-IV-ए
नियम 8(6) के प्रावधान के अंतर्गत

प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) तथा नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारक(कों) तथा गारन्टर(रों) को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ इंडिया के पास गिरवी/चार्ज्ड नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जिसका बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भौतिक कब्जा किया गया है, की श्री अरुण कु. गोयल एवं चारु गोयल एवं अरुण जनरल स्टोर से बैंक ऑफ इंडिया के बकाये रु. 31.34 लाख + ब्याज की वसूली के लिये क्रम सं. 1 में वर्णित सम्पत्ति की 5.7.19 (समय 2 बजे अप. से 4 बजे अप.) को ''जैसा है जहां है'', ''जो भी जैसा है'' तथा ''जो कुछ भी वहां है'' आधार पर बिक्री की जायेगी। क्रम सं. 2 में वर्णित सम्पत्ति की बिक्री श्री तरुण कु. गोयल एवं मै. अरुण जनरल स्टोर से बैंक ऑफ इंडिया के बकाये रु. 31.099 लाख + ब्याज की वसूली के लिये की जायेगी। ईएमडी/दस्तावेज ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 4.7.19 है।

आरक्षित मूल्य एवं ईएमडी तथा बिक्री की जाने वाली सम्पत्तियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

शाखा का नाम एवं खाता/ ऋणधारक का नाम	सम्पत्ति का विवरण एवं स्वामी	मांग सूचना तिथि बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) कब्जा की तिथि	ईएमडी जमा करने की खाता का विवरण	आरक्षित मूल्य ईएमडी बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी/ बीएन जिन से बोलीदाता सम्पर्क कर सकते हैं, का नाम एवं मोबाईल नं.
1. बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-22, नोएडा शाखा खाता: 1. श्री अरुण कुमार गोयल एवं श्रीमती चारू गोयल 2. मै. अरुण जनरल स्टोर्स	श्री कमल कु. गुप्ता के स्वामित्व में गाजियाबाद, उ.प्र. में बाबा अपार्टमेन्ट, भूतल, प्लॉट नं. सी-1/17, डीएलएफ दिलशाद एक्स्टें.-II, ग्राम ब्रहमपुर, साहिबाबाद में आवासीय फ्लैट नं. जी 2, माप 41.805 वर्ग मी.	29.1.16 एवं 30.4.16 रु. 3133733.34 + ब्याज भौतिक तिथि 21.5.2019	खाता नं. 71240SUN-CRO20 खाता नामः संग्रहण खाता लाभ भोगी का नामः बैंक ऑफ इंडिया, नोएडा, सेक. 22 शाखा, आईएफएससी कोडः BKID0007124	रु. 13.90 लाख रु. 1.4 लाख रु. 0.14 लाख	5.7.19 को 2 बजे अप. से 4 बजे अप.	श्री एस.एस. रावत मोबाः 7506604847 श्री मेहर सिंह 9990166088
ii. बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-22, नोएडा शाखा खाता: i) श्री तरुण कुमार गोयल ii) मै. अरुण जनरल स्टोर्स	श्री कमल कु. गुप्ता के स्वामित्व में गाजियाबाद, उ.प्र. में बाबा अपार्टमेन्ट, भूतल, प्लॉट नं. सी-1/17, डीएलएफ दिलशाद एक्स्टें.-II, ग्राम ब्रहमपुर, साहिबाबाद में आवासीय फ्लैट नं. जी 3, माप 41.805 वर्ग मी.	16.1.16 एवं 30.4.16 रु. 3109969.37 + ब्याज भौतिक तिथि 21.5.2019	खाता नं. 71240SUN-CRO20 खाता नामः संग्रहण खाता लाभ भोगी का नामः बैंक ऑफ इंडिया, नोएडा, सेक. 22 शाखा, आईएफएससी कोडः BKID0007124	रु. 13.90 लाख रु. 1.4 लाख रु. 0.14 लाख	5.7.19 को 2 बजे अप. से 4 बजे अप.	श्री एस.एस. रावत मोबाः 7506604847 श्री मेहर सिंह 9990166088

नियम एवं शर्तें:

1. प्राधिकृत अधिकारी की सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी में सम्पत्ति पर कोई अधिभार नहीं है। लेकिन, इच्छुक बोलीदाता अधिभारों, सम्पत्ति/यों के टाइटल के विषय में अपनी स्वतंत्र जांच करें एवं उसका निरीक्षण कर स्वयं को संतुष्ट कर लें। सम्पत्ति का निरीक्षण 3.7.19 को कार्यावधि के दौरान किया
1. जा सकता है।
2. ईएमडी जमा किये होने वाले इच्छुक बोलीदाताओं जिन्हें लागिन आईडी एवं पास्वर्ड बनाने, डैटा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई-नीलामी बिक्री
2. प्रक्रिया पर प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता हो, वे मै. ई-प्रॉक्योर्मेन्ट टेक्नोलॉजीज लि. (Auction Tiger) सम्पर्क सं. 079-41072409-410 एवं 411 से सम्पर्क करें। सम्पर्क व्यक्तिः श्री राम शर्मा एवं विशाल तिवारी, मो. नं. 08000023297, 09879996111, ईमेलः up@auction-tiger.net, ramprasad@auctiontiger.net, vishal@auctiontiger.net, support@auctiontiger.net तथा संम्पत्ति-संबंधी किसी भी पूछताछ के लिये वे उनके संबंधित फोन नं. पर प्राधिकृत अधिकारी से अथवा श्री संजीव माहेश्वरी से 9839782042 अथवा 0210-2404135 पर संपर्क कर सकते हैं। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबसाईट https://boi.auctiontiger.net में दी गई ई-नीलामी प्लेटफार्म के माध्यम से की जायेगी।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया http://www.bankofindia.co.in एवं https://boi.auctiontiger.net में दी गई लिंक देखें।

तिथि: 16.6.19 — **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान: गाजियाबाद — **बैंक ऑफ इंडिया**

वसूली अधिकारी-I का कार्यालय
ऋण वसूली न्यायाधिकरण-III, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

आर.सी. सं. 786/2018 — **बिक्री उद्घोषणा** — दिनांक: 21.05.2019

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड बनाम माध्यम इन्फरा पॉवर प्रा. लि. एवं अन्य

बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं के बकाया ऋण की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52(2) के तहत बिक्री की उद्घोषणा

सीडी नं. 1 **मैसर्स माध्यम इन्फरा पॉवर प्राईवेट लिमिटेड** पंजीकृत कार्यालयः बी-1/17, प्रथम तल, जनकपुरी पूर्व, दिल्ली-58. **यहां भीः** एई-2, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली-110027.
सीडी नं. 2 **श्री प्रभात सिंह, पुत्र श्री अमर सिंह** **निवासः** सी-727, भूतल, ब्लॉक-सी, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018. **यहां भीः** निवास सी2-120, भूतल, जनकपुरी नई दिल्ली-110058.
सीडी नं. 3 **श्री कुमुद भटनागर,** निवासः बी-302, कावेरी अपार्टमेन्ट, अलकनन्दा, कालकाजी, नई दिल्ली-110019.
सीडी नं. 4 **श्रीमती निश्चल सिंह,** निवासः ए-30, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018.
सीडी नं. 5 **श्रीमती ओमपती देवी,** निवासः 306/24, ओम्कार नगर-बी, त्री नगर, दिल्ली-110035.
सीडी नं. 6 **मैसर्स सैफरौन केबल इंडस्ट्रीज प्रा. लि.,** (अन्राज केबल इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के नाम से पहले जाने जाते थे), पंजीकृत कार्यालयः बी-1/17, जनकपुरी पूर्व, नई दिल्ली-110058. **यहां भीः** एई-2, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली-110027.

चूंकि पीठासन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण-III द्वारा वर्णित वसूली प्रमाणपत्र ओ ए सं. 47/2016 ऋण वसूली अधिकरण-III के अनुसार **रू. 06,66,94,580/-** (रूपए छह करोड़ छियासठ लाख चौरानवे हजार पांच सौ अस्सी केवल) की राशि 14.12.2015 की तिथि से लागत वसूली की तिथि तक आगे ब्याज 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष साधारण ब्याज से आप की तरफ देय था उसका आप पुर्नभुगतान करने में असफल रहें है।

और चूंकि अधोहस्ताक्षरी ने कथित वसूली प्रमाणपत्र के सापेक्ष में अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति की ब्रिकी के आदेश दिये है।

सूचना यहाँ दी गई है कि स्थगन के किसी भी आदेश की अनुपस्थिति में, उक्त संपत्ति 17.07.2019 को अपराह्न 3.00 बजे से 4.00 बजे के बीच बेची जाएगी (बंद होने से पहले अंतिम 5 मिनट में बोली के मामले में ऑटो विस्तार खंड के साथ, यदि आवश्यक हो) -ऑक्शन और बोली-प्रक्रिया "ऑन लाइन इलेक्ट्रॉनिक बिडिंग" वेबसाइट के माध्यम से होगीः -http://www.drtauctiontiger.net सेवा प्रदाता **मैसर्स ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एबीसी प्रोक्योर), ए-201/208 के माध्यम से, वॉल स्ट्रीट- II, ओरिएंट क्लब के सामने, नजदीक गुजरात कॉलेज, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद -380006 गुजरात (भारत) दूरभाषः +91 079 40230808-816 / 817/818/821/824/831/832 फैक्स +91 79 40016876। किसी भी अन्य जानकारी के मामले में, श्री नीतीश झा मोबाइल नंबर 07982880393 ईमेल पर संपर्क करें: delhi@auctiontiger.net,**

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: सुश्री सुमनप्रीत कौर, सीएच बैंक की प्राधिकृत अधिकारी, जिनका मोबाइल नंबर 9818058048 है।

बिक्री प्रतिवादी की संपत्ति के रूप में नीचे अनुसूची में उल्लिखित है और उक्त संपत्ति से जुड़ी देनदारियों और दावों का अब तक पता लगाया गया है, वे प्रत्येक लॉट के सामने अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।

कोई भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति, बिक्री के संबंध में कोई कर्तव्य रखता है, हालांकि, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बेची गई संपत्ति में किसी किसी भी प्रकार का अधिग्रहण करने या अधिग्रहण करने का प्रयास करने के लिए बोली नही लगायेगा। बिक्री आयकर अधिनियम, 1961 की दूसरी अनुसूची में निर्धारित शर्तों और इसके तहत और आगे की शर्तों के तहत बनाई गई शर्तों के अधीन होगी।

एनेक्स शेड्यूल में निर्दिष्ट विवरण को अधोहस्ताक्षरी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार कहा गया है, लेकिन इस घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत-कथन या चूक के लिए अधोहस्ताक्षरी जवाबदेह नहीं होगी।

1. संपत्तियों का विवरण, आरक्षित मूल्य और ईएमडी निम्नानुसार हैं:

क्रम. सं.	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मुल्य/ईएमडी
1.	44 कनाल और 6 मरला (यानी 2 कनाल और 7 मरला) की भूमि का 47/886 वाँ हिस्सा खेवट/खतौनी संख्या 559/739 और 560/740, मूसतैल नंबर 35, किला नं. 25/2, मूसतैल नं. 41, किला नं. 3/2 (2-13), 4 (6-7), 5 (7-11), 8 (7-7), 6 (7-7), 7 (7-7), 9 (1 (2-16) और 26 (0-9) ग्रामः परनाला, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा	**रु. 64,00,000/- (रु. चौसठ लाख केवल) ईएमडीः रु. 6,40,000/- (रु. छः लाख चालीस हजार केवल)**
2.	प्लॉट नंबर 693, अरनिया खुर्द, परगना और तहसील खुर्जा, जिला बुलंदशहर, माप क्षेत्र 3025.88 वर्ग गज है।	**रु. 17,00,000/- (रु. सत्तरह लाख केवल) ईएमडीः रु. 1,70,000/- (रु. एक लाख सत्तर हजार केवल)**

संपत्ति को आरक्षित मूल्य से नीचे नहीं बेचा जाएगा:

2. वह राशि जिसके द्वारा बिडिंग को बढ़ाया जाना है वह रु. 50,000 / - (रुपए पचास हजार केवल) होगी बोली की राशि या बोलीदाता के रूप में उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद की स्थिति में, संपत्ति को एक बार फिर नीलामी के लिए रखा जाएगा।
3. उच्चतम बोलीदाता को सफल उच्चतम बोलीदाता घोषित किया जाएगा। यदि अधोहस्ताक्षरी के संज्ञान में आता है की बोली लगाई गई कीमत स्पष्ट रूप से अपर्याप्त तब उच्चतम बोली को अस्वीकार करने/स्वीकार करने का निर्णय उनके निर्णय पर रहेगा।
4. ईएमडी 15.07.2019 तक सील किए गए कवर में रिकवरी ऑफिसर-I, ऋण वसूली न्याधिकरण-III, दिल्ली के पक्ष में डीडी/पे ऑर्डर के माध्यम से जमा किया जाएगा। इसके बाद जमा ईएमडी को ई-नीलामी में भागीदारी के लिए नहीं माना जाएगा।
5. पैन कार्ड की कॉपी, पता प्रमाण और पहचान प्रमाण, ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर और अगर वे अपनी तरफ से या अपने प्रिंसिपल की ओर से बोली लगा रहे हैं इसकी डिक्लेरेशन देनी होगी, बाद के मामले में, उन्हें अपना अधिकार पत्र जमा करना होगा, और असफल रहने पर उनकी बोलियाँ अस्वीकार कर दी जाएंगी। कंपनी के मामले में बोर्ड के सदस्यों द्वारा पारित प्रस्ताव की कॉपी या कंपनी के प्रतिनिधित्व / अटॉर्नी की पुष्टि करने वाला कोई अन्य दस्तावेज और इस तरह की जमा की गई रसीद / काउंटर फाइल ई-मेल द्वारा उक्त सेवा प्रदाता या सीएच बैंक तक उक्त तिथि तक पहुंचनी चाहिए अन्यथा हार्ड कॉपी रिकवरी ऑफिसर-I, ऋण वसूली न्याधिकरण-III, नई दिल्ली के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी।
6. सफलतम बोलीदाता को अपनी अंतिम बोली राशि का 25% अगले बैंक कार्य दिवस यानी 3:00 बजे तक ईएमडी के समायोजन के बाद ऊपर दिए गए पैरा में उल्लिखित विवरण के अनुसार खाते में जमा करना होगा।
7. सफलतम बोलीदाता को अंतिम बोली की **75 प्रतिशत राशि सम्पत्ति की बिक्री की तिथि से 15 वें दिन को अथवा पूर्व** जमा करनी होगी। **यदि 15वां दिन रविवार या अन्य अवकाश है,** तब 15वें दिन के बाद पहले बैंक कार्य दिवस को ऊपर पैरा 4 में निर्धारित विधि में जमा करनी होगी। इसके अतिरिक्त क्रेता को **रू. 1,000/- तक 2 प्रतिशत की दर पर तथा रू. 1,000/- से अधिक पर 1 प्रतिशत की दर पर निरोध शुल्क रजिस्ट्रार, डीआरटी-III, दिल्ली के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट के रूप में वसूली अधिकारी-I, डीआरटी-III, दिल्ली के पास जमा करना होगा।**
8. संपत्ति दिनांक 02.07.2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से 4.00 बजे तक निरीक्षण के लिए खुली रहेगी।
9. निर्धारित अवधि में भुगतान में चूक की स्थिति में, सम्पत्ति की बिक्री नए सिरे से की जाएगी। ऐसी बिक्री से पहले उसकी नई उद्घोषणा जारी की जाएगी। बोलीदाता द्वारा पहले जमा की गई राशि, यदि अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपयुक्त समझा जाता है, बिक्री के व्यय काटने के बाद, सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी और चूककर्ता क्रेता के, सम्पत्ति अथवा उसके किसी अंश अथवा सम्पत्ति की पुनरबिक्री से प्राप्त होने वाली राशि के किसी अंश के संबंध में, सभी दावे जब्त मान्य होंगे।
10. सम्पत्ति की बिक्री **"जैसा है जहां है तथा जो है जैसा है आधार"** पर की जा रही है।
11. अधोहस्ताक्षरी के पास अनुपयुक्त पाए जाने पर किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने अथवा किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, नीलामी स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।
12. इस स्तर पर अधोहस्ताक्षरी के संज्ञान में राजस्व/एन्कम्ब्रेंस या संपत्तियों के खिलाफ कोई दावा नहीं है। हालांकि, भावी बोलीदाताओं को ईएमडी जमा करने से पहले बिजली/पानी/हाउस टैक्स के बिलों या किसी अन्य एन्कोम्ब्रेन्स आदि के बारे में अपने स्वयं के परिश्रम से, अपने स्वयं के हित में जांच की सलाह दी जाती है
13. असफल बोलीदाता को डीआरटी-III की रजिस्ट्री में पहचान प्रमाण के साथ रिफन्ड के लिए एक आवेदन दाखिल करने के लिए निर्देशित किया जाता है, जो कि उनके ईएमडी के रिफंड के लिए आरसी की सुनवाई की अगली अनुसूची तिथि पर या उससे पहले निर्धारित समय पर वापस कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा मोहर के साथ दिनांक 21 मई, 2019 को जारी किया गया।

(अनील कुमार यादव)
वसूली अधिकारी-I,
डीआरटी-III, दिल्ली

कार्यालयः रिकवरी अधिकारी-I, ऋण वसूली अधिकरण-III, दिल्ली
4था तल, जीवनतारा भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट, पटेल चौक, नई दिल्ली-110001

बिक्री उद्घोषणा

आर.सी. नं. 244/2018 — **पंजाब नेशनल बैंक बनाम मै. गणेश ट्रेडिंग कम्पनी एवं अन्य** — तिथिः 30.5.2019

बैंक तथा वित्तीय संस्थानों के बकाए ऋणों की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52 (2) के अंतर्गत बिक्री उद्घोषणा

सीडी नं. 1. मै. गणेश ट्रेडिंग क., सी-180, हरि नगर, नई दिल्ली-110064 द्वारा उसके प्रॉप्राईटर श्री हरमिन्दर गांधी
सीडी नं. 2. श्री हरमिन्दर गांधी, प्रॉप्राईटर मै. गणेश ट्रेडिंग क., सी-180, हरि नगर, नई दिल्ली-110064
सीडी नं. 3. श्री उजागर सिंह, पुत्र श्री खुसिया सिंह, एच-37, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली
सीडी नं. 4. श्री रियाजुल हसन, पुत्र मुफीदुल हसन, फ्लैट नं. 1, हरसुख अपार्टमेन्ट्स, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली

जैसा कि आप पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, दिल्ली द्वारा जारी ओ.ए.नं. 414/2013/डीआरटी-III, दिल्ली में रिकवरी प्रमाणपत्र के अनुसार आपके द्वारा देय रु. 31.5.2013 से लागत, खर्चे तथा 12% प्रति वर्ष की दर से साधारण ब्याज के साथ रु. 3,62,65,700/- (रुपये तीन करोड़ बासठ लाख पैंसठ हजार सात सौ मात्र) तथा रिकवरी प्रमाणपत्र के अनुसार देय ब्याज एवं लागतों का भुगतान करने में विफल रहे हैं।

2. तथा जैसा कि अधोहस्तक्षरी ने उक्त प्रमाण पत्र की संतुष्टि के लिए नीचे तालिका में वर्णित सम्पत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।
3. तथा जैसा कि उस पर लागतों तथा ब्याज को छोड़कर रु. 3,62,65,700/- (रुपये तीन करोड़ बासठ लाख पैंसठ हजार सात सौ मात्र) की राशि बकाया है। गुजरात कॉलेज के निकट, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006 गुजरात (भारत) टेलीः +91 07940016800, फैक्सः +91 7940016876
4. एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि स्थगन आदेश की अनुपस्थिति में 7.8.2019 को 3.00 बजे अप. से 4 बजे के बीच (यदि जरूरी हो, समाप्ति से पूर्व अंतिम 5 मिनट में बोली के मामले में स्वतः विस्तार उपबंध के साथ ई-नीलामी द्वारा उक्त संपत्ति की बिक्री की जाएगी तथा यह बोली ''ऑन लाइन इलेक्ट्रानिक बोली'' के माध्यम से मै. ई-प्रॉक्योर्मेन्ट टेक्नोलॉजीज लि. (एबीसी प्रॉक्योर), ए-201/208, वाल स्ट्रीट-II, ओरिएण्ट क्लब के सामने, सम्पर्क श्री नितीश झा, मोबाईल नं. 7982880393, ईमेलः delhi@auctiontiger.net के द्वारा की जायेगी।
5. किसी भी प्रकार की पूछताछ तथा सम्पत्ति के निरीक्षण के लिये इच्छुक बोलीदाता सीएच बैंक के अधिकारीः श्री सिबानंदा भांजा, सीएच बैंक के एजीएम, मोबाईल नं. 7044070801 से सम्पर्क कर सकते हैं।
6. यह बिक्री नीचे तालिका में नामित उपरोक्त प्रतिवादियों की संपत्ति की होगी तथा उक्त संपत्ति से जुड़ी देयताएं एवं दावे, जो अब तक सुनिश्चित हैं, वे प्रत्येक लॉट के समक्ष अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।
7. संपत्ति को अनुसूची में निर्दिष्ट लॉट में बिक्री पर रखा जाएगा। यदि वसूल की जाने वाली राशि संपत्ति के भाग की बिक्री से पूरी हो जाती है तो शेष के मामले में तुरंत बिक्री रोक दी जाएगी। यदि बिक्री संचालक अधिकारी के पास अनुसूची में वर्णित बकाए; ब्याज लागत (बिक्री लागत सहित) जमा कर दी जाती है अथवा उक्त प्रमाणपत्र की राशि, ब्याज एवं लागत अधोहस्ताक्षरी के पास जमा कर दिए होने का उनकी संतुष्टि के लिए प्रमाण जमा कर दिया जाता है तो किसी भी लॉट की नीलामी से पूर्व बिक्री तत्काल रोक दी जाएगी।
8. ऐसे किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति बिक्री के सिलसिले में कोई कर्त्तव्य निर्वहन का दायित्व हो, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, वे बेची जा रही संपत्ति को अर्जित करने के लिए बोली लगाने या कोई हित अर्जित करने के लिए प्रयास करने में अक्षम होंगे। यह बिक्री आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा आगे की निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी।
9. संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार प्रस्तुत की गई है, लेकिन, इस उद्घोषणा में किसी गलती, त्रुटि अथवा खामी के लिए अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नहीं होंगे।
10. आरक्षित मूल्य जिससे कम में सम्पत्ति की बिक्री नहीं की जायेगी रु. 79,92,000/- (रुपये उन्यासी लाख बानवे हजार मात्र) है।
11. वह राशि जिसके द्वारा बोली बढ़ाई जाएगी रु. 1,00,000/- (रु

एटीएम की सुरक्षा बढ़ाने के लिए रिजर्व बैंक के नए निर्देश

मुंबई, 15 जून (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक ने एटीएम की सुरक्षा बढ़ाने के लिए बैंकों को शुक्रवार को नए निर्देश दिए हैं। केंद्रीय बैंक ने बैंकों से कहा है कि सितंबर के अंत तक सभी एटीएम दीवार, जमीन या खंभे से जुड़े होने चाहिए। बेहद सुरक्षित परिसरों मसलन हवाई अड्डों में लगे एटीएम को इन निर्देशों से छूट होगी। रिजर्व बैंक ने 2016 में सुरक्षा के सभी पहलुओं की समीक्षा के लिए नकदी की आवाजाही पर समिति (सीसीएम) गठित की थी। समिति की सिफारिशों के आधार पर केंद्रीय बैंक ने ये निर्देश जारी किए हैं। इनके पीछे मकसद एटीएम परिचालन के जोखिम को कम करना और सुरक्षा बढ़ाना है।

सुरक्षा उपायों के तहत तय किया गया है कि नकदी डालने के लिए एटीएम का परिचालन सिर्फ डिजिटल वन टाइम कंबिनेशन (ओटीसी) लॉक के जरिए किया जाएगा। इसके अलावा 30 सितंबर, 2019 तक सभी एटीएम किसी ढांचे मसलन दीवार, जमीन या खंभे से जुड़े होने चाहिए। सिर्फ उच्च सुरक्षा वाले परिसरों में इसकी जरूरत नहीं होगी।

इसके अलावा बैंकों से कहा गया है कि वह एटीएम के लिए वृहद ई-निगरानी प्रणाली पर भी विचार करें जिससे समय पर किसी संकट के बारे में चेतावनी मिल सके। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि यदि बैंक इन निर्देशों का तय समय सीमा में अनुपालन नहीं करेंगे तो उन पर जुर्माना लगाया जा सकता है या अन्य नियामकीय कार्रवाई की जा सकती है।

श्रमिक संगठनों ने की 20 हजार रुपए न्यूनतम मासिक वेतन की मांग

नई दिल्ली, 15 जून (भाषा)।

श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शनिवार को न्यूनतम वेतन को बढ़ाकर 20,000 रुपए करने, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत साल में कम से कम 200 दिन का काम सुनिश्चित करने और न्यूनतम 6,000 रुपए मासिक पेंशन देने की मांग की है।

कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर के साथ बजट पूर्व बैठक में यूनियनों ने वेतनधारी और पेंशन प्राप्त करने वालों लोगों की 10 लाख रुपए तक की आमदनी को आयकर सीमा से बाहर रखने की भी मांग की। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी आयकर की सीमा को बढ़ाकर आठ लाख रुपए करने की मांग की।

करीब दर्जन भर केंद्रीय श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने वित्त व कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर के साथ बजट पूर्व बैठक की। इस दौरान उन्होंने लाभ कमा रही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण और विनिवेश को लेकर भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। उन्होंने साथ ही रोजगार सृजन पर जोर देने की बात भी कही।

बैठक के बाद कुछ यूनियन नेताओं ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अनुपस्थिति को लेकर नाखुशी जाहिर की। सीतारमण के नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक में भाग लेने के कारण अनुराग ठाकुर ने बैठक की अध्यक्षता की। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआइटीयूसी) के महासचिव अमरजीत कौर ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हमें बजट पूर्व विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया था। लेकिन हमारी बात राज्यमंत्री से हुई। उन्होंने बातचीत को चार व्यापक बिंदुओं पर सीमित रखने की कोशिश की। ये चार पहलू हैं- श्रमिकों का संरक्षण, कौशल विकास, रोजगार और वेतन।

उन्होंने कहा कि हम सभी 10 केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने अपने सभी बिंदुओं को राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर के सामने रखा। हमने 20,000 रुपए न्यूनतम मासिक वेतन और 6,000 रुपए न्यूनतम मासिक पेंशन के साथ ही ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 200 दिन का तय रोजगार सुनिश्चि करने की मांग की है।

निविदा सूचना

निविदा संदर्भ सं.: युबीआई/पीआरई/138/2019

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया अपने प्रधान कार्यालय भवन में मौजूदा एचवीएसी प्रणाली को बदलने एवं अपग्रेड करने के लिए हीटिंग, वेन्टिलेशन एवं एयर-कंडीशनिंग (एचवीएसी) कन्सल्टेंट की नियुक्ति हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित करता है।

बैंक की आधिकारिक वेबसाइट : www.unitedbankofindia.com पर ब्योरा उपलब्ध है। सभी प्रकार से पूर्ण निविदाएं अधिक से अधिक 15.07.2019 को 2.00 बजे तक अवश्य पहुंचनी चाहिए।

मुख्य प्रबंधक (परिसर)

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया (भारत सरकार का उपक्रम) आपका बैंक — United Bank of India (A Govt. of India Undertaking) The Bank that begins with U

प्रधान कार्यालय : 11, हेमन्त बसु सरणी, कोलकाता - 700 001

www.unitedbankofindia.com

निविदा सूचना

निविदा संदर्भ सं. UBI/PRE/139/2019

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया अखिल भारत स्तर पर युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के अधीन शाखाओं / कार्यालयों / एटीएम के खराब ग्लो साइन बोर्ड को बदलने के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित करता है।

बैंक की आधिकारिक वेबसाइट www.unitedbankofindia.com पर ब्यौरा उपलब्ध है। सभी प्रकार से पूर्ण निविदाएं अधिक से अधिक 16.07.2019 को 15.30 बजे तक अवश्य पहुंचनी चाहिए।

मुख्य प्रबंधक (परिसर)

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया (भारत सरकार का उपक्रम) आपका बैंक — United Bank of India (A Govt. of India Undertaking) The Bank that begins with U

11, Hemanta Basu Sarani, Kolkata - 700 001

Visit our website : www.unitedbankofindia.com

पब्लिक नोटिस

M/s. Reckitt Benckiser (I) Pvt. Ltd. द्वारा जारी किये फार्म-F उनके कानपुर स्थित वेयर हाऊस से दि. 14.06.2019 को गुम हो गये हैं। जिसके बाबत पुलिस रिपोर्ट दि. 14.06.2019 को लिखवाई गयी है। इन फार्म-F की कुल कीमत रु. 3,83,998/- है। जिसे यह फार्म मिलें तो वह कृपा कर M/s Reckitt Benckiser (I) Pvt. Ltd. C/o CFA M/s. Allied Logistics Pvt. Ltd., 8 Uptron Estate, Panki Industrial Area, Site-1, Kanpur-208022 पर सम्पर्क करें। गुम हुए फार्म-F नं. 2717997, 883214 व 883223 है।

अर्ली वार्निंग सिग्नल (ईडब्ल्यूएस) प्रणाली की खरीद के लिए विक्रेता के चयन हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध

निविदा संदर्भ सं. : 190005 दिनांक : 14.06.2019

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया अर्ली वार्निंग सिग्नल (ईडब्ल्यूएस) प्रणाली की खरीद के लिए विक्रेता के चयन हेतु योग्य बोलीदाताओं से आरएफपी अनुक्रियाएं आमंत्रित करता है। आरएफपी दस्तावेज का ब्योरा डाउनलोड करने के लिए, बैंक की आधिकारिक वेबसाइट "www.unitedbankofindia.com" पर उपलब्ध है।

आरएफपी अनुसूची :

गतिविधि	दिनांक	समय
बोली पूर्व प्रश्नावली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	24.06.2019	अपराह्न 3.00 बजे
बोली पूर्व बैठक की तिथि एवं समय	25.06.2019	पूर्वाह्न 11.00 बजे
आरएफपी अनुक्रिया जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	12.07.2019	अपराह्न 3.00 बजे
आरएफपी अनुक्रिया खोलने की तिथि एवं समय	12.07.2019	अपराह्न 3.30 बजे

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया (भारत सरकार का उपक्रम) आपका बैंक — United Bank of India (A Govt. of India Undertaking) The Bank that begins with U 11, Hemanta Basu Sarani, Kolkata-700 001

www.unitedbankofindia.com

सार्वजनिक उद्घोषणा

[दिवाला तथा दिवालिया (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 12(3) के साथ पठित विनियमन 31(2), (3)]

तिरुपति सेरामिक्स लिमिटेड (परिसमापन में) के स्टेकधारकों के ध्यानार्थ

भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 31 तथा माननीय एनसीएलटी, चंडीगढ़ पीठ के आदेश के अनुपालन में कार्पोरेट ऋणधारक के सभी स्टेकधारकों के लिये यह सार्वजनिक उद्घोषणा की जाती है कि तिरुपति सेरामिक्स लिमिटेड (कॉर्पोरेट ऋणधारक) के स्टेकधारकों की सूची संशोधित की गई है तथा 14.6.2019 को माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी), चंडीगढ़ पीठ द्वारा अभिलेख पर ली गई है।

समय-समय पर यथा-संशोधित स्टेकधारकों की सूची दावे का प्रमाण जमा किये होने वाले व्यक्तियों तथा कॉर्पोरेट ऋणधारक के सदस्यों, पार्टनरों, निदेशकों तथा गारन्टरों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के पतेः अमित शर्मा, सी/ओ बीआरएस इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेश्नल्स एलएलपी, बी-220/2, 1ला तल, राइट साइड, मैन रोड, सावित्री नगर, मालवीय नगर, दिल्ली-110017 में निरीक्षण के लिये उपलब्ध होगी।

तिरुपति सेरामिक्स लिमिटेड के लिये (परिसमापन में)
हस्ता./-
अमित शर्मा
परिसमापक

तिथिः 15.6.2019
स्थानः नई दिल्ली
पंजी. सं.: IBBI/IPA-002/IP-N00172/2017-18/10442

गुडलक इंडिया लि.

(पूर्व में गुडलक स्टील ट्यूब्स लि.)
पंजी. कार्या.: 509, अरुणाचल बिल्डिंग, बाराखम्बा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
वेबसाईटः goodluckindia.com/ ई-मेलः goodluck@goodluckindia.com
CIN:L74899DL1986PLC050910

शेयर प्रमाणपत्रों के गुम होने की सूचना

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 46 तथा अन्य प्रावधानों तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के अनुसार सभी संबंधितों के लिये अधिसूचित किया जाता है कि अधोलिखित शेयर प्रमाणपत्र गुम हो जाने की सूचना मिली है तथा उसके लिये डुप्लिकेट शेयर प्रमाण पत्र जारी करने का अनुरोध किया गया है। विवरण इस प्रकार हैः

क्रम सं.	फोलियों नं.	शेयरधारकों का नाम	प्रमाणपत्र सं.	विशिष्ट सं.	शेयरों की सं.
1.	1629	नागराज बोथरा	670	958501-959000	500

कृपया ध्यान रहे कि यदि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर कम्पनी को कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो डुप्लिकेट शेयर प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा।

गुडलक इंडिया लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
(अभिशेक अग्रवाल)
कम्पनी सचिव

स्थानः गाजियाबाद
तिथिः 15.6.2019

भारतीय स्टेट बैंक

आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी फरीदाबाद
एससीओ-98, 1ला एवं दूसरा तल, सेक्टर-16 मार्केट, फरीदाबाद,
फोनः 0129-2289222, फैक्सः 0129-2290222

कब्जा सूचना

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी फरीदाबाद के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 6.4.2019 जारी कर ऋणधारक (कों)/गारन्टर(रों) श्री संदीप नागपाल पुत्र श्री धियान चंद नागपाल, निवासी-5 एम-120, दयानंद कॉलेज के निकट, एनआईटी, फरीदाबाद-121002 को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 05.04.2019 को रु. 3,32,943.00 (रुपये तीन लाख बत्तीस हजार नौ सौ तैंतालिस मात्र)+6.4.2019 से ब्याज के साथ अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक(कों)/गारन्टर(रों) खाता सं. 30794683227 के माध्यम से इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक(कों)/गारन्टर(रों) तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 7 जून, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों/गारन्टरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय 6.6.2019 को रु. 3,38,554.00 (रुपये तीन लाख अड़तीस हजार पांच सौ चौवन मात्र) तथा 7.6.2019 से अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि के लिये भारतीय स्टेट बैंक के चार्ज के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति मकान सं. 5एम/120, एनआईटी फरीदाबाद। चौहद्दीः उत्तरः 5-एम-121, दक्षिणः मकान सं. 5 एम/119, पूर्वः एच. नं. 88-89, पश्चिमः रोड, माप 307 वर्ग यार्ड्स, फरीदाबाद।

तिथिः 14.06.2019
स्थानः फरीदाबाद
प्राधिकृत अधिकारी
भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी

RELAXO FOOTWEARS LIMITED

Registered Office: Aggarwal City Square, Plot No.-10, Manglam Place, District Centre, Sector-3, Rohini, Delhi-110085
CIN No:- L74899DL1984PLC019097, Ph: 011-46800600, Fax: 011-46800692
E-mail: rfl@relaxofootwear.com, Website: www.relaxofootwear.com

सूचनाः बोनस शेयर जारी करने के लिए रिकॉर्ड तिथि

एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि शुक्रवार, मई 10, 2019 दिनांकित निदेशक मंडल की बैठक में 1:1 अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की अनुशंसा की गई (अर्थात, एक इक्विटी शेयर धारक के लिए एक बोनस इक्विटी शेयर) जारी करने के लिए कथित प्रस्ताव को स्क्रुटनाइजर की रिपोर्ट के अनुसार आवश्यक बहुमत से सदस्यों ने स्वीकृति दे दी और **शुक्रवार, जून 14, 2019** को इसे पारित मान लिया जाएगा, जोकि डाक मतदान/ई-मतदान करने की अंतिम तिथि है।

बोनस शेयर के योग्य सदस्यों के नाम सुनिश्चित करने के मकसद से निदेशक मंडल ने **गुरुवार, जून 27, 2019** को रिकॉर्ड तिथि घोषित कर दिया है। बोनस शेयर कम्पनी के उन सदस्यों को दिए जाएंगे जिनके नाम रिकॉर्ड की तिथि में कम्पनी के सदस्यों के रिजस्टर या डिपॉजिटरी के रिकॉर्ड में बतौर लाभग्राही स्वामी दर्ज होंगे।

इस सूचना में दी गई जानकारी और डाक मतदान पर स्क्रुटनाइजर की रिपोर्ट हमारी वेबसाइट के साथ-साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (www.nseindia.com) और बीएसई लिमिटेड (www.bseindia.com) की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते **रिलैक्सो फुटवियर्स लिमिटेड**
हस्ता./-
विकास कुमार टाक
कंपनी सचिव

तिथिः जून 15, 2019
स्थानः दिल्ली

मिन्डा डी-टेन इंडिया प्रा.लि.

(पूर्व में मिन्डा एफ-टेन प्रा.लि.)
पंजी. कार्यालयः बी-64/1, वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110052
टेली.: 1284-266600-09, CIN: U50400DL2012 PTC238724,
ई-मेलः ompal@mindagroup.

सूचना

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 201 (2) ("अधिनियम") के प्रावधानों के अनुसार यह कम्पनी 26.03.2019 को आयोजित उनकी बैठक में कम्पनी के निदेशक मंडल द्वारा प्रदत्त स्वीकृति तथा 10.06.2019 को आयोजित उसकी 7वीं वार्षिक साधारण सभा में कम्पनी के शेयरधारकों द्वारा स्वीकृति के अनुसार 01.04.2019 से 3 (तीन) वर्षों की अवधि के लिये कम्पनी के पूर्ण-कालिक निदेशक के रूप में नियुक्त श्री सुगुरु ओमिया (DIN:08393069) (अ-प्रवासी) की नियुक्ति के लिये उसकी स्वीकृति प्राप्त करने के लिए अधिनियम की अनुसूची V एवं लागू होने वाले अन्य प्रावधानों, यदि कोई हो तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के साथ पठित धारा 196, 197 तथा 203 के अंतर्गत केन्द्र सरकार के पास आवेदन करने के लिये इच्छुक है।

मिण्डा डी-टेन इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के लिये
(पूर्व में मिन्डा एफ-टेन प्रा.लि. के नाम से विदित)
हस्ता./-
अमित कुमार जैन
प्रबंध निदेशक, DIN: 06940438

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 15 जून, 2019

प्रपत्र ए

सार्वजनिक उद्घोषणा

[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

हिश्रो पावर कॉर्पोरेशन के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

	संबंधित विवरण	
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	हिश्रो पावर कॉर्पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	2 मार्च, 1994
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार, नई दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/ कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U74899DL1994PLC057652
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	106, विश्वदीप टावर, प्लॉट नं. 4, डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली- 110058
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	आदेश तिथि 12 जून, 2019 (आदेश 14 जून, 2019 को प्राप्त हुई)
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	9 दिस. 2019 (दिवाला प्रक्रिया शुरू होने की तिथि से 180 दिन)
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रफिशनल के रूप में कार्यरत है	ज्योति रंजन तरफदार (पंजीकरण सं. IBBI/ IPA-001/ IP-P01000/ 2017-18/ 11647
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिशनल का पता एवं ईमेलः	पंजीकृत पताः 91, सिद्धार्थ एन्क्लेव, आश्रम चौक के निकट, नई दिल्ली-110014, ई मेल का पताः ip.jyotiranjan@gmail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	3रा तल, 2, कम्युनिटी सेन्टर (पीवीआर/ मैकडोनाल्ड के निकट), नारायणा, नई दिल्ली-110028, ई मेलः hythropowercirp@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	27 जून, 2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	वर्ग (गों) का नामः लागू नहीं
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफिशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	1. 2. लागू नहीं 3.
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख) प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	1. वेबलिंकः https:// ibbi.gov.in/ download-form.html 2. लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने 12 जून, 2019 को मै. हिश्रो पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। 1. एतद्द्वारा मै. हिश्रो पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि नं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिशनल के पास गुरुवार, 27 जून, 2019 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।
2. फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा कॉलम 14 में वर्णित वेब लिंक से डाउनलोड की जाने वाली संबंधित प्रपत्रों में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।
3. दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

हस्ता./-
ज्योति सरण तरफदार
अंतरिम प्रस्ताव कर्मी का नाम तथा हस्ताक्षर

तिथिः 15 जून, 2019
स्थानः नई दिल्ली
पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P01000/2017-18/11647

दिल्ली जल बोर्ड

जन सम्पर्क कार्यालय
कमरा सं. 306, वरुणालय फेज-II, करोलबाग, नई दिल्ली-110005
prodjb114@gmail.com

क्रम सं.	कार्य का नाम	दि.ज.बो. की पोर्टल पर निविदा के प्रकाशन की तिथि	ईओआई प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय
01.	ख्याति-प्राप्त तथा पेशेवर ऑडियो-विजुअल एजेन्सियों के लिये अभिरुचि की अभिव्यक्ति	14.06.2019	28.06.2019 के 18.00 बजे

यह ईओआई दि.ज.बो. की वेबसाईट पर अपलोड कर दी गई है। सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट "www.delhijalboard.nic.in" पर "Expression of Interest Link" के अंतर्गत देखी जा सकती है।

पी.आर.ओ. (जल द्वारा जारी)
विज्ञा. सं. जे.एस.वी. 70/2019-20
हस्ता/-
उप निदेशक (पीआर)

दिल्ली जल बोर्ड

जन सम्पर्क कार्यालय
कमरा सं. 306, वरुणालय फेज-II, करोलबाग, नई दिल्ली-110005
prodjb114@gmail.com

क्रम सं.	कार्य का नाम	दि.ज.बो. की पोर्टल पर निविदा के प्रकाशन की तिथि	ईओआई प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय
01.	ख्याति-प्राप्त तथा पेशेवर वेबसाईट हैंडलिंग एजेन्सियों के लिये अभिरुचि की अभिव्यक्ति	14.06.2019	28.06.2019 के 18.00 बजे

यह ईओआई दि.ज.बो. की वेबसाईट पर अपलोड कर दी गई है। सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट "www.delhijalboard.nic.in" पर "Expression of Interest Link" के अंतर्गत देखी जा सकती है।

पी.आर.ओ. (जल द्वारा जारी)
विज्ञा. सं. जे.एस.वी. 71/2019-20
हस्ता/-
उप निदेशक (पीआर)

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 423.55 अरब डॉलर हुआ

मुंबई, 15 जून (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात जून को समाप्त सप्ताह में 1.68 अरब डॉलर बढ़कर 423.55 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। इस तरह विदेशी मुद्रा भंडार अपने सर्वकालिक उच्च स्तर की ओर अग्रसर है। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 1.87 अरब डॉलर बढ़कर 421.86 अरब डॉलर हो गया था। विदेशी मुद्रा भंडार अप्रैल, 2018 में 426.02 अरब डॉलर के सर्वकालिक ऊंचाई को छू गया था।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा यानी विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.66 अरब डॉलर बढ़कर 395.80 अरब डॉलर हो गईं। आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान देश का स्वर्ण भंडार 22.95 अरब डॉलर पर स्थिर बना रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से विशेष आहरण अधिकार 61 लाख डॉलर बढ़कर 1.44 अरब डॉलर हो गया।

जेपी इन्फ्रा के ऋणदाताओं की 20 को बैठक, आगे की रणनीति होगी तय

नई दिल्ली, 15 जून (भाषा)।

जेपी इन्फ्राटेक के ऋणदाताओं की 20 जून को बैठक होगी। इस बैठक में जारी दिवाला प्रक्रिया की प्रगति का आकलन किया जाएगा और भविष्य की कार्रवाई की रणनीति तय की जाएगी। जेपी इन्फ्राटेक के ऋणदाताओं में बैंक और फ्लैट खरीदार शामिल हैं।

यह बैठक ऐसे समय बुलाई गई है जब कुछ दिन पहले बहुलांश बैंकों ने कर्ज के बोझ से दबी रीयल्टी कंपनी के अधिग्रहण के लिए एनबीसीसी की बोली के खिलाफ मतदान किया था। जेपी इन्फ्राटेक के अंतरिम निपटान पेशेवर अनुज जैन ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की बैठक 20 जून को होगी। हालांकि, उन्होंने बैठक के एजंडे का खुलासा नहीं किया। सूत्रों ने बताया कि बैठक मौजूदा दिवाला प्रक्रिया की स्थिति की प्रगति पर चर्चा और आगे की कार्रवाई पर विचार के लिए बुलाई गई है। सूत्रों ने कहा कि बहुलांश बैंकरों ने 10 जून को एनबीसीसी की बोली के खिलाफ मत दिया था लेकिन ज्यादातर फ्लैट खरीदार चाहते थे कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी जेपी इन्फ्राटेक का अधिग्रहण करे।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने 10 जून को स्पष्ट किया था कि उसने ऋणदाताओं को एनबीसीसी की निपटान योजना के खिलाफ मतदान से रोका नहीं था। इसके साथ ही एनसीएलएटी ने निपटान पेशेवर से कहा था कि वह मतदान के नतीजे के बारे में सीधे उसे जानकारी दी। एनसीएलएटी ने सुनवाई की अगली तारीख को भी दो जुलाई से खिसकाकर 17 जुलाई कर दिया था।

एनबीएफसी को कर्ज देना जारी रखेगा एसबीआइ

मुंबई, 15 जून (भाषा)।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की तरफ से कर्ज भुगतान में चूक की आशंकाओं के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) ने शुक्रवार को कहा कि वह इस क्षेत्र को कर्ज देना जारी रखेगा। बैंक ने कहा- उसे लगता है कि उद्योग से जुड़ी समस्याएं बहुत गंभीर और व्यवस्थागत नहीं हैं।

एसबीआइ के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा- बैंक को लगता कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का संकट उतना गहरा नहीं है क्योंकि उनमें से केवल एक या दो ही बुरी तरह प्रभावित हैं। उद्योग संगठन आइएमसी की ओर से आयोजित बैंकिंग सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से बातचीत में एसबीआइ के प्रबंध निदेशक अरिजीत बसु ने कहा कि एनबीएफसी कंपनियों को एसबीआइ कर्ज उपलब्ध करा रहा है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हमारा फैसला जोखिम धारणा पर आधारित है जोकि एक खास इकाई से जुड़ा है। हमने एनबीएफसी को कर्ज देना बंद नहीं किया है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक और सरकार ने एनबीएफसी से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए कई कदम उठाए हैं और कई अन्य उपायों पर विचार किया जा रहा है।

गूगल के सीइओ पिचाई ने नियमन को लेकर चेताया

वाशिंगटन, 15 जून (भाषा)।

गूगल के खिलाफ अमेरिका द्वारा प्रतिस्पर्धा नियमों के उल्लंघन की जांच शुरू किए जाने की खबरों के बीच कंपनी के भारतीय मूल के अमेरिकी सीइओ सुंदर पिचाई ने कहा कि बड़ी कंपनियों की जांच किया जाना बिल्कुल ठीक है, लेकिन चेताया कि सिर्फ उनका नियमन के लिए ऐसा किया जाना ठीक नहीं है।

इस महीने की शुरुआत में ऐसी खबरें आई थीं कि अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा संभावित प्रतिस्पर्धा नियमों के उल्लंघन कानून के तहत गूगल के सर्च कारोबार और विज्ञापन प्रक्रिया की जांच की जा सकती है।

ओरिएन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

(भारत सरकार का उपक्रम)
विनियमन विभाग (ए.सी.) बाराखंभा, कॉनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001 टेलिफोन नंबर 011-23415834-37, ई-मेल: ... 70@obc.co.in

शुद्धि पत्र

दिनांक 15.06.2019 को इस समाचार पत्र में छपे विज्ञापन ई-निलामी बिक्री सूचना के संदर्भ में सूचित किया जाता है कि क्र. सं. 4 के खाता मैसर्स पी.पी. इंडस्ट्रीज (प्रोप. श्रीमती सोनिया मेदीरत्ता) की सम्पत्ती की ई-निलामी की बोली वृद्धि राशी रु 0.20 लाख के स्थान पर रु 0.50 लाख पढ़ा जाय व क्र. सं. 16 के खाता मैसर्स ध्रुव पैकेजिंग इंडस्ट्रीज (प्रोप. श्री सुनील शर्मा) की सम्पत्ती की ई-निलामी की तिथी एवं समय 04.07.2019 को 12.00 बजे दोपहर से 1.00 अप. तक प्रति 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ है। शेष नियम व शर्तें पहले अनुसार ही रहेंगी।

दिनांक:15.06.2019 स्थानः फरीदाबाद प्राधिकृत अधिकारी

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-I, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ओ. ए नं. 83/2018

कॉर्पोरेशन बैंक — आवेदक
विरूद्ध
मैसर्स ब्लिस इन्फ्राटेक प्रा. लि. एवं अन्य — प्रत्यार्थी

सेवा में,
1. मैसर्स ब्लिस इन्फ्राटेक प्रा. लि., इसके निदेशक 2/4, द्वितीय तल, सराई जुलेना, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, दिल्ली-110025
2. श्री अजहर अली पुत्र श्री अकबर अली, सी-88, चौथा तल, शाहीन बाग, जामिया नगर, ओखला, नई दिल्ली -110025
3. सुश्री सना अली पत्नी श्री अजहर अली, सी-88, चौथा तल, शाहीन बाग, जमिया नगर, ओखला, नई दिल्ली -110025

जबकि उपरोक्त आवेदक ने आपके विरूद्ध रू. 1,31,21,368.00 (रुपए एक करोड इक्तीस लाख इक्कीस हजार तीन सौ अडसठ मात्र) की वसूली हेतु एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषजनक रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है, इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको **दिनांक 06.08.2019 को पूर्वा. 10.30 बजे** माननीय रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायाधिकरण के समक्ष

दिलचस्प आंकड़े

रन	8095	सबसे ज्यादा रन आरोन फिंच
विकेट	260	
छक्के	128	उच्चतम स्कोर जैसन रॉय
अर्धशतक	42	

पाक पर भारत का पलड़ा भारी

मैच का समय

दोपहर 3 बजे से

मैनचेस्टर, 15 जून (भाषा)।

विश्व कप के आगाज से ही जिस मुकाबले को लेकर भारतीय प्रशंसक उत्साहित थे, आखिरकार वो आ ही गया। रविवार को भारत और पाकिस्तान की टीम आपस में भिड़ेंगी। यह विश्व कप का सबसे दिलचस्प मुकाबला माना जा रहा है। दोनों टीमें इसके लिए तैयार हैं। हालांकि बारिश क्रिकेट प्रेमियों का मजा किरकिरा कर सकती है। भारतीय टीम इस मुकाबले में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। खिलाड़ियों के लिए भले ही यह एक सामान्य मैच है लेकिन दोनों देश के प्रशंसकों के लिए यह विशेष मैच है।

आमिर और वहाब से रहना होगा सतर्क

मुकाबले में मोहम्मद आमिर और वहाब रियाज के कौशल के सामने लोकेश राहुल की तकनीक की परीक्षा होगी। सचिन तेंदुलकर ने भी भारतीय बल्लेबाजों को आमिर के खिलाफ अधिक आक्रामक होने की सलाह दी है। वहीं कप्तान विराट कोहली ने कहा कि वे आदर्श मानसिकता के साथ मैदान पर उतरें। पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ खेल रहे खिलाड़ियों के लिए यह अवसर थोड़ा दबाव बढ़ाने वाला होगा।

भारत ने अभी तक विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ सभी छह मैचों में जीत हासिल की है जो एकतरफा रहे। दोनों देशों के बीच बढ़ते सीमा पार तनाव के कारण कई वर्षों से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आमिर का पहला स्पैल निश्चित रूप से उनकी टीम के लिए अहम होगा। राहुल और रोहित शर्मा पारी के शुरू में बहुत कम फुटवर्क दिखाते हैं जिससे उन्हें थोड़ा ज्यादा सतर्क रहना होगा।

कोहली का रेकार्ड बेहतर

कोहली का पाकिस्तान के खिलाफ शानदार रिकार्ड रहा है। उन्होंने एडिलेड में 2015 में शतक जड़ा था। अभी तक विश्व कप में उन्होंने सैकड़ा नहीं बनाया है और मैच की अहमियत को देखते हुए वह सैकड़ा जड़ने के प्रबल दावेदार हैं। युवा खिलाड़ी जैसे हसन अली शाहीन शाह अफरीदी के लिए यह मैच परीक्षा भरा होगा क्योंकि उन्होंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ गेंदबाजी नहीं की है। ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान बल्लेबाजी के लिए अच्छा दिख रहा है, हालांकि परिस्थितियां सीम और स्विंग दोनों के माकूल होगी। टीम प्रबंधन ने पिछले मैच में दिनेश कार्तिक को उनके अनुभव के कारण लिया था लेकिन यह मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। परिस्थितियों के अलावा पाकिस्तानी खिलाड़ियों की स्पिनरों के खिलाफ सहजता को देखते हुए कोहली युजवेंद्र चहल और कुलदीप में से एक को बाहर बिठा सकते हैं और मोहम्मद शमी को अंतिम एकादश में चुन सकते हैं। जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार से शानदार गेंदबाजी करने की उम्मीद है। वहीं भारतीय टीम के लिए महेंद्र सिंह धोनी ट्रंप कार्ड होंगे।

लोकेश राहुल	
मैच	16
रन	380
उच्चतम स्कोर	100*
औसत	34.54
100	01
50	02

रोहित शर्मा	
कुल मैच	208
रन	8189
उच्चतम स्कोर	264
औसत	48.17
100	23
50	42

रोहित -पाक के खिलाफ	
मैच	15
रन	580
उच्चतम स्कोर	111*
औसत	44.61
100	01
50	06

जसप्रीत बुमराह

केएल राहुल

विश्व कप की यादें

विराट कोहली ने विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ पहला शतक 2015 के सत्र में बनाया था। इस मैच में विराट ने 126 गेंद में 107 रन बनाए थे। इसमें आठ चौके शामिल थे। विराट ने शतक 119 गेंद में पूरी की थी। उन्होंने इस दौरान सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के साथ दूसरे विकेट के लिए 129 रन जोड़े थे। विश्व कप में यह भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रेकार्ड है। भारत ने इस मैच में 300/7 का स्कोर बनाया था और मोहम्मद शमी के चार विकेट की बदौलत पाकिस्तान को 224 रन पर समेटकर 76 रन की जीत दर्ज की थी।

10 कुल खिलाड़ी जीरो पर आउट हुए हैं भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैचों में। भारत की ओर से सौरव गांगुली, युवराज सिंह, अजिंक्य रहाणे और संजय मांजरेकर, जबकि पाकिस्तान की ओर से इमरान खान, अता उर रहमान, मुश्ताक अहमद, सकलेन मुश्ताक, सोहेब मकसूद और कामरान अकमल जीरो पर आउट होने वाले खिलाड़ी हैं।

टीम

भारत : विराट कोहली (कप्तान), लोकेश राहुल, रोहित शर्मा, विजय शंकर, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, केदार जाधव, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, दिनेश कार्तिक, रविंद्र जडेजा, शिखर धवन।

पाकिस्तान : सरफराज अहमद (कप्तान), फखर जमां, इमाम उल हक, बाबर आजम, हैरिस सोहेल, हसन अली, शाहदाब खान, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद हसनैन, शाहिन शाह अफरीदी, वहाब रियाज, मोहम्मद आमिर, शोएब मलिक, इमाम वसीम और आसिफ अली।

विराट कोहली

		पाकिस्तान के खिलाफ	
मैच	229	मैच	12
रन	10943	रन	459
उ स्कोर	183	औसत	45.90
औसत	59.47	100	02
100	41	50	01
50	50		

अजय जडेजा का 1996 विश्व कप क्वार्टर फाइनल में वकार यूनिस की गेंदों को रौंदना हो या फिर सलीम मलिक का ईडन गार्डन्स में 1987 में लक्ष्य का पीछा करते हुए 35 गेंद में 72 रन की पारी खेलकर 90 हजार से ज्यादा दर्शकों को हैरान करना ये सभी दिलचस्प किस्से विश्व कप के ही हैं। लोगों को अब भी ये मैच याद हैं। चेतन शर्मा को विश्व कप हैट्रिक या लॉर्ड्स टैस्ट में पांच विकेट झटकने के बजाय इसलिए याद रखा जाता है कि शारजाह में 1986 में उनकी अंतिम फुल टॉस गेंद पर जावेद मियांदाद ने छक्का जड़ा था।

पाक के खिलाफ खुद को दावेदार ना समझे भारत : गांगुली

मैनचेस्टर, 15 जून (भाषा)।

भारतीय क्रिकेट के दो बड़े दिग्गज सौरव गांगुली और सचिन तेंदुलकर का मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भारत को यह सोच कर मैदान में नहीं उतरना चाहिए कि वे जीत के दावेदार हैं। पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान को कम आंकने का खामियाजा भुगत चुकी है।

गांगुली ने कहा कि भारत को सावधान रहना होगा। उन्हें मैच में यह सोच कर नहीं जाना चाहिए कि वे जीत के दावेदार हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने 2017 में आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में ऐसा (पाकिस्तान को कम आंकने की गलती) किया था और पाकिस्तान ने उन्हें हरा दिया था। यह शानदार मुकाबला होने वाला है। मास्टर ब्लास्टर ने भी कहा कि भारतीय टीम को चिर प्रतिद्वंदवी को हलके में नहीं लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की टीम हमेशा से अप्रत्याशित रही है और वे एक खतरनाक टीम हैं। ऐसे में भारतीय टीम उन्हें हलके में नहीं लेगी। भारतीय टीम जो भी कदम उठाएगी उसके लिए पूरी तरह आश्वस्त होना होगा। पूरी योजना और तैयारी के साथ मैच के लिए जाना होगा। दोनों दिग्गजों ने माना कि भारत और पाकिस्तान का मुकाबला क्रिकेट मैच से कही अधिक का होता है। गांगुली ने कहा कि दोनों देशों के बीच मुकाबले को लेकर लोगों की भावनाएं चरम पर होती हैं और काफी रोमांच होता है। ऐसे में रविवार को मैनचेस्टर में होने वाला मुकाबला काफी बड़ा होने वाला है। कप्तान के तौर पर मैं 2003-04 में पहली बार पाकिस्तान गया था। हम पहले वहां कभी नहीं जीते थे लेकिन उस दौरे पर टैस्ट और एकदिवसीय दोनों में जीत दर्ज करने में सफल रहे।

भारतीय मध्यक्रम का फायदा उठाए पाक : अकरम

मैनचेस्टर, 15 जून (भाषा)।

पूर्व कप्तान वसीम अकरम का कहना है कि विश्व कप के मैच में जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी तो पाकिस्तान के गेंदबाजों को भारत के कमजोर मध्यक्रम का फायदा उठाना चाहिए। कई भारत-पाक क्रिकेट मैचों के नायक रहे अकरम को उम्मीद है कि मोहम्मद आमिर की अगुआई वाला आक्रमण मध्यक्रम में कमजोरी ढूंढने में सफल रहेगा।

अकरम ने कहा कि भारत का शीर्ष क्रम मजबूत है। इसमें सिर्फ विराट कोहली ही नहीं बल्कि रोहित शर्मा भी हैं। लेकिन मुझे लगता है कि मध्यक्रम इतना मजबूत नहीं है। पाकिस्तान के गेंदबाजों को इसका फायदा उठाने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मोहम्मद आमिर की टीम में मौजूदगी काफी सकारात्मक चीज है जिसने आस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में 30 रन देकर पांच विकेट चटकाए थे।

ब्रैथवेट को लगी फटकार

साउथम्पटन, 15 जून (भाषा)।

वेस्ट इंडीज के हरफनमौला कार्लोस ब्रैथवेट को यहां इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान अंपायर के फैसले के खिलाफ असंतोष जाहिर करने के लिए शनिवार को फटकार लगाई गई। ब्रैथवेट ने खिलाड़ियों व सहयोगी स्टाफ के लिए आइसीसी आचार संहिता की धारा 2.8 का उल्लंघन किया जो अंपायर के फैसले के खिलाफ नाराजगी जाहिर करने से संबंधित है। यह घटना शुक्रवार की यहां वेस्ट इंडीज पारी में 43वें ओवर में हुई थी जब ब्रैथवेट ने अंपायर द्वारा आउट दिए जाने के बाद असंतोष व्यक्त किया था।

दक्षिण अफ्रीका को अफगानिस्तान के सामने 127 रन का लक्ष्य

कार्डिफ, 15 जून (भाषा)।

लेग स्पिनर इमरान ताहिर के चार विकेट की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को विश्व कप के वर्षाबाधित मैच में 125 रन पर आउट कर दिया।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजी गई अफगानिस्तान टीम ने 20 ओवर में दो विकेट पर 69 रन ही बनाए थे, जब बारिश के कारण दूसरी बार खेल रोका गया। एक घंटे बाद खेल शुरू होने पर उसने आठ रन के भीतर चार विकेट गंवा दिए। एक समय अफगानिस्तान का स्कोर सात विकेट पर 77 रन था। पांच विकेट 4.4 ओवर के भीतर गिर गए। बारिश के कारण मैच 48 ओवर का कर दिया गया लेकिन अफगान टीम 34.1 ओवर में ही पवेलियन लौट गई।

अब दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 48 ओवर में 127 रन बनाने होंगे। क्रिस मौरिस ने तीन , एंडिले फेलुक्वायो ने दो और कागिसो रबाडा ने एक विकेट लिया ।

रसेल को टीम में रखना चाहते हैं जैसन होल्डर

साउथम्पटन, 15 जून (भाषा)।

वेस्ट इंडीज के दिग्गज हरफनमौला खिलाड़ी आंद्रे रसेल घुटने की चोट से बार-बार परेशान हो रहे हैं लेकिन कप्तान जैसन होल्डर ने कहा कि इस 'मैच विजेता' को टीम में रखने का जोखिम लिया जा सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में घुटने में दर्द के कारण रसेल को मैदान छोड़ना पड़ा था। 31 साल का यह खिलाड़ी इससे पहले छह जून को आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के दौरान भी चोटिल हो गया था।

होल्डर ने कहा कि उनके लिए स्थिति काफी परेशानी वाली है। हम उन्हें टीम में रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन यह मुश्किल भरा है।

फिंच और गेंदबाजों ने दिलाई आस्ट्रेलिया को श्रीलंका पर जीत

लंदन, 15 जून (भाषा)।

कप्तान आरोन फिंच के 153 रन के बाद मिशेल स्टार्क की अगुवाई में गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर आस्ट्रेलिया ने विश्व कप के मैच में शनिवार को श्रीलंका को 87 रन से हराया। फिंच के कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 153 रन की पारी से आस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 334 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 45.5 ओवर में 247 रन पर आउट हो गई।

श्रीलंका की शुरुआत बहुत अच्छी रही। कप्तान दिमुथ करुणारत्ने और कुसाल परेरा ने पहले विकेट के लिए 115 रन जोड़े लेकिन उनके आउट होने के बाद कोई बल्लेबाज टिक नहीं सका। मिशेल स्टार्क ने 16वें ओवर में परेरा को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। परेरा ने 36 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। करुणारत्ने शतक बनाने से तीन रन से चूक गए और 33वें ओवर की पहली गेंद पर रिचर्डसन ने उन्हें ग्लेन मैक्सवेल के हाथों लपकवाया।

इससे पहले, कप्तान आरोन फिंच की करियर की सर्वश्रेष्ठ 153 रन की पारी की मदद से आस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप मैच में सात विकेट पर 334 रन बनाए। फिंच ने एक दिवसीय क्रिकेट में अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर 153 रन की बराबरी की, जो उन्होंने मार्च में पाकिस्तान के खिलाफ बनाया था। उन्होंने 132 गेंद की अपनी पारी में 15 चौके और पांच छक्के लगाकर श्रीलंका के किसी गेंदबाज को नहीं बख्शा। यह वनडे क्रिकेट में उनका 14वां और विश्व कप में दूसरा शतक था। स्टीव स्मिथ ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 59 गेंद में 73 रन बनाए और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 173 रन जोड़कर आस्ट्रेलिया को मजबूत स्कोर दिया।

आस्ट्रेलिया ने अभी तक अफगानिस्तान, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान को हराया है जबकि भारत से उसे पराजय झेलनी पड़ी। वह आज का मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश का दावा पुख्ता करना चाहेगी। फिंच और वार्नर ने पांच मैचों में चौथी बार पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की।

मेवाणी पर फर्जी वीडियो साझा कर स्कूल को बदनाम करने का आरोप

अहमदाबाद, 15 जून (भाषा)।

सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक फर्जी वीडिया साझा करने और एक निजी स्कूल को बदनाम करने के सिलसिले में गुजरात के निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मेवाणी वडगाम क्षेत्र से विधायक हैं। उन्होंने 20 मई को अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया था। इस वीडियो में आधे नंगे एक स्कूली छात्र को कोई पीट रहा था। जिसके बारे में मेवाणी का दावा था कि वह वलसाड के आरएमवीएम स्कूल के शिक्षक हैं।

पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि इस स्कूल की प्रधानाचार्य विजल कुमारी पटेल ने गुरुवार को वलसाड पुलिस थाने में विधायक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। उनका दावा है कि विधायक ने जो वीडियो शेयर किया, वह उनके स्कूल से जुड़ा हुआ नहीं है और विधायक ने ऐसा करके इस स्कूल और यहां काम कर रहे शिक्षकों की बदनामी की।

> शिकायत के आधार पर मेवाणी पर भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज

शिकायत के आधार पर मेवाणी पर भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मेवाणी ने 20 मई को यह पोस्ट की थी। बाद में मेवाणी ने यह पोस्ट हटा ली। मेवाणी ने वीडियो का लिंक साझा करते हुए दावा किया था कि छात्र को पीट रहे शिक्षक आरएमवीएम स्कूल के हैं। मेवाणी ने इस ट्वीट में पीएमओ को भी टैग किया था। कई ट्विटर यूजर्स का दावा था कि यह वीडियो गुजरात का नहीं बल्कि मिस्र का है।

केरल में महिला पुलिसकर्मी को जिंदा जलाया, यातायात पुलिसकर्मी गिरफ्तार

मावेलिक्कारा (केरल), 15 जून (भाषा)।

केरल के मावेलिक्कारा में शनिवार को एक यातायात पुलिसकर्मी ने दिनदहाड़े कथित तौर पर 34 वर्षीय महिला पुलिस कांस्टेबल को जिंदा जला दिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पीड़ित सिपाही सौम्या पुष्पकरण मावेलिक्कारा के वल्लीकुन्नम पुलिस थाने में नागरिक पुलिस अधिकारी (सीपीओ) के रूप में तैनात थी। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान अलुवा यातायात पुलिस स्टेशन से जुड़े पुलिसकर्मी अजस के रूप में हुई है, जिसने शाम के समय ड्यूटी के बाद घर लौट रही महिला पुलिसकर्मी का कार से पीछा किया।

पुलिस ने एक चश्मदीद के हवाले से कहा कि अजस ने कथित रूप से सौम्या के दोपहिया वाहन को टक्कर मारी और धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसके बाद जैसे ही सौम्या ने एक घर में घुसने की कोशिश की, पीछा कर रहे अजस ने उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला पुलिसकर्मी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। महिला को जलाने के दौरान आरोपी भी 40 प्रतिशत तक जल गया और उसे हिरासत में ले लिया गया।

अधिकारी ने कहा कि आरोपी को अलप्पुझा में सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उससे पूछताछ के बाद ही वारदात की वजह का पता चल सकेगा।

कर्ज नहीं चुकाने पर महिला की बुरी तरह से पिटाई

चंडीगढ़, 15 जून (भाषा)।

पंजाब के मुक्तसर जिले में कर्ज नहीं चुकाने को लेकर कांग्रेस नेता के भाई समेत कुछ लोगों ने एक महिला को घर से खींचकर उसकी कथित रूप से बेल्ट और लात-घूंसों से पिटाई की। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

23,000 रुपए का कर्ज कथित रूप से नहीं चुका पाने पर शुक्रवार को की गई महिला की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विपक्षी पार्टियों ने राज्य में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति की आलोचना की। पुलिस का दावा है कि उसने इस संबंध में मुक्तसर नगरपालिका परिषद के कांग्रेस सदस्य के भाई समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि 35 वर्षीय महिला की सड़क के बीचों बीच पिटाई की जा रही है और उसका बेटा असहाय स्थिति में यह देखने को मजबूर है। वह रोता-बिलखता हुआ कहता है- 'मेरी मां को पीटा जा रहा है।' महिला के बेटे ने ही यह वीडियो बनाया, जिसमें एक व्यक्ति महिला के बाल खींचते हुए नजर आ रहा है।

वित्त मंत्री से मिले गहलोत, कई मुद्दों पर मांगा सहयोग

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 जून।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर राज्य से जुड़े विभिन्न वित्तीय मामलों एवं किसानों के मुद्दों पर चर्चा की और केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा महीने की पहली तारीख को देने का आग्रह किया। गहलोत ने नीति आयोग के संचालन परिषद की बैठक में शामिल होने से पहले सीतारमण से मुलाकात की।

इस मुलाकात के बाद गहलोत ने कहा कि आज दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर प्रदेश के विभिन्न वित्तीय मामलों पर चर्चा की। विभिन्न पेयजल परियोजनाओं के वित्तीय प्रस्तावों को अनुमति देने तथा राज्यहित में केंद्रीय योजनाओं की राशि समय पर जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा पहले की तरह हर माह की पहली तारीख को दिया जाए। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ साल में इस व्यवस्था को बदल दिया है, इससे राज्यों को वित्तीय व्यवस्था में परेशानी आ रही है। राज्य को महीने के पहले दिवस पर वेतन एवं पेंशन का भुगतान करना होता है, लेकिन राज्य के हिस्सा मिलने में देरी के कारण वेतन एवं पेंशन के समय पर भुगतान में कठिनाई होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री से करीब 5473 करोड़ रुपए की लागत की सात पेयजल परियोजनाओं के वित्तीय प्रस्तावों को शीघ्र अनुमति प्रदान किए जाने का आग्रह किया।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 5-1 से हराया

भुवनेश्वर, 15 जून (भाषा)।

भारत ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए एफआइएच सीरीज फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 5-1 से हराया। टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार मानी जा रही दुनिया की पांचवें नंबर की टीम भारत ने चैंपियन की तरह खेला और पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रही। ड्रैग फ्लिकर वरुण कुमार ने दूसरे और 49वें मिनट में गोल दागे जबकि हरमनप्रीत सिंह ने 11वें और 25वें मिनट में गोल किया। विवेक सागर प्रसाद ने भी 35वें मिनट में गोल किया।

एफआइएच सीरीज फाइनल्स

दक्षिण अफ्रीका के लिए एकमात्र गोल 53वें मिनट में रिचर्ड पाज ने किया। भारत और दक्षिण अफ्रीका फाइनल में पहुंचने से पहले ही ओलंपिक क्वालीफायर के आखिरी दौर के लिए क्वालीफाई कर चुके थे। इससे पहले एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जापान ने अमेरिका को 4-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत ने पहले मिनट से ही दबाव बना लिया था। दूसरे मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को वरुण ने तब्दील करके मेजबान को बढ़त दिलाई। भारत को 11वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर हरमनप्रीत सिंह ने गोल किया। पहले क्वार्टर के आखिरी मिनट में दक्षिण अफ्रीका को मौका मिला लेकिन एन एंटुली की रिवर्स हिट को भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने बचाया।

हाफ टाइम से पांच मिनट के भीतर भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जब बीरेंद्र लाकड़ा को सर्कल के भीतर बाधा पहुंचाई गई। हरमनप्रीत ने इस पर गोल करके भारत की बढ़त तिगुनी कर दी। तीसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में विवेक सागर प्रसाद ने सिमरनजीत सिंह से मिले पास पर भारत के लिए चौथा गोल किया। वहीं वरुण ने 49वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर पांचवां गोल किया। आखिरी सीटी बजने से चार मिनट पहले भारत को दो और पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका।

महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को 4-1 से हराया

हिरोशिमा, 15 जून (भाषा)।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआइएच सीरीज फाइनल्स हिरोशिमा 2019 में अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को यहां उरुग्वे पर 4-1 की शानदार जीत से की। विश्व रैंकिंग में नौंवे स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने कप्तान रानी के गोल से खाता खोला जिन्होंने 10वें मिनट में टीम को आगे कर दिया। उरुग्वे के कई मौके बनाने के बावजूद पहले क्वार्टर के बाद भारत का स्कोर 1-0 था।

तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत को दो कांस्य पदक

डेन बोश, 15 जून (भाषा)।

● ज्योति ने टीम स्पर्धा में खराब शुरुआत के बाद आठ में से छह परफेक्ट 10 के निशाने लगाए

ज्योति सुरेखा वेनम के शानदार खेल के दम पर भारत की महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने शनिवार को यहां दो कांस्य पदक अपने नाम किए। एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता ज्योति ने टीम स्पर्धा में खराब शुरुआत के बाद आठ में से छह परफेक्ट 10 के निशाने लगाए जिससे भारत यह मुकाबला 229-226 से जीता। ज्योति के साथ इस टीम में मुस्कान किरार और राज कौर शामिल थीं।

ज्योति ने इसके बाद एकल मुकाबले में विश्व की दूसरी वरीयता प्राप्त तुर्की की येसिम बोस्तान को रोमांचक मुकाबले में शिकस्त देकर देश को दूसरा कांस्य पदक दिलाया। पांच दौर के बाद दोनों खिलाड़ियों ने एक समान 145 का स्कोर किया था लेकिन शूटऑफ में ज्योति ने मुकाबला 10-9 से आपने नाम कर लिया।

टीम स्पर्धा के पहले दौर में भारतीय टीम 55-57 से पिछड़ रही थी। दूसरे दौर में ज्योति ने लय हासिल किया और भारत 58-53 से आगे हो गया। तीसरे दौर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और स्कोर 58-58 का रहा। भारतीय टीम ने चौथे दौर में भी 58 का स्कोर किया जबकि तुर्की की टीम 57 अंक ही हासिल कर सकी।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष रिकर्व पहली बार स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से उतरेगी। 14 वर्षों के बाद फाइनल में पहुंची भारतीय टीम के सामने रविवार को खेले जाने वाले मुकाबले में चीन की चुनौती होगी।

RAMNATH GOENKA EXCELLENCE IN JOURNALISM AWARDS

INDIAN EXPRESS GROUP

INDIA'S MOST PRESTIGIOUS AND COVETED JOURNALISM AWARDS

CALL FOR ENTRIES 2018

Acknowledging accuracy, courage, credibility & fairness

Award Categories

Print/Digital & Broadcast
- Reporting from Conflict States
- Hindi
- Regional Languages
- Environment, Science and Technology Reporting
- Uncovering India Invisible
- Business and Economic Journalism
- Reporting on Politics and Government
- Sports Journalism
- Investigative Reporting

Print/Digital
- Reporting on Arts, Culture and Entertainment
- Foreign Correspondent Covering India
- Editorial Commentary and Cartoons
- Books (Non-Fiction)
- Prakash Kardaley Memorial Award for Civic Journalism
- Photo Journalism
- Best Student-Run Newspaper, Magazine and Digital News Portal

LAST DATE FOR ENTRIES | JULY 15, 2019
Entries are invited for the year 2018 only.

Log on to www.indianexpress.com/rngf | Write to us at rngf@expressindia.com
Ramnath Goenka Memorial Foundation, Express Building, B-1/B, Sector-10, Noida-201 301, Uttar Pradesh, India.

MARUTI SUZUKI ARENA

WHO'S GIVING YOU COMPANY THIS HOLIDAY SEASON?

Experience a drive like none other on your holiday trips with Special Edition Maruti Suzuki Dzire and Swift.

Following additional features are available in special editions.

BLUETOOTH STEREO WITH SPEAKERS | REVERSE PARKING ASSIST | FRONT POWER WINDOWS | CENTRAL LOCKING WITH REMOTE | FULL WHEEL COVER

DZIRE SPECIAL EDITION SAVE UP TO ₹20,000*

SWIFT SPECIAL EDITION SAVE UP TO ₹20,000*

DZIRE SWIFT

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: kaustubh.chaudhari@maruti.co.in (NCR); ajay.chacko@maruti.co.in (Delhi)

NORTH DELHI: Fairdeal (Budh Vihar) 7290009371; Saya (Azadpur) 47088888; DD Motors (Narela) 9873563171; T.R. Sawhney (Saraswati Vihar) 9582263509; D.D. Motors (Peeragarhi) 25963535; T.R. Sawhney (Badli) 9999324333; Rana Motors (Prashant Vihar) 9711507777; D.D. Motors (Wazirpur) 27153999; Krish (Pitampura) 9999159577; Rana Motors (Tis Hazari) 9873477744; Krish (GT Karnal Road) 9999149577

SOUTH DELHI: T.R. Sawhney (Amar Colony) 9999563333; Competent (Lajpat Nagar) 8377007979; AAA Vehicleades (Malviya Nagar) 9971500011; Prem Motors (Mahipalpur) 8745887458; Rohan (Chhatarpur Metro Station) 011-66764444; D.D. Motors (Okhla Ph-1) 40523000; Bagga Link (Kotla) 8826892666; Rana Motors (Safdarjung) 26712222

CENTRAL DELHI: Rohan (Mathura Road) 9560036262; Competent (C.P) 9582797749; T.R. Sawhney (I.P Station) 9999399157; Magic Auto (Karol Bagh) 9650699556

WEST DELHI: D.D. Motors (Mayapuri) 41845000; Magic Auto (Sec-20, Dwarka) 9560677777; T.R. Sawhney (Rajouri Garden) 9873781333; Competent (Najafgarh) 9582797763; Magic Auto (Dwarka Sec-13) 9818444481; AAA Vehicleades (Mundka) 9650445555; Competent (Dwarka) 9582797879; Magic Auto (Palam Dabri Road) 47777777; TR Sawhney (Naraina) 9999137164; Competent (Shivaji Marg) 9582797849; Rana Motors (Janakpuri) 011-47911111

EAST DELHI: T.R. Sawhney (Gokulpuri) 9999399150; Magic Auto (Preet Vihar) 011-49077777; Fairdeal (Bhajanpura) 7290009372

NOIDA: Fair Deal Cars (Shahdara) 9910894050; Competent (Gazipur) 8377007977; Bagga Link (Patparganj) 9818199370; Rohan (Sec-1) 9873501288; Vipul (Sec-18) 8800091555; Vipul (Sec-63) 0120-4824000; Fairdeal Cars (Sec-10) 9999700944

GREATER NOIDA: Rohan (Udyog Vihar) 9971910523

GURGAON: Prem Motors (32nd Milestone) 8750487504; Rohan (Sec-54) 4845400; Prem Motors (JMD Sikanderpur) 8750987509; Vipul (UdyogVihar) 4395700; Pasco (Sec-18) 4012000; Competent (Islampur Sohna Road) 9582797739; Rana Motors (SCO Plot No-322 Sec-29) 4260000; Pasco (Silverton Sec-50) 7835003300; Competent (Sec-12) 9582797711

FARIDABAD: Rohan (Palwal) 01275-304100; Fairdeal Cars (Piyali Chowk) 9582139824

Vipul (Mathura Road) 9999994707; TCS Autoworld (Neelam Chowk) 0129-4252525; Auto Nation (Mathura Road) 9899596002; Vipul (Ballabgarh) 9717073300

MANESAR: Platinum Motocorp (Pataudi) 9953345311; Platinum Motocorp (Narnaul) 9053088437; Platinum Motocorp (IMT Chowk) 9953345312; Platinum Motocorp (Farrukhnagar) 9205192634

GHAZIABAD: Rohan (Hapur) 0122-2313204; Motorcraft (Modi Nagar) 8057692222; Rohan (Mukund Nagar) 9650100045; Motorcraft (Sahibabad) 9650972222; T.R. Sawhney (Mohan Nagar) 9582263544; Regent Auto (Meerut Road) 7065191234

SOHNA: Pasco (Alipur) 8683000956

REWARI: Auto Vibes (Bawal) 7082100280; Auto Vibes 7082010000; Auto Vibes (Kosli) 01259-275300

BULANDSHAHR: Rohan (Delhi Road) 05732-281900

*The offers shown above are applicable on Dzire Special Edition (Petrol) and Swift Special Edition (Petrol). Savings include exchange bonus (on cars less than 7 years old) and cash discount (wherever applicable). All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Accessories/colours/features shown may not be a part of standard equipment and are for indicative purpose only. Images used are for illustration purpose only. Offers applicable only till stocks last. Offer shown above may change without prior notice. All offers applicable till 30th June 2019.

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 210, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता
रविवारी
• 16 जून, 2019 •

पानी रे पानी...

गरमी का मौसम शुरू होते ही पानी के लिए हाहाकार-सा मच जाता है। जिन नदियों के जल बंटवारे का राज्यों के बीच करार है, उनमें अकसर तकरार की स्थिति पैदा हो जाती है। जबकि हकीकत यह है कि देश की पूरी आबादी की जरूरत से कहीं ज्यादा पानी विभिन्न नदियों, तालाबों और बांधों में मौजूद है। इसके बावजूद पानी की किल्लत बनी रहती है, तो सवाल उठने स्वाभाविक हैं। दरअसल, पानी का प्रबंधन और उसका तार्किक उपयोग न होने की वजह से बहुत सारा पानी बर्बाद चला जाता है। बहुत सारा पानी प्रदूषण के चलते उपयोग के लायक नहीं रह गया। पानी के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कर रहे हैं **एआर आजाद**।

गरमी का मौसम शुरू होते ही देश के बहुत सारे इलाकों में पानी के लिए हाहाकार मच जाता है। सरकारों के माथे पर पसीना उतर आता है कि कैसे लोगों को जरूरत भर का पानी उपलब्ध कराया जाए। लंबे समय से पानी की समस्या से पार पाने के उपाय तलाशे जा रहे हैं, मगर इस दिशा में संतोषजनक कामयाबी नहीं मिल सकी है। हमारे देश में सैकड़ों बांध, हजारों नदियां और छह लाख से अधिक तालाब हैं। इसके बावजूद पानी की किल्लत हमें सोचने पर विवश करती है कि आखिर देश प्यासा क्यों हैं?

एक तंदुरुस्त व्यक्ति को दिन भर में कम से कम ढाई लीटर और इस हिसाब से पूरे देश के लिए प्रतिदिन तीन सौ करोड़ लीटर पानी की जरूरत होती है। टिहरी बांध की क्षमता चार घन किलोमीटर यानी चालीस हजार करोड़ लीटर है। इस तरह अगर ऐसे तीन बांधों का पूरा पानी इस्तेमाल हो तो देश की पूरी आबादी के लिए पर्याप्त होगा। मगर फिर भी पानी की समस्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है।

दरअसल, भारत में पेयजल और घरेलू जरूरत के पानी की आपूर्ति का अलग-अलग ढांचा नहीं है। इसलिए भारतीय मानक ब्यूरो यानी बीआइएस ने हर व्यक्ति के लिए रोजाना पानी की जरूरत डेढ़ सौ से दो सौ लीटर तक आंकी है। लेकिन बढ़ती आबादी के अनुपात में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता घटती जा रही है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 1947 में भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए सालाना 6,042 घन मीटर पानी उपलब्ध था, लेकिन 2011 की जनगणना के बाद पानी की उपलब्धता महज 1,545 घन मीटर रह गई है। शहरी विकास मंत्रालय ने लोकसभा में पैंतीस प्रमुख शहरों में जल आपूर्ति को लेकर आंकड़ा पेश किया था। इन आंकड़ों में तीस शहरों को उनकी जरूरत से कम पानी मिलने की खबर भी सामने आती है। शहरों का एक बड़ा हिस्सा भूजल का इस्तेमाल कर रहा है। नतीजतन, भूजल का स्तर तेजी से गिर रहा है। ■

उद्योगों में पानी की खपत

एक अनुमान के मुताबिक विश्व भर के पंद्रह फीसद जल का उपयोग उद्योग जगत करता है। तापीय बिजली घर में पानी का उपयोग शीतलन के लिए किया जाता है। वहीं जलविद्युत संयंत्र में भी पानी का उपयोग बिजली स्रोत के रूप में किया जाता है। ठीक इसी प्रकार अयस्क और पेट्रोलियम संयंत्र रासायनिक प्रक्रियाओं में पानी का इस्तेमाल करते हैं। इसी तरह के कई उद्योग यानी विनिर्माण संयंत्र पानी का इस्तेमाल विलायक के रूप में करते हैं। औद्योगिक उपयोग में आने वाला पानी बड़ी मात्रा में बर्बाद हो जाता है। नतीजतन, खेत सूखे रह जाते हैं और जल स्रोतों का स्तर नीचे गिरता जाता है।

इसी का परिणाम है कि आज जल का संकट गहरा गया है। ऐसे में अगर जल के बेतहाशा इस्तेमाल और इसकी बर्बादी को रोका नहीं गया, तो वह दिन दूर नहीं जब मानव जल की एक-एक बूंद को तरसेगा।

भारत में विश्व की सोलह प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। भारत में जल संसाधन विश्व के जल संसाधन का महज चार प्रतिशत है। इसलिए इसके इस्तेमाल के तौर-तरीकों को बदलना जरूरी है, ताकि देश के नागरिकों को पीने के पानी के लिए मोहताज नहीं रहना पड़े।

नए-नए तकनीकी विकास के मद्देनजर बढ़ते उद्योगों ने स्वच्छ जल की मांग बढ़ा दी है। उद्योगों में जल की खपत का अभी तक सही-सही आकलन नहीं हुआ है, लेकिन केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय के मुताबिक भारत में औद्योगिक इकाइयां उपलब्ध जल का छह फीसद भाग उपयोग करती हैं, जबकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार यह आंकड़ा आठ फीसद है। विश्व बैंक के अनुसार भारत के औद्योगिक क्षेत्र में तेरह प्रतिशत जल प्रयोग में लाया जाता है। बहरहाल, आंकड़े इसके पार भी जा सकते हैं, क्योंकि औद्योगिक क्षेत्र में प्रतिवर्ष जल की मांग 5.3 फीसद की दर से बढ़ने का एक अनुमान है।

बहरहाल, जल संसाधन आयोग की चिंताओं को तभी गंभीरता से लिया जाएगा, जब सरकार देश की औद्योगिक इकाइयों के लिए भी पानी खर्च करने की पद्धति तय कर दे। अगर इसी तरह धरती के पानी का दोहन औद्योगिक इकाइयां करती रहीं, तो वह दिन दूर नहीं, जब किसानों को खेती के लिए पानी नहीं मिलेगा और पीने के लिए पानी की स्थिति भी त्राहिमाम सी हो जाएगी और तब देश का एक बड़ा हिस्सा आयातीत बोतलबंद पानी पीने को मजबूर हो जाएगा। इसके लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की नदियों को जोड़ने की योजना पर भी काम करने की जरूरत है, ताकि बाढ़ की स्थिति को रोका जा सके और सूखा की मार से भी किसानों और देशवासियों को बचाया जा सके।

नदियां पानी मुहैया कराने का बेहतरीन स्रोत हैं, लेकिन नदियों को लेकर सरकार की सोच निर्मल नहीं है। आज करोड़ों रुपए की बर्बादी के बावजूद न गंगा साफ हो सकी है, न यमुना।

फिर भी इतना तय है कि अगर सरकार औद्योगिक इकाइयों पर पानी की बर्बादी रोकने का कड़ा नियम लागू नहीं करती है, तो भारत के कोने-कोने में पानी की कमी का रोना रोया जाना आम हो सकता है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। खेतों की सिंचाई के लिए पानी का स्रोत तलाशना एक गंभीर समस्या बन कर सामने खड़ी हो जाएगी। तब सिर्फ फसलें नहीं प्रभावित होंगी, बल्कि देश की मंडियां भी प्रभावित होंगी। नतीजतन इसका सीधा असर आम जन-जीवन पर पड़ेगा। तब न लोग केवल पानी को तरसेंगे, बल्कि अन्न के लिए देश को किसी दूसरे देश पर निर्भर रहना पड़ेगा। इसलिए सरकार और स्वयं उद्योग जगत को इस स्थिति का आकलन करते हुए अपने औद्योगिक व्यवहार में पानी को लेकर एक नैतिक रेखा खींचनी होगी और उसी के दायरे में अपनी औद्योगिक इकाइयां भी संचालित करनी होंगी। ऐसा संभव हुआ तो देश इस गंभीर संकट से उबरने में बहुत हद तक सफल हो सकता है। ■

पानी का कारोबार

पानी की कमी की समस्या अंततः पानी के कारोबार को जन्म देती है। उद्योगों के लिए अनुसंधान करने वाली निजी संस्था वैल्यूनोट्स की रिपोर्ट 'होम वाटर प्यूरीफायर इंडस्ट्री 2014-19' के मुताबिक पानी साफ करने की मशीनों के कारोबार में बाईस फीसद की वृद्धि दर्ज हुई है। 2014 में होम वाटर प्यूरीफायर उद्योग 3,400 करोड़ रुपए का था और 2019 तक यह नौ हजार करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर जाएगा।

औद्योगिक संस्था एसोचैम की रिपोर्ट के मुताबिक 2013 में देश में बोतलबंद पानी का कारोबार सात हजार करोड़ रुपए का था, जिसके 2019 तक अठारह हजार करोड़ रुपए के होने का अनुमान है। यानी पानी के कारोबार का दूसरा हिस्सा है बोतलबंद पानी। इस बाजार में बिसलेरी, पेप्सीको, कोका कोला, धारीवाल और पारले की हिस्सेदारी सड़सठ फीसद है। ब्रांडेड बोतलबंद पानी के अलावा बड़े पैमाने पर पानी की बोतलों की घरेलू आपूर्ति और पानी पाउच का कारोबार भी चल रहा है।

पिछले दो दशक की तुलना में 2005-2015 में पानी से जुड़ी योजनाओं पर सरकारी निवेश नौ गुना बढ़ाया गया है, बावजूद इसके शहर प्यासे हैं। ■

पानी का धर्म

वास्तव में जल ही जीवन है। जल की चाहत और उसकी कीमत जेठ की दुपहरी में तपता-प्यासा इंसान ही बता सकता है। शायद इसलिए परमात्मा ने दुनिया में पानी को प्रमुखता प्रदान की। पृथ्वी का इकहत्तर फीसद भाग जल से घिरा है। मनुष्य के शरीर के साठ प्रतिशत भाग में पानी होता है। वहीं कुछ पौधों में भी नब्बे फीसद तक पानी होता है। पानी को प्रकृति ने ऐसे गुणों से नवाजा है, जो किसी भी दूसरे तरल पदार्थ में नहीं है। विज्ञान कहता है कि कोई भी तरल पदार्थ ठंड बढ़ने के साथ सिकुड़ता है, जबकि पानी चार डिग्री सेंटीग्रेड तापमान होने तक सिकुड़ता है और उससे कम तापमान पर फिर फैलने लगता है। हम ठंडे मुल्कों के तालाब की दशा पर जरा गौर करें तो पता चलता है कि जाड़े में जब तालाब का पानी बर्फ में बदल जाता है, तो वह हल्का होकर पूरे तालाब को ढक लेता है और नीचे के साफ पानी में मछलियां तैरती रहती हैं। पानी का एक और गुण है कि उसे किसी बरतन में लाखों वर्षों तक भी रखा जाए, तो उसमें कोई तब्दीली नहीं होती है। पानी में तब्दीली तब होती है, जब उसमें दूसरी वस्तु का मिश्रण होता है। मगर जैसे ही हम उस मिश्रण को अलग कर देते हैं तो पानी अपने वास्तविक रूप में आ जाता है। यही कारण है कि सभी धर्मों ने पानी की अहमियत को स्वीकार किया है। सभी मजहबों ने इसे शुद्धिकारक माना है।

पानी की जरूरत सदा से सर्वोपरि रही है। यही वजह है कि इसकी आवश्यकता को पूरा करने के लिए हमें उसके पास खुद चल कर जाना पड़ता है। मानव को जीवित रहने के लिए जैसे वायु आवश्यक है, ठीक उसी प्रकार शरीर के पोषण के लिए जल। जल की कमी मनुष्य को मृत्यु के कगार तक पहुंचा देती है। यही वजह है कि आदिमानव ने जल के स्रोत की तलाश की और उसने जल के करीब बसना शुरू कर दिया। नतीजतन नदी पर आधारित सभ्यता विकसित हुई।

जल का औषधि के रूप में प्रयोग होता रहा है। पवित्र जल के प्रभाव से कोई भी व्यक्ति बीमारी से मुक्त हो सकता है और यहां तक कि वह मृत्युशैय्या से भी उठ खड़ा हो सकता है। आकाशीय ग्रह जैसे सूर्य, चंद्र और तारे आदि दिन-ब-दिन, साल पर साल, हमेशा नए दिखाई देते हैं। नतीजतन, इससे वह पौराणिक कथा जीवंत हो उठती है जिसमें कहा गया है कि ब्रह्मांड में कहीं न कहीं अमृत मौजूद है, जो जीवन को अमरत्व दे सकता है।

पानी की उपयोगिता का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। इसकी महत्ता के कारण ही हिमालय क्षेत्र में गंगा के स्रोत की आखिरकार खोज हुई। कहा जाता है कि दैवीय शक्ति के रूप में गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ। गंगा का स्वर्ग में आकाशगंगा से संबंध माना गया है।

पुण्य स्नान और अभिषेक जल की उपयोगिता को स्पष्ट कर देता है। पवित्रीकरण के लिए पवित्र जल में डुबकी लगाने के संस्कार का प्रचलन हुआ। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बार-बार डुबकी लगाने से ज्यादा शुद्धीकरण होता है।

सात नदियों के पवित्र जल की अवधारणा इसी कड़ी का हिस्सा है। हिंदू धर्म की सनातन परंपरा के मुताबिक देश भर की हर दिशा में स्थित सात नदियों के जल को बेहद पवित्र माना जाता है। इन पवित्र नदियों में गंगा, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, कृष्णा, ब्रह्मपुत्र और यमुना के नाम शामिल हैं।

इतना ही नहीं इन सात पवित्र नदियों के जल से धार्मिक विधान के लिए प्रयुक्त होने वाले पात्र के द्वारा देवताओं की मूर्तियों का जलाभिषेक किए जाने की धार्मिक परंपरा भी है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के मुताबिक इस पवित्र जल को पीने से मनुष्य के भीतर भगवत्ता के अनुभव की शक्ति प्राप्त होती है। यही वजह है कि आदिकाल से ही इन नदियों का जल एकत्रित कर धार्मिक विधि-विधान में प्रयोग किया जाता रहा है। ■

चिंतित है केंद्र सरकार

देश में पानी को लेकर चिंताएं गहराने लगी हैं। वजह साफ है कि अब बांधों का जलस्तर बड़ी तेजी से गिरता जा रहा है। बांधों के गिरते जलस्तर को लेकर सरकार और संबंधित एजेंसियों के भी कान खड़े हो गए हैं। नतीजतन केंद्र ने देश के लगभग आधा दर्जन प्रभावित राज्यों को परामर्श जारी किया है।

दरअसल, 1972 में केंद्रीय जल आयोग ने किसी क्षेत्र विशेष में सूखा पड़ने के कुछ मानक तैयार किए हैं। इन मानकों के मुताबिक सूखे का पहला लक्षण यह है कि जब वर्षा वार्षिक वर्षा के मान से सामान्य से पचहत्तर फीसद से कम हो। इसका दूसरा मानक है कि ऐसी स्थिति आ जाए, जिसमें तीस फीसद से कम कृषि क्षेत्र को ही सिंचित किया जा सके।

इसी मानक के मद्देनजर केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को अपनी सलाह में कहा है कि राज्य और राज्य सरकार पानी का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें। 18 मई, 2019 को केंद्र सरकार की ओर से जारी परामर्श में साफ कहा गया है कि वे पानी का प्रयोग केवल पीने के लिए ही करें। यह सलाह तब तक प्रभावी रहेगी जब तक बांधों में पुनर्भरण नहीं होता है। केंद्र ने तमिलनाडु समेत महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को भी पानी को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी है।

केंद्रीय जल आयोग देश के इक्यानबे मुख्य जलाशयों में पानी की मौजूदगी और उसके भंडारण की निगरानी करता है। आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार इनमें पानी का कुल भंडारण घट कर 35.99 अरब घन मीटर रह गया है। यह उपलब्धता इन इक्यानबे मुख्य जलाशयों की कुल क्षमता का महज बाईस फीसद है। इन जलाशयों की कुल क्षमता 161.993 अरब घन मीटर है। इस तरह से देखा जाए तो इन जलाशयों में पानी लगभग 126.03 अरब घन मीटर कम हो गया है, मतलब कुल पानी का अठहत्तर फीसद कम हो गया है।

इससे साफ संकेत है कि देश के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में पानी का संकट गहराने लगा है। हालांकि महाराष्ट्र में सत्रह जलाशय हैं, जबकि गुजरात में दस जलाशय हैं। इनकी कुल क्षमता 31.26 अरब घन मीटर है। गौरतलब है कि देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल यानी 3.29 करोड़ हेक्टेयर का लगभग छठवां भाग सूखा प्रभावित है। मगर पानी की प्रचुर उपलब्धता के बावजूद इसे सिंचित करना चुनौती बना हुआ है। ■

खेत, आधा कुआं और आखिरी हिचकी

कहानी

मनीष वैद्य

यह अनायास ही था, करीब-करीब अप्रत्याशित-सा। न मैंने कभी ऐसी कोई कल्पना की थी और न उससे मिलने की मुझे कोई उम्मीद थी। इस तरह तो बिलकुल नहीं। मैं उसे भूला नहीं था, पर कभी शिद्दत से याद भी नहीं किया था। हां, जब कभी गांव को याद करता तो स्वाभाविक ही वह बाकी लोगों की तरह शामिल रहा करता। हो सकता है यह वह न हो। पर उसके पूरी तरह बदल जाने के बावजूद आंखें साफ-साफ देख रही थीं।

मैं किसी रिश्तेदार का हाल जानने के बाद अपने शहर के बड़े अस्पताल की सीढ़ियां उतर रहा था। तभी मुझे वह दिखाई दिया। पहले तो यकीन ही नहीं हुआ कि वह यहां इस तरह कैसे हो सकता है! पर वह सुनील ही था। वह अस्पताल के बाहर पत्थर की बेंच पर बैठा था। उदास, अनमना और उजड़ा हुआ-सा। वह वार्ड के बाहर खिड़की पर नजरें गड़ाए हुए बैठा था। मैंने गौर से देखा, वहां इस तरह देखने की कोई वजह नहीं थी। दीवार अन्य दीवारों की तरह ही बदरंग और सपाट थी। दूसरी सरकारी दीवारों की तरह। वहां कोई तस्वीर या पोस्टर भी चस्पां नहीं था। मुझे लगा कि वह वहां कुछ नहीं देख रहा था। वह शायद अपने अंदर के किसी बंद तहखाने से निकलने की उम्मीद में वहां देख रहा था। वह इस तरह अपने ही भीतर कुछ खंगाल रहा हो या बाहर बहती हवा के टुकड़ों को फेफड़ों में भर लेना चाहता हो। उस पर मुझे हमदर्दी हो आई।

सुनील मेरा हमउम्र और सहपाठी। उसे देखते ही अनायास आंखों में तैरने लगते हैं वे सपनों से दिन, जब शायद हमारी छाती में उड़ने को पंख लगे थे और पैरों में घूमने को पहिए। वे दिन याद आते हैं, तो कुछ हरहराने लगता है हरी घास की तरह भीतर तक। जैसे कोई गीलापन बच गया हो बहुत अंदर।

पर आज उसे देख कर नहीं लगा कि यह कभी वह सुनील भी रहा होगा। अपनी उम्र से दोगुना लग रहा था वह। उसके चेहरे पर सफेद और काले बालों की खिचड़ी दाढ़ी का जंगल उग आया था। सिर पर बालों का घोंसला। मानो कई दिनों से कंघा ही नहीं किया हो। आंखों में कीच और चीकट कपड़े। उसके कुरते-पायजामे पर जगह-जगह मिट्टी लगी हुई थी। माथे पर चिंता की लकीरें और आंखों में निराशा। मुझे लगा, दुख में हम सब कितने असहाय और कमजोर होते हैं। कैसे सूखे पत्तों की तरह कांपने लगते हैं। कैसे तड़कने लगती है हमारे नीचे की ठोस धरती।

मैंने उसके कंधे पर हाथ रखा, तो उसने मुझे चौंक कर देखा। वह कुछ नहीं बोला। बस मेरा हाथ अपने हाथ में लेकर बैठा रहा उसी तरह। मैं भी बोलने या कुछ पूछने की स्थिति में नहीं था। वहां आसपास अस्पताल का हल्ला था और उसके बीच हमारा मौन। फिर उसकी आंखों ने यह मौन तोड़ा। उन आंखों में इतनी पीड़ा और हताशा थी कि मैं ज्यादा देर तक उन्हें देख नहीं सका। गोया आंखों ने ही सारी बात कह दी हो। वह अब भी चुप था। पर उसकी आंखें बता रही थीं कि उसके भीतर कहीं समंदर पछाड़ें मार रहा है। आंखों से उड़ती हुई दुख और बेबसी की किर्चियां साफ दिख रही थीं। वहां उम्मीद की कोई धूप नहीं थी, सिवाय घने कोहरे के। मुझे लगा, उसकी आंखों से दुखों की कोई नदी अभी बहने लगेगी।

मैं उससे हाथ छुड़ा कर अंदर वार्ड में गया। वह उसी तरह वहीं बैठा रहा। एक छोटे से कमरे में बारह पलंग लगे थे। छह-छह की पट्टी में। तीसरे पलंग पर सुनील के पिता नीम बेहोशी में थे। वे बहुत कमजोर हो चले थे। उनके काले और झुर्रीदार चेहरे पर मुर्दानगी थी, जैसे जंग हारते किसी सैनिक का चेहरा। वे अपनी बीमारियों से किसी सैनिक की तरह ही तो लड़ रहे थे। पर अब जैसे लड़ने की ताकत चूकते जा रहे थे। फिर भी किसी उम्मीद की तरह बोतल की दवाई बूंद-बूंद उनकी नसों में बह रही थी। मैंने कभी उन्हें इस तरह नहीं देखा था। अंदर से बहुत नरम, पर ऊपर से बहुत सख्त। बचपन में कभी-कभी तो उनकी आंखों से ही डर लगता। हमेशा तेज-तर्रार, चुस्त-दुरुस्त। अब तक मैंने उन्हें काम में लगे हुए ही देखा था। हमेशा तड़कते-गरजते, आम पिताओं की तरह। वे हमेशा कुछ न कुछ करते ही रहते थे। सुनील का छोटा भाई उनके पैरों के पास बैठा था। मैं उन्हें इस तरह नहीं देख पाया और वहां से बाहर निकल आया।

मुझे लगा कि अब इस कोहरे को छांट कर ही उसे बाहर लाया जा सकता है। मैंने उसे अपने साथ लिया। हम दोनों चलने लगे थे। कहां। उसे पता नहीं था, मुझे भी नहीं पता था। शायद उसके दुखों का घनापन दूर करने के लिए, पर कहां। यह रास्ता कहीं तो जाएगा। इसी आस में हम चुपचाप चल रहे थे जैसे कुछ भी कहने-सुनने से टूट जाएगा कुछ और बिखर जाएगा सब कुछ।

सामने कैंटीन थी। मैं सोच रहा था। बीमारों के साथ आए लोग भी कैसे बीमार की तरह ही हो जाते हैं। रीते-मुरझाए चेहरे और आंखों में इंतजार। अस्पताल का ठंडापन मानो उनकी आत्मा तक फैल गया हो। हम कैंटीन के नल के पास खड़े हो गए। उसने मुंह-हाथ धोए, चुल्लू भर पानी पिया और शरीर पर पानी के छींटे मारे तो लगा जैसे वह लौट रहा हो उसी देह में। मैंने उससे चाय को पूछा, पर उसने मना कर दिया। हम फिर आगे बढ़ गए।

हमारे घर से कुछ ही दूरी पर था उसका घर। हम एक ही कक्षा में पढ़ते थे और कक्षा के बाद भी ज्यादातर साथ ही रहते थे। वह कभी मेरे घर आ जाता और कभी मैं उसके घर। हर शाम स्कूल के बाद हम उसके खेत पर चले जाते। वहां वह अपने परिवार वालों का हाथ बंटाता और हम इस बीच बातें भी करते रहते। अमरूद के दिनों में अमरूद और बेर के दिनों में बेर। वह घास काटता, उसके पूले बनाता फिर पीठ पर लाद कर उसे मेड़ से खले तक ले जाता। वह रात भर जाग कर ठिठुरता। जमीन की रगों में ठंडा पानी बहता रहता और ठंड बर्छियों की तरह उसकी मरियल देह की हड्डियों में चुभती रहती। वह फसल काटता, सब्जियां तोड़ लेता, सूखी लकड़ियां काट लेता। पेड़ों पर चढ़ जाता और वहां मधुमक्खियों को चकमा देकर शहद का छत्ता तोड़ लाता। वह बावड़ी में गंठा लगाता तो उसके तल से चीजें निकाल लाता। वह पत्थरों के नीचे से बिच्छु ढूंढ़ता और फिर किसी किमची या कीले से उनका डंक तोड़ देता। वह पक्षियों के अंडे पहचानता था। वह हाट-बाजार में सब्जी की दूकान लगा लेता और चिल्ला-चिल्ला कर ग्राहकों को पुकारता। वह छुट्टी के दिन अपने ढोर-डंगरों को लेकर बडले की तरफ निकल जाता और दिन भर उन्हें चराता। हां, पढ़ाई में जरूर वह थोड़ा पीछे रह जाता।

चित्र: श्रीपाल व्यास

> सुनील का घर भी देख लिया था इन घोड़ों ने और उसके पिता की छाती भी। उसने सुबकते हुए कहा- 'सरकार से कुएं के लिए कर्ज लिया था। आधा कुंए में, आधा अफसरों के पेट में। न कुआं ढंग से खोद सके, न पैसा कोई काम आया। पिता की छाती को रौंदते हुए ब्याज के घोड़े दौड़ रहे थे। कब तक दम भरते हम। नहीं बचा सके हम अपनी जमीन।

उसे पता था कि कौन-सा बीज कितने दिन बाद धरती फोड़ कर बाहर आएगा और कब अनाज पकेगा। किस खेत में कितना पानी देना है और कब-कब। कौन-सी गाय कितना दूध देगी और कौन बछड़ा मरकंडा निकलेगा।

मेरे लिए बचपन में वह किसी सुपरमैन की तरह हुआ करता था। खेती, जंगल और जीव-जंतुओं का इन्सायक्लोपीडिया। तब हमारे पास न तो खेत बचे थे और न ही मुझे ऐसे कोई काम आते थे। मुझे उसके साथ खेत पर जाना और वहां उसे काम करते देखना अच्छा लगता था।

वह ज्वार और बाजरे की मोटी-मोटी रोटियां कभी नमक-मिर्ची से, कभी इमली के कर्रों से तो कभी कच्ची कैरी या प्याज से ही खा लिया करता। खेत में सब्जियां होतीं, तो उसकी मां सब्जी बना देती, पर जब खत्म हो जातीं तो घर में भी सब्जियां बननी बंद हो जातीं। हमारे यहां दाल और सब्जी बनने के बाद भी सबकी अलग-अलग पसंद हुआ करती, पर उसके साथ ऐसा नहीं था। बाजार से दाल और सब्जियां लाने का उनके यहां न रिवाज था और न ही पैसा।

गांव में पिता के जाने के बाद हमारे हाथ कुछ नहीं था। दो रोटी की उम्मीद में गृहस्थी की गठरी बांधे हम शहर आ गए थे। कई साल गुजर गए, पर कभी गांव जाने की इच्छा ही नहीं हुई और आज जब वह मिला, तो आंखों में फिर एक बार गांव तैर गया।

अस्पताल से थोड़ी दूरी पर गुलमोहर का पेड़ लाल फूलों से दहक रहा था। नीचे दूर तक हरी घास थी। हम वहीं बैठ गए थे। वह पहले तो घास को तोड़ता रहा कुछ देर, फिर धीरे-धीरे खुलने लगा। उसने जो कहानी सुनाई, उससे मैं दंग रह गया था। कलेजा धक रह गया और सांसें ठंडी हो रही थीं। मैं उसे ढांढस बंधाना चाहता था, पर कहने की छाती नहीं चल रही थी। शब्द हलक में फंस रहे थे।

सुनील के पिता के पास साढ़े चार बीघा जमीन थी और इसी पर उनके पूरे परिवार का दारोमदार था। यह खेती ही उनकी भाग्यविधाता थी। वे इसी में खुश थे। वे इसमें अपना पसीना बोते और सोना उपजाते। परिवार के लिहाज से यह बहुत कम था, लेकिन जिंदगी बसर हो रही थी। वे दिन-रात खेत पर काम में लगे रहते। ज्यादा होता तो घर के बाकी लोग भी जुट जाते। सबके जुटने-खटने के बाद भी उनकी हालत जस की तस थी। दो बेटियां ब्याह के मुहाने पर बैठी थीं। खरामा-खरामा कर्जे का आंकड़ा बढ़ता जा रहा था।

साहूकार वक्त-बेवक्त उधार तो अपनेपन से देता, पर थोड़े ही दिनों में खेत के कागज वह अपने नाम कराने का कानूनी नोटिस भेजता, तो सब कुछ समझ आ जाता। वे इनका सारा खेल और ब्याज का गोबर गणित बहुत अच्छे से समझते थे। गांव में पढ़े-लिखे लडके अब दलाल बन गए हैं। वे जमीनों के सौदों में कमीशन पर चमकदार गाड़ियों में घूमते हैं। उनके अपने तरीके हैं और अपना लालच। जो नहीं बेच रहे, उन्हें डरा-धमका या बरगला कर बिकवाई जा रही है। साहूकार उन्हें तरह-तरह से फंसाने की तुक-तान लगाते रहते। वे जानते थे कि ये सब खेत के पीछे हैं। सड़क से लगा है उनका खेत। सोने जैसा खेत भला किसके पेट में न खलता। लोग जाल फैलाते, पर अब तक वे उसमें फंस नहीं पा रहे थे। पर कब तक, उन्हें नहीं पता था।

सुनील की निगाहें जमीन पर गड़ी थीं, मानो कुछ खोज रहा हो। जैसे उसे जमीन से किसी सवाल का जवाब नहीं मिल रहा हो। घास के कोनों को तोड़ते हुए वह बहुत धीमे-धीमे कुछ कह रहा था। जैसे उसकी आवाज किसी गहरे कुंए से आ रही थी। उड़ी-उड़ी। वह अपने कहे को किसी व्यवस्थित क्रम में नहीं कह पा रहा था। कहीं से भी कुछ कहता और कहते-कहते फिर किसी और छोर से कहना शुरू कर देता। कभी चुप हो जाता और फिर जमीन से बातें करने लगता। वह मुझसे बात कर रहा था या अपने आप से कहना मुश्किल था। मैं उसके बुदबुदाने, हाव-भाव और कुछ उसकी बातों से समझने की कोशिश कर रहा था। उसका मन वहां नहीं था, वह उस वक्फे में कहीं और घुमड़ रहा था। मैं उसकी हालत समझ सकता था। मैं जो कुछ समझ सकता था, रफ्ता-रफ्ता समझ रहा था।

वह बता रहा था कि किस तरह पिता जिंदगी के भंवर में फंसते चले गए, अच्छे दिनों की चाह में उनके बुरे दिन भी कहीं गुम हो गए थे और उनकी जगह उग आए थे और भी बुरे दिन। ऐसा क्यों होता है हमारे साथ, हाड़ तोड़ मेहनत के बाद भी हमेशा हम ही ठगे रह जाते हैं। हम ही छले जाते हैं हमेशा। कैसा समय है यह। पिता सच कहते थे-'हमें सबसे ज्यादा तकलीफ हमारे अपने सपने देते हैं।' पर हमारे सपने भी तो हमारी ही तरह छोटे थे। बहनों की शादी, खेत को पानी और खंडहर घर की मरम्मत करने का सपना बड़ा है। शायद हमें सपने देखने ही नहीं चाहिए।

मुझे याद है, सुनील के पिता अक्सर कहते थे- 'नदी की बाढ़ और कर्जे की रफ्तार एक-सी होती है। जब घेर लेती है, तभी मालूम होता है। तब तक बचने के सारे रास्ते भी बंद हो जाते हैं। कर्जा साहूकार का हो या सरकारी। एक ही जैसा होता है। राई-रत्ती फरक नहीं। कर्जा लिया नहीं कि कर्जदार की छाती पर कर्जे के घोड़े दौड़ने लगते हैं। दिन में सफेद, तो रात में काले घोड़े।'

वे कहते थे- 'हम सब इनकी टापें सुनते हैं, पर इन्हें रोक नहीं पाते। किसानों की छाती बहुत कट्ठी होती है। उसमें मिट्टी का सत होता है, पर इनकी टापें इतनी सख्त होती हैं कि उसे भी रौंद देती हैं। किसानी तो जुआ है। लग गया तो वारे-न्यारे और नहीं चला तो पासंग भी नहीं। एक तरफ साल-दर-साल का घाटा, बढ़ता हुआ कर्जा तो दूसरी तरफ, जमीन खरीदने को आतुर सेठ-साहूकार और उनके दलाल। किसान धरती से बंधे हैं, किसान के लिए जमीन उसकी मां है। पूरे देश में यही हो रहा है, पर किसी को कोई चिंता नहीं। सरकार और बैंकों की अपनी गति है तो अफसरों की अपनी। घर तो किसानों के उजड़ रहे हैं। वे जगह-जगह मर रहे हैं।'

सुनील का घर भी देख लिया था इन घोड़ों ने और उसके पिता की छाती भी। उसने सुबकते हुए कहा- 'सरकार से कुएं के लिए कर्ज लिया था। आधा कुंए में, आधा अफसरों के पेट में। न कुआं ढंग से खोद सके, न पैसा कोई काम आया। पिता की छाती को रौंदते हुए ब्याज के घोड़े दौड़ रहे थे। कब तक दम भरते हम। नहीं बचा सके हम अपनी जमीन। पिता ने तबसे बिस्तर पकड़ लिया। उनका सब कुछ उजड़ गया था। सब उसी के साथ खत्म हो गया था।'

हमारी तंद्रा टूटी थी सुनील के छोटे भाई की चीख से। हम वार्ड में बदहवास दौडते हुए पंहुचे थे। सुनील के पिता सांस लेने के लिए बुरी तरह छटपटा रहे थे। सुनील और उसके छोटे भाई ने उनके शरीर को सहारा दिया। मैं डॉक्टर के केबिन की ओर भागा। डॉक्टर आते उससे पहले ही वे आखरी हिचकी ले चुके थे। उनके निर्जीव देह की आंखें खुली थीं। मुझे लगा कि उनकी आंखें कोई सवाल पूछ रही हों। मुझसे, सुनील से या हम सबसे। पर हम सबके पास कोई जवाब नहीं है। ❑

सांस्कृतिक शब्दों का भाषांतरण

संदर्भ

सोनाली मिश्रा

हर शब्द की अपनी एक खास बनावट और विशेष इतिहास होता है। जब भी हम किसी शब्द का प्रयोग करते हैं, तो वह कुछ विशेष अर्थ समेटे हुए होता है! हिंदी के अधिकांश शब्दों ने अपना स्वरूप संस्कृत से प्राप्त किया है और संस्कृत ने संस्कृति से, संस्कार और सदियों से चलती आ रही परंपराओं से। इसी प्रकार अंग्रेजी ने अपने समाज, अपने धर्म से कुछ शब्द प्राप्त किए हैं, जिनमें उनकी संस्कृति, उनका सामाजिक आचरण झलकता है। शब्दों के अर्थों को खोलते हुए हम उनकी सामाजिक संस्कृति को जान पाते हैं। ऐसे ही कुछ बहुत छोटे और आम शब्द हैं, जो सहज प्रयोग में लाए जाते हैं जैसे छात्र, भिक्षा, भिक्षुक, विद्यार्थी, शिक्षक, विवाह, देश, राष्ट्र, धर्म, अनुवाद, श्रमण, ब्राह्मण आदि!

हर शब्द के कुछ न कुछ पर्यायवाची भी होते हैं, और जिन्हें वाक्य में अर्थ के अनुसार प्रयोग किया जाता है। हर पर्याय का संदर्भगत अर्थ होता है जैसे 'जल'। जब किसी धार्मिक कार्य के लिए प्रयोग करना होगा, तब उसे जल कहा जाएगा। कुछ शब्द संस्कृतिगत होते हैं, जैसे गंगा, राम, रावण, यशोदा आदि! यही स्थिति अंग्रेजी शब्दों के साथ है। जैसे जैसे सभ्यता का विस्तार होता गया वैसे वैसे शब्द अपनी प्रासंगिकता के साथ विस्तार पाते गए।

इन अवधारणात्मक या सांस्कृतिक शब्दों के अनुवाद में समतुल्यता के सिद्धांत का पालन करते हुए, लगभग हर शब्द का निकटतम शब्द हम प्रयोग करते हैं और अनुवाद को सेतु के रूप में प्रयोग करते हुए स्रोत भाषा से लक्ष्य भाषा में आते हैं। अगर हम अनुवाद और उसके अंग्रेजी पर्याय 'ट्रांसलेशन' की ही बात करें, तो पाएंगे कि अनुवाद को ट्रांसलेशन नहीं कहा जा सकता। 'ट्रांसलेशन' के लिए भाषांतरण शब्द का प्रयोग करना उपयुक्त होगा। अनुवाद का संस्कृत के कुछ कोशों में अर्थ 'प्राप्तस्य पुनः कथनम्' या 'ज्ञातार्थस्य प्रतिपादनम्' प्राप्त होता है। भारत में ज्ञान की मौखिक परंपरा रही है, यानी गुरु द्वारा कहे गए वाक्यों को दोहरा कर उन्हें कंठस्थ करने की। इसी प्रक्रिया को अनुवचन या अनुवाद कहा जाता था। यानी अनुवाद का अर्थ होता था कथन के ज्ञान को पुनः प्राप्त करना। इसमें एक भाषा से दूसरी भाषा में भाषांतरण का संदर्भ प्राप्त नहीं होता है। भर्तृहरि ने भी अनुवाद शब्द का अर्थ पुनः कथन के रूप में किया है, 'अनुवृत्तिरनुवादो वा'। जैमिनीय न्यायमाला में भी अनुवाद का अर्थ 'ज्ञात का पुनःकथन' है।

यानी अनुवाद का जो अर्थ हम अभी प्रयोग कर रहे हैं, वह मूल में था ही नहीं! ज्ञान को प्राप्त करने वाला शब्द कालांतर में भाषांतरण में परिवर्तित हो गया। यही एक शब्द की यात्रा होती है। वह समय के साथ भिन्न अर्थ में प्रयोग होने लगता है। इस तरह जब हम 'ट्रांसलेशन' का हिंदी पर्याय खोजते हैं तो वह भाषांतरण होना चाहिए, अनुवाद नहीं। जैसा कि कैटफोर्ड ने कहा है कि ट्रांसलेशन में समतुल्य शब्दों का प्रतिस्थापन किया जाना चाहिए।

हो सकता है कि प्राचीन काल में जो धार्मिक रचनाएं होती थीं, वे कथन के ज्ञान को लेकर अपने अनुसार रूप ग्रहण करती रही हों, इसलिए उन्हें अनुवाद की श्रेणी में रखा जाए। भारत में कथनों को पुनः दूसरे रूप में या समय के अनुसार कहने की एक लंबी परंपरा रही है जैसे वेद, उपनिषद और उनकी टीकाएं। रामायण और महाभारत के तो इतने रूप हैं कि जितने लेखक उतनी ही रामायण और उनके उतने ही राम। दक्षिण की रामायण का अपना एक स्वरूप है, तो पूर्व की रामायण का दूसरा। गुजराती रामायण एकदम भिन्न है, पर स्रोत एक ही है। वाल्मीकि रामायण से प्रेरणा लेकर बनी नई नई रामायण। अगर अनुवाद की प्राचीन परिभाषाओं के अनुसार हम इन राम कथाओं को देखते हैं, तो पाते हैं कि उन्हें ही अनुवाद की श्रेणी में रखा जा सकता है, न कि आज जो हम करते हैं उसे अनुवाद कहा जाए।

सांस्कृतिक शब्दों के भाषांतरण की बात करें तो पाते हैं कि कुछ शब्द भाषांतरित हो जाते हैं, पर बहुसंख्यक शब्द दूसरी भाषा में आकर अपना अर्थ खो बैठते या एकदम विपरीत हो जाते हैं। जैसे भिक्षुक और भिक्षा! भिक्षुक को भारतीय संस्कृति में कभी भिखारी नहीं माना गया। भिक्षुक का स्थान समाज में बहुत उच्च था, क्योंकि वह समाज से भिक्षा लेकर एक से दूसरे स्थान पर जाकर ज्ञान का प्रसार या भगवान की भक्ति का प्रचार करता था। समाज से बस वह अपने जीवनयापन हेतु भिक्षा लेता था। गुरुकुल के छात्र भी गांव से भिक्षा मांग कर लाते थे। इस प्रकार यह परंपरा चलती थी। पर जब हम अंग्रेजी में इसका अनुवाद 'बेगर' कर देते हैं, तो उसे दीन-हीन, निराश्रित की श्रेणी में रख देते हैं, जिसका सब कुछ लुट गया है और जिसके पास कुछ बचा नहीं है! भिक्षुक का अंग्रेजी समतुल्य कहीं से भी 'बेगर' नहीं है। जब भिक्षुक का अंग्रेजी पर्याय हम बेगर लेकर आगे बढ़ते हैं, तो रचना का सच्चा अर्थ कभी भी पाठक नहीं उठा पाएगा। गौतम बुद्ध भिक्षा मांगते थे, पर दीक्षा देने के लिए! यहां सांस्कृतिक शब्दों और अवधारणाओं को समझने की आवश्यकता है। यहां भाषांतरण तो हो रहा है, पर अनुवाद नहीं! या तो इसके लिए कोई नया शब्द गढ़ने की आवश्यकता है या फिर भिक्षुक को भिक्षुक के रूप में लेने की, क्योंकि इसका पर्याय भिखारी भी नहीं है!

चित्र: वाजदा खान

> अंग्रेजी के कुछ ऐसे शब्द हैं, जिनके हिंदी पर्याय खोजते हैं तो हम अटक जाते हैं। हम निकटतम समतुल्य खोजने के स्थान पर उस शब्द की मूल आत्मा को ही लगभग मार देते हैं। और यह भी बहुधा धार्मिक ही होते हैं, जो धर्म की किसी गूढ़ बात को लेकर आगे बढ़ते हैं।

इसी प्रकार 'विद्यार्थी' शब्द है। विद्यार्थी यानी जिसका उद्देश्य विद्या अर्जन करना है। जो अपने माता-पिता के साथ रह कर शिक्षा अर्जित करता है। इसका पर्याय है छात्र। छात्र, जो गुरुकुल में रह कर विद्यार्जन किया करते थे। अगर इन अर्थों के अनुसार ही हम अंग्रेजी पर्याय खोजेंगे तो परेशानी होगी, इसलिए 'स्टूडेंट' के रूप में हम इनके निकटतम समतुल्य प्रयोग करते हैं।

इसी प्रकार अंग्रेजी के कुछ ऐसे शब्द हैं, जिनके हिंदी पर्याय खोजते हैं तो हम अटक जाते हैं। हम निकटतम समतुल्य खोजने के स्थान पर उस शब्द की मूल आत्मा को ही लगभग मार देते हैं। और यह भी बहुधा धार्मिक ही होते हैं, जो धर्म की किसी गूढ़ बात को लेकर आगे बढ़ते हैं। जैसे अंग्रेजी में एक शब्द है 'कनफेस'। इसका भाषांतरण प्रायश्चित के रूप में कर दिया जाता है, जबकि प्रायश्चित और 'कनफेस' दोनों अर्थ के आधार पर विपरीत ध्रुवों पर खड़े हैं। चूंकि ईसाई धर्म में यह अवधारणा है कि कयामत के दिन ही सबके पुण्य और पापों के आधार पर फैसला होगा और कोई भी गलत कार्य करने पर तब तक आत्मा पर कोई बोझ न रहे तो वह प्रभु के सामने यह स्वीकार करता या करती है कि उसने अमुक गलती की है, इसे गलत कार्य की स्वीकृति को 'एकनॉलेजमेंट' तो कह सकते हैं, पर प्रायश्चित नहीं, क्योंकि प्रायश्चित की अवधारणा मात्र भारत में है।

हालांकि तकनीकी और गैर-साहित्यिक तथा धार्मिक संस्कार से परे जो शब्द होते हैं, उनका समतुल्य खोजना बहुत आसान होता है और जब उनका निकटतम समतुल्य नहीं मिल पाता तब या तो हम लिप्यंतरण कर लेते हैं या फिर कोई नया शब्द गढ़ लेते हैं। अधिकतर भाषा के क्षेत्र में कार्य करने वाले पहला अर्थ ही लेते हैं।

कई बार कुछ शब्द अपनी रचनाओं से संदर्भ प्राप्त करते हैं, जैसे 'हरक्यूलियन टास्क'। अगर भाषांतरण करने वाले व्यक्ति को इस शब्द विशेष का संदर्भ ज्ञात नहीं होगा तो वह अपनी भाषा में इसे हूबहू नहीं ला पाएगा! ऐसे अनेक शब्द हैं, जिनकी व्युत्पत्ति किसी विशेष संस्कार, संस्कृति और अवधारणा से हुई है। जिनमें एक संस्कृति के संस्कार हैं, जो दूसरी संस्कृति के संस्कारों से सर्वथा भिन्न भी हो सकते हैं और अपरिचित भी। यह दुविधा मात्र भाषांतरण में नहीं, बल्कि दूसरी संस्कृति के मूल लेखन में भी आती है। एडविन आर्नाल्ड की कृति 'द लाइट ऑफ एशिया' को पढ़ें, तो आर्नाल्ड भारतीय संस्कृति के संस्कारों को बताने में शब्दों के साथ कई प्रयोग करते हैं। चूंकि उनकी संस्कृति में अवतार की कोई अवधारणा नहीं है, स्वर्ग तो है उनकी संस्कृति में, पर स्वर्ग से धरती पर अवतार लेने वाले देव नहीं हैं। तो वे अपनी इस कविता में बुद्ध को 'वेटिंग इन द स्काई' लिखते हैं, वहीं इस कविता को हिंदी में लाने वाले आचार्य रामचंद्र शुक्ल 'या लोक' लिखते हैं।

तात्पर्य यह कि जिस प्रकार तकनीकी शब्दों का लिप्यंतरण कर हमने एक भाषा का हिस्सा बना लिया है उसी प्रकार कुछ अवधारणात्मक और सांस्कृतिक शब्दों का भी लिप्यंतरण कर लिया जाए तो सांस्कृतिक शब्दों की आयु भी लंबी होगी तथा उनका मूल अर्थ पाठक को ज्ञात हो सकेगा! अभी उनके निकटतम समतुल्य खोज कर लिखने से शब्द का मूल अर्थ कहीं न कहीं खो जाता है। ❑

योग सिद्धांतों को बनाएं शिक्षा का आधार

योग दर्शन

डॉ. वरुण वीर

आजादी के बाद से भारतीय शिक्षा-व्यवस्था शायद उन लोगों के हाथ में रही, जिनको भविष्य की कल्पना नहीं थी और साथ शायद भारत की मूल प्रकृति को भी समझने में असमर्थ थे या जानबूझ कर समझना नहीं चाहते थे। उस समय भारत की शिक्षा नीति में अगर भारतीय संस्कार होते, तो आज इक्कीसवीं सदी में भारतीय जनमानस में राष्ट्रवाद की कमी, नागरिकों में कर्तव्य की अवहेलना, स्वच्छता का अभाव, भ्रष्टाचार तथा सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों में काम करने में लापरवाही और आलस्य आदि दोष न होते। आज समस्त विश्व यूरोप और अमेरिका का अनुसरण इसलिए करता है, क्योंकि वहां धन तथा विकास की पराकाष्ठा दिखाई देती है, व्यवहार तथा आचरण की दृष्टि से भी समूचे विश्व से लोग वहां पर जाकर बसना चाहते हैं। पश्चिमी देशों में भी केवल भौतिक सुविधाएं तथा संपन्नता है। वे राष्ट्र विश्व के दूसरे विकासशील राष्ट्रों से बेहतर हैं, लेकिन केवल शरीर की सुविधाओं तक सीमित हैं। मन उनका भी अत्यधिक अशांत और बेचैन है।

विश्व के देशों का अगर ध्यानपूर्वक अध्ययन करें तो कोई भी देश विश्व का आदर्श नहीं कहा जा सकता, क्योंकि किसी भी राष्ट्र की शिक्षा नीति मनुष्य के पूर्ण व्यक्तित्व का विकास या फिर कहें शिक्षित नहीं करती है। सभी देशों की शिक्षा केवल रोजगार देने तक सीमित रहती है। रोजगार देना ही आज के विश्वविद्यालयों तथा शैक्षिक संस्थानों का अंतिम लक्ष्य है। यह बुरा नहीं है, लेकिन अधूरा है। इस अधूरे लक्ष्य को पूरा बनाने के लिए शरीर, प्राण, मन, बुद्धि तथा आत्मा को सुखी, स्वस्थ बनाने के लिए योग को शिक्षा नीति का आधार बनाना चाहिए। योग को प्रतिदिन कक्षा में अनिवार्य रूप से अपनाना चाहिए। योग, जिसमें शरीर, प्राण, मन, बुद्धि तथा आत्मा के स्तर तक लाभ पहुंचाया जाता है। आज की शिक्षा विद्यार्थी को इंजीनियर, डॉक्टर, पायलट, व्यापारी, कर्मचारी या अधिकारी तो बना रही है, लेकिन अच्छा संस्कारी मनुष्य नहीं बना पा रही है। अच्छा मनुष्य बनाने के लिए वर्तमान शिक्षा के साथ-साथ योगिक संस्कारों की शिक्षा देना परम आवश्यक है। आज की शिक्षा प्रकृति तक तो जाती है, लेकिन आत्मा और परमात्मा को नकारती या फिर धार्मिक मान्यताओं को बिना समझे उनसे दूरी बना कर रखना चाहती है।

विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी निजी, सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों में अनुशासन की आवश्यकता है। समय का अनुशासन यानी समय पर कक्षा तथा कार्यालय पहुंचना, समय पर अपने कार्य को निपटाना अनिवार्य होना चाहिए। किसी भी प्रकार का आलस्य तथा लापरवाही से बचना योग का प्रथम नियम है।

विद्यालयों में अहिंसा का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। जिस प्रकार हम में आत्मा है उसी प्रकार सभी जीवों में आत्मा है। सभी को आत्मवत समझना और हिंसा का त्याग कर देना। इसलिए हमारा भोजन भी अहिंसक होना जरूरी है अर्थात शाकाहारी होना चाहिए। लेकिन अहिंसा का यह अर्थ कदापि नहीं होना चाहिए कि हम अपने परिवार और राष्ट्र की रक्षा भी न करें। दुष्ट, अधर्मी, अत्याचारी के सामने साहस और दृढ़ता से खड़े होकर उसका नाश करना भी अहिंसा की रक्षा करना ही है।

विद्यार्थियों को सत्य आचरण की शिक्षा देना भविष्य में भ्रष्टाचार की समस्या को समाप्त करने में सहायक होगी। व्यवहार तथा व्यापार में विश्वास को स्थापित करेगी और विश्वास ही सुख व सफलता का आधार है। आज व्यापारियों के व्यवहार में विश्वास की कमी है। व्यापार में ढेरों प्रकार के अनुबंध होने के बाद भी लोग बेईमानी कर लेते हैं और न्यायालय में केस लड़ने वाले व्यापारियों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहती हैं। यह शिक्षा में सत्य आचरण ना होने के कारण है।

किसी भी पदार्थ की चोरी न करना, परिश्रम से धन कमाना, किसी के हिस्से को हड़पने का प्रयास न करना, चोरी की भावना नहीं रखना, धन-संपत्ति, विद्या आदि ऐसी किसी भी वस्तु, जिसे अपने पुरुषार्थ से नहीं कमाया, मन में चुराने का विचार भी नहीं लाना।

ब्रह्मचर्य की शिक्षा शरीर को बलिष्ठ तथा कठिन परिश्रम वाला बनाती है। आज संपूर्ण विश्व में जो भी व्यभिचार फैला हुआ है, उसी कारण वैवाहिक संबंधों में टकराव आ रहा है और तलाक की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल रूप लेती जा रही है। ब्रह्मचर्य अर्थात ब्रह्म की चर्या का आचरण करना और शरीर की अंतिम धातु 'वीर्य' की अधिक से अधिक रक्षा करना। जीवन को संयमित रूप से चलाना, सभ्य समाज में एक से अधिक शारीरिक संबंध बनाना अनैतिक है। परिवार और समाज की व्यवस्था को बिगड़ता है। इस कारण वासना को नियंत्रित करने के लिए ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए, जिससे पारिवारिक जीवन लंबे समय तक आनंद पूर्वक चले।

अपरिग्रह यानी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह प्रकृति में असंतुलन लाता है। जीवन में खर्चे तथा वस्तुओं का संग्रह जरूरत से अधिक नहीं होना चाहिए। कम से कम बिजली, पानी और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर किसी भी प्रकार से सरकारी संपत्ति को नुकसान न पहुंचाना। देश से लेने की बजाय देश को कुछ देने की भावना रखना तथा देश के लिए कुछ ना कुछ अपना श्रम देना आदि।

अपने शरीर, मन तथा नगर को स्वच्छ रखने की शिक्षा आवश्यक है। मौजूदा भारत सरकार ने स्वच्छता का अभियान चला कर योग के इस अंग को स्थापित करने का सराहनीय कार्य किया है। इस नियम को आध्यात्मिक स्तर पर भी गहराई तक स्थापित करने की आवश्यकता है।

बुद्धि पूर्वक तथा पूर्ण परिश्रम से काम कर उसकी सफलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करना और जो कुछ भी मिला, उसमें संतुष्ट रहना। असंतोषी स्वभाव हृदयाघात तथा ब्रेन हेमरेज का कारण बनता है। असंतोषी व्यक्ति कभी भी सुख शांति से जीवन यापन नहीं कर सकता है।

प्राण के स्तर पर तपस्या करना अर्थात प्राण को नियंत्रण में रखना। प्राणायाम द्वारा शारीरिक तथा मानसिक दोषों को दूर करना, उपवास, व्रत रखना इस प्रकार शरीर और मन हल्का अनुभव करता है और काम करने की शक्ति अधिक बढ़ जाती है। सर्दी-गर्मी, मान-अपमान तथा लाभ-हानि आदि द्वंद्वो में सम रहना। यह गुण तप के द्वारा अर्जित किए जा सकते हैं।

ज्ञानवर्धक आध्यात्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय तथा अपने स्वभाव का अध्ययन स्वअध्ययन कहलाता है। स्वअध्ययन से अपने भीतर दुर्गुणों को पहचान कर उन्हें निकालने का यत्न दृढ़ता पूर्वक करना चाहिए और गुणों का ग्रहण सदैव करते रहना चाहिए। जिस प्रकार व्यक्ति शीशे में अपना चेहरा देखता और फिर उसे साफ कर-के सुंदर बनाना चाहता है उसी प्रकार स्वाध्यायशील व्यक्ति अपने व्यवहार तथा आचरण को सुंदर बनाता है, जिसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

ईश्वर की सत्ता में पूर्ण विश्वास तथा समर्पण का भाव रखना चाहिए। इससे विद्यार्थियों में अहंकार का भाव जन्म नहीं लेता, जिससे उसके व्यवहार में नम्रता बनी रहती है। विनम्र स्वभाव ही परिवार तथा समाज में सफलता की नींव रखता है। विनम्र होना जीवन का सबसे अहम गुण है। विनम्र व्यक्ति से सभी प्रेम का संबंध बनाना चाहते हैं। विनम्र व्यवहार में सभी को जो आनंद मिलता है वह श्रेष्ठ है।

अगर योग शिक्षा को विद्यालयों में पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाए तो भारत कुछ ही वर्षों में अत्यंत बुद्धिमान, विनम्र, स्वाभिमानी, सेवाभावी तथा राष्ट्रभक्ति के साथ विश्व गुरु बन जाएगा और किसी धर्म, जाति, भाषा, प्रांत, तथा धर्मनिरपेक्ष विचारधारा को कोई हानि भी नहीं है। योग ही है, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने का कार्य करता है। केवल योग शिक्षा के माध्यम से भारत विश्व गुरु बनने का आदर्श स्थापित कर सकता है, क्योंकि योग शिक्षा का मूल मानवता है। मनुष्य में पंचकोश होते हैं और योग शिक्षा पंचकोश अर्थात शरीर, प्राण, मन, बुद्धि तथा आत्मा के स्तर तक मनुष्य को मनुष्य बनाती है। ■

विष्णु प्रभाकर

जन्म : 21 जून, 1912
निधन : 11 अप्रैल, 2009

शख्सियत

विष्णु प्रभाकर हिंदी के सुप्रसिद्ध रचनाकार थे। उन्होंने अनेक लघु कथाएं, उपन्यास, नाटक और यात्रा संस्मरण लिखे। उनके लेखन में देशप्रेम, राष्ट्रवाद तथा सामाजिक विकास मुख्य भाव रहे हैं।

प्रारंभिक जीवन

विष्णु प्रभाकर का जन्म उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के गांव मीरापुर में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा मीरापुर में ही हुई, बाद में उनकी माता ने उन्हें हिसार भेज दिया। दसवीं की परीक्षा उन्होंने वहीं से दी। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने दसवीं के बाद सरकारी नौकरी शुरू कर दी। नौकरी के साथ आगे की पढ़ाई भी जारी रखी। उन्होंने हिंदी में प्रभाकर और हिंदी भूषण की उपाधि के साथ ही संस्कृत में प्रज्ञा और अंग्रेजी में बीए की डिग्री हासिल की।

नौकरी के साथ-साथ उनकी रुचि साहित्य में भी जगी और हिसार में एक नाटक कंपनी के साथ जुड़ गए। उनकी पहली कहानी 'दिवाली की रात' 1931 में लाहौर से निकलने वाले समाचारपत्र 'मिलाप' में छपी थी, तब वे केवल उन्नीस वर्ष के थे। उसके बाद उनके लेखन का सिलसिला छिहत्तर साल की उम्र तक चलता रहा। आखिरकार उन्होंने लेखनी को अपनी पूर्णकालिक करिअर बना लिया था।

विष्णु प्रभाकर का नाम उनके जीवन काल में कई बार बदला। उनके माता-पिता ने उनका नाम विष्णु दयाल रखा था, पर प्राथमिक कक्षा में शिक्षक ने उनका नाम विष्णु गुप्त दर्ज कर दिया। जब वे सरकारी नौकरी में आए तो उनके अधिकारी ने उनका नाम बदल कर विष्णु धर्मादत्त कर दिया। पर वे लेखन विष्णु नाम से ही करते रहे। फिर उनके संपादक ने कहा कि क्यों न तुम आपना नाम बदल कर विष्णु प्रभाकर कर दो। तभी से उनका नाम विष्णु प्रभाकर हो गया।

प्रमुख रचनाएं

विष्णु प्रभाकर ने प्रचुर लेखन किया था, पर उन्हें अपने दो उपन्यासों 'आवारा मसीहा' और 'अर्धनारीश्वर' से काफी प्रसिद्धि मिली। 'आवारा मसीहा' बांग्ला कथा-शिल्पी शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन पर आधारित है। यह जीवनी होते हुए भी किसी रोचक उपन्यास से कम नहीं है। इसे लिखने में विष्णु प्रभाकर ने चौदह साल लगा दिए। 'आवारा मसीहा' की सबसे खास बात यह है कि इसमें कोई भी घटना काल्पनिक नहीं है। विष्णु प्रभाकर ने उन व्यक्तियों के साक्षात्कार लिए, जो किसी न किसी रूप में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय से संबंधित रहे। इसके अलावा उन्होंने उनके समकालीन मित्रों के लेख संस्मरण और अपनी रचनाओं में बिखरे प्रसंगों को लिखा।

इसके अलावा 'ढलती रात', 'स्वप्नमयी', 'धरती अब भी घूम रही है', 'क्षमादान', 'दो मित्र', 'पाप का घड़ा', 'होरी', 'नव प्रभात', 'प्रकाश और परछाइयां', 'बारह एकांकी', 'अब और नहीं', 'मेरा वतन', 'आदि और अंत', 'पंखहीन' उनकी प्रसिद्ध रचनाएं हैं।

सम्मान और पुरस्कार

कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, संस्मरण, बाल साहित्य सभी विधाओं में प्रचुर साहित्य लिखने के बावजूद 'आवारा मसीहा' उनकी पहचान का पर्याय बन गई। आवारा मसीहा के लिए उन्हें सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार से सम्मनित किया गया। 'अर्द्धनारीश्वर' के लिए उन्हें साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन्हें 1995 में महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार और 2004 में देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

निधनः लंबी बीमारी के बाद 2009 में उनका निधन हो गया। ■

भूल-चूक

तकनीकी गड़बड़ी के चलते पिछले हफ्ते शख्सियत स्तंभ के प्वाइंटर में रामप्रसाद बिस्मिल की जन्म और मृत्यु की तारीख गलत छप गई। इसका हमें खेद है। उनका जन्म 11 जून, 1897 और निधन 19 दिसंबर, 1927 को हुआ था।
- संपादक

नमकीन-दालमोठ

नमकीन की खपत हर घर में होती है। मेहमान आ जाएं, तो चाय के साथ नमकीन जरूर परोसा जाता है। वैसे भी घर में नमकीन ऐसी चीज है, जिसे खाकर हल्की-फुल्की भूख मिटाने में मदद मिलती है। आमतौर पर नमकीन बाजार से ही खरीदी जाती है। अनेक बड़ी कंपनियां पैकेट वाली नमकीन का कारोबार करती हैं। कुछ नमकीन बनाना जरूर थोड़े कौशल और मशक्कत का काम है, पर दालों से बनने वाली नमकीन बहुत आसानी से घर में बनाई जा सकती हैं। यह बाजार से सस्ती और अच्छी रहती है। दाल वाली नमकीन की खासियत यह भी है कि उसमें प्याज, टमाटर, नीबू का रस डाल कर उसे चटपटे नाश्ते के तौर पर भी खाया जा सकता है।

दाना-पानी

मानस मनोहर

दालों की नमकीन

नमकीन कई प्रकार की दालों से बनती है। उनमें मूंग, मोठ, चना दाल, साबुत मूंग, मसूर आदि शामिल हैं। दालों की नमकीन बनाने के लिए पहले दालों को भिगोना होता है। मूंग की दाल चूंकि सभी दालों में कोमल होती है, इसलिए जब भी बिना छिलके वाली मूंग दाल की नमकीन बनानी हो तो उसे एक घंटे से अधिक न भिगोएं। एक घंटे बाद उसका पानी निथार लें और कपड़े पर रख कर पानी सुखा लें।

अब कड़ाही में भरपूर तेल गरम करें। तेल रिफाइंड, अलसी या तिल का लें तो नमकीन के लिए बेहतर रहता है। सरसों तेल में झांस होती है, जिससे नमकीन का स्वाद बिगड़ सकता है। जब तेल गरम हो जाए तो आंच थोड़ी कम कर दीजिए और उसमें भीगी हुई मूंग की दाल डाल दीजिए। दो से ढाई मिनट में दाल पक कर तेल में तैरने लगेगी। उसे फटाफट छान कर निकाल लें। ज्यादा देर तलने से नमकीन का रंग बादामी हो जाएगा और खाने में कड़ा होगा। इसलिए उतनी ही देर तलें, जितने में उसका पानी सूख जाए। मूंग की दाल कोमल होती है, इसलिए उसे ज्यादा देर तक तलना ठीक नहीं होता।

अब इस तली हुई दाल में गरम रहते ही ऊपर से जरूरत भर का नमक डालें। चाहें तो काली मिर्च पाउडर भी डाल सकते हैं। चम्मच की मदद से उलटते-पलटते हुए नमक और मिर्च को नमकीन में मिला लीजिए। मूंग दाल की नमकीन तैयार है।

चना दाल नमकीन

चना दाल की नमकीन को बेसन की मोटी सेव के साथ मिला कर या फिर वैसे ही खाने में बहुत स्वाद आता है। कई जगह लोग इसे नाश्ते के तौर पर खाते हैं। इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च और हरा धनिया डाल कर चाट मसाले के साथ मिला कर स्वादिष्ट नाश्ता बन जाता है। इसलिए चना दाल की नमकीन बना कर रख लें और जब भी चाय के साथ खाना हो आनंद लीजिए। बच्चों को हल्की-फुल्की भूख में इसे खाने को दिया जाता है।

मूंग दाल नमकीन की तरह चना दाल की नमकीन बनाना भी बहुत आसान है। पर चना दाल थोड़ी सख्त होती है, इसलिए उसे कम से कम चार घंटे भिगो कर रखें। इससे दाल पूरी तरह नरम हो जाती है। नमकीन बनाने के लिए दाल का भीग कर नरम होना जरूरी है। फिर छान कर उसी तरह कपड़े पर पानी सुखा लें, जैसे मूंग दाल के लिए किया था।

अब कड़ाही में भरपूर तेल गरम करें। उसमें दाल को डालें और आंच को मध्यम कर दें। दाल की नमकीन बनाने के लिए आंच का ध्यान रखना जरूरी होता है। अगर आंच ज्यादा तेज होगी, तो नमकीन का रंग बदल जाएगा और बीच का हिस्सा ठीक से नहीं पकेका। अगर आंच कम होगी, तो नमकीन पकने में समय लेगी और सख्त हो जाएगी। इसलिए पहले तेल को ठीक से गरम हो जाने दें, फिर आंच को मध्यम कर दें। चने की दाल जब पक कर ऊपर तैरने लगे तो छान कर निकाल लें। चना दाल की नमकीन थोड़ी चरपरी अच्छी लगती है, इसलिए इसमें नमक के साथ बारीक पिसी लाल मिर्च और काली मिर्च का पाउडर भी डाला जाता है। तली हुई दाल में गरम रहते ही नमक और मिर्च पाउडर डालें और चम्मच की मदद से ठीक से मिला लें। चना दाल नमकीन तैयार है।

अन्य दालें : इसी तरह छिलके वाली मोठ, मसूर और मूंग की भी नमकीन बनाई जाती है। इन दालों को रात भर भिगो कर रखें। फिर निथार कर कपड़े पर सुखा लें और गरम तेल में डाल कर तल लें। ऊपर से नमक और मिर्च पाउडर डाल कर मिला लें।

मसाला मूंगफली

मसाला मूंगफली भी लोकप्रिय नमकीन है। चाय के साथ या स्नेक्स के तौर पर मसाला मूंगफली काफी पसंद की जाती है। इसे घर में आसानी से बनाया जा सकता है। मसाला मूंगफली बनाने के लिए मूंगफली को बेसन के घोल में लपेटा जाता है। इसलिए इसके लिए पहले बेसन का गाढ़ा घोल तैयार करें। उसमें लाल मिर्च और काली मिर्च का पाउडर, हींग, हल्दी पाउडर और नमक डालें। ध्यान रखें कि घोल ऐसा होना चाहिए, जो मूंगफली के दानों पर अच्छी तरह चिपक जाए।

एक कड़ाही में भरपूर तेल गरम करें। तेल गरम हो जाए तो आंच को मध्यम कर दें। अब बेसन के घोल में मूंगफली के कच्चे दाने डालें और ठीक से उन पर बेसन की परत चढ़ा लें। हाथ से उठाते हुए मूंगफली के दानों को कड़ाही में इस तरह डालें कि सारे दाने अलग-अलग गिरें। अगर कुछ दाने आपस में चिपक रहे हों, तो उन्हें सावधानी से अलग कर दें। जब पक कर दाने ऊपर तैरने लगें और बेसन का रंग सुनहरा हो जाए तो समझें नमकीन तैयार है। उसे बाहर निकाल लें और उनके गरम रहते ही उस पर चाट मसाला बुरक कर ठीक से मिला लें। मसाला मूंगफली तैयार है। ■

माइग्रेन की समस्या

सेहत

कई बार हमें लगता है कि चक्कर आना, उल्टी आना या फिर मन घबराने का कारण कम रक्तचाप (लो ब्लड प्रेशर) या शारीरिक कमजोरी है, जबकि ऐसा नहीं है। डॉक्टरों की मानें तो ये लक्षण माइग्रेन के भी हो सकते हैं। माइग्रेन का मतलब केवल सिर में दर्द होना नहीं, बल्कि इसके लक्षण इतने बारीक होते हैं कि ऊपर-ऊपर से ये शारीरिक कमजोरी या फिर किसी विटामिन की कमी से होने वाली बीमारी जान पड़ते हैं।

माइग्रेन को अधकपारी भी कहते हैं। यह एक जटिल विकार है, जिसमें बार-बार मध्यम से तेज सिरदर्द होता है। यह दर्द सिर के किसी खास हिस्से में या फिर पूरे सिर में हो सकता है। यह दर्द महीने में एक बार या हफ्ते में दो बार या फिर साल में एक बार भी हो सकता है। माइग्रेन का दर्द चार घंटे से बहत्तर घंटे तक का हो सकता है। वहीं लंबे समय से पीड़ित मरीजों में आंखों की रोशनी भी कम हो जाती है। बावजूद इसके, कई लोग माइग्रेन को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

लक्षण

माइग्रेन का मुख्य लक्षण सिरदर्द है, लेकिन यह सामान्य रूप से होने वाले सिरदर्द से काफी अलग होता है। किसी तरह की एलर्जी, प्रकाश और तनाव माइग्रेन के कारणों में प्रमुख हैं। वहीं कुछ लोगों में माइग्रेन के दौरान जी मिचलाना, उलटी, हाथ-पैर में झनझनाहट जैसी शिकायतें भी होती हैं। इसमें रक्त प्रवाह के धीमा हो जाने से मरीज के हाथ-पैर ठंडे पड़ जाते हैं। वहीं इसका दर्द तेज रोशनी और आवाज में बढ़ जाता है। आमतौर पर सिर दर्द में दर्द की दवा लेने के बाद थोड़ी देर में आराम मिल जाता है, जबकि इसका दर्द कम से कम चार घंटे या अधिकतम बहत्तर घंटे तक रह सकता है। माइग्रेन से पीड़ित व्यक्ति नींद न आने की समस्या से भी ग्रसित हो सकता है।

तनाव है सबसे बड़ा कारण

अमेरिकी माइग्रेन एसोसिएशन के अनुसार, करीब साढ़े छह करोड़ अमेरिकी माइग्रेन से पीड़ित हैं। अध्ययन बताते हैं कि इस बीमारी से महिलाएं ज्यादा पीड़ित रहती हैं। वहीं ऐसा नहीं कि यह बीमारी किसी खास उम्र वालों को होती है। आज इसकी चपेट में स्कूली बच्चों से लेकर घर में काम करने वाली महिलाएं भी हैं। माइग्रेन की शुरुआत बचपन, किशोरावस्था या वयस्क होने पर कभी भी हो सकती है। ज्यादातर लोगों को पंद्रह से पचपन साल की उम्र में माइग्रेन का सिरदर्द होने लगता है।

डॉक्टरों के मुताबिक इसका सबसे बड़ा कारण भागदौड़ भरी जिंदगी और इससे उत्पन्न हुए तनाव और खराब दिनचर्या है। हालांकि इस बीमारी का कोई खास कारण नहीं होता, वहीं इसके होने में जेनेटिक और पर्यावरणीय कारकों की भूमिका मानी जाती है।

एहतियाती उपाय

वर्तमान में माइग्रेन का कोई अचूक इलाज नहीं है। इसके उपचार में जीवनशैली में परिवर्तन शामिल हैं, जो माइग्रेन को कम करने में मदद कर सकता है।

- भरपूर नींद लें।
- तनाव को कम करें।
- ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं।
- आहार में सुधार करें।
- संतुलित दिनचर्या का पालन करें। समय पर सोएं और समय पर उठें।
- नियमित रूप से व्यायाम करें या फिर सुबह की सैर पर जाएं।
- दर्दनिवारक दवाओं का कम से कम इस्तेमाल करें।

कुछ चीजों को ना कहना सीखें

- खाने-पीने की कुछ चीजें जैसे कि पुराना पनीर, शराब और खाद्य योजक जैसे नाइट्रेट्स (पेपरोनी, हॉट डॉग, लंचमेट्स) और मोनोसोडियम ग्लूटामेट (एमएसजी) तीस फीसद तक माइग्रेन के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं, इसलिए ऐसी चीजों का ना कहना सीखें।
- अत्यधिक मात्रा में कैफीन के सेवन से भी सिर दर्द की समस्या होती है।
- काम के चक्कर में या फिर अन्य कारणों से ज्यादातर लोग खाना समय पर नहीं खातें या फिर खाते भी हैं तो दोपहर का भोजन करते हैं, तो रात का खाना नहीं और रात का खाना खाते हैं तो दोपहर का खाना नहीं। अगर आप भी खाना खाने को ज्यादा महत्त्वपूर्ण नहीं मानते तो इस आदत को बदल डालें, क्योंकि ये आदतें भी माइग्रेन के लिए जिम्मेदारी होती हैं। ■

छुट्टियों को बनाएं मजेदार

गर्मी की छुट्टियां आते ही कई माता-पिता के सामने समस्या खड़ी हो जाती है कि वे अपने बच्चों को कैसे व्यस्त रखें। खासकर कामकाजी लोगों के सामने यह समस्या कुछ अधिक होती है। गर्मी की धुट्टियां चल रही हैं तो क्यों न बच्चों को कुछ ऐसी गतिविधियां सिखाई जाएं, जो उन्हें व्यस्त रखने के साथ-साथ उनके हुनर को संवारें और उनकी गर्मी की छुट्टियों को मजेदार भी बनाएं। इन छुट्टियों में बच्चे क्या-क्या सीख सकते हैं इस बारे में बता रही हैं मीना।

ऋषभ और रीना की शरारतों से उनकी मां बहुत तंग हो गई हैं। वे कहती हैं कि जब तक ये स्कूल जाते हैं, तब तक तो घर में शांति रहती है, लेकिन जैसे ही छुट्टियां शुरू हो जाती हैं, ये बच्चें तो घर सिर पर उठा लेते हैं। मैं तो इनको संभालते-संभालते परेशान हो जाती हूं। यह परेशानी केवल रेखा की नहीं है, बल्कि गर्मी की छुट्टियों में ज्यादातर माता-पिता का यही हाल रहता है। इन छुट्टियों में बच्चों को संभालना उन अभिभावकों के लिए और बड़ी चुनौती होती है, जो कामकाजी हैं।

गर्मी की छुट्टियों में अगर बच्चों को घर के बाहर खेलने-कूदने जैसी कुछ गतिविधियां न कराई जाएं तो बच्चे घर में टीवी पर कार्टून देख-देख कर बोर हो जाएंगे। इसलिए बेहतर है कि इन छुट्टियों में बच्चों को गृहकार्य कराने के साथ कुछ ऐसे गुर सिखाएं, जो उन्हें हमेशा काम आते रहें।

बच्चों की रुचि जानें

हर बच्चे में कोई न कोई हुनर होता है। इसलिए सबसे पहले अपने बच्चे के हुनर को पहचानें और उसे उसका प्रशिक्षण दिलाएं। बच्चों को खुद फैसला करने दें कि उन्हें छुट्टियों में क्या सीखना है। अभिभावक होने के नाते उन पर अपनी रुचि थोपने की कोशिश न करें।

नृत्य और नाटक

नाटक एक ऐसी कला है, जो हर बच्चे में होती है। दरअसल, बच्चों को मालूम होता है कि उन्हें अपनी बात कैसे मनवानी है। माता-पिता से अपनी बात मनवाने के लिए वे न जाने कितने तरह के नाटक करते हैं। कभी फोन खरीदवाना है, तो माता-पिता को मस्का लगाएंगे, तो कभी कपड़े खरीदवाने हैं तो आपको मनाएंगे। बच्चों में थियेटर का मूल गुण बचपन से ही होता है। अगर आपको लगता है कि आपके बच्चे की थियेटर में रुचि है, तो उसे इन छुट्टियों में थियेटर की कक्षाएं जरूर दिलाएं।

आजकल नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह एक कमाई का जरिया भी है। नृत्य साधना भी है और अपने भावों को प्रकट करने की कला भी। अगर आपके बच्चे में नृत्य का हुनर या उसे शौक है तो नृत्य की कक्षा में उसे भेजें।

कम्प्यूटर

आजकल कम्प्यूटर के बहुत अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शुरू हो गए हैं। अगर आपके बच्चे में कम्प्यूटर या तकनीक को लेकर दिलचस्पी है, तो उसे यह जरूर सिखाएं। कम्प्यूटर कोर्स तो कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी भी कर सकते हैं, पर छोटे बच्चों को अगर कुछ भी न मालूम हो तब भी कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी तो उन्हें होनी ही चाहिए। ताकि बच्चा तकनीक के साथ कदमताल करता रहे। इससे आने वाली पीढ़ी भी तकनीकी रूप से सक्षम होगी और देश में नए आविष्कार होंगे।

तैराकी

तैराकी कला बड़ी अनोखी है। यह किसी को मुसीबत से तो बचाती है तो साथ ही बच्चे में आत्मविश्वास भी लाती है। यह व्यायाम का बेहतरीन साधन भी है। गर्मी की छुट्टी अभी बाकी हैं, इसलिए आपके पास अब भी मौका है तैराकी सीखने का। यह एक ऐसी कला है, जो जीवन में कभी भी आपको काम आ सकती है। अगर आपके बच्चे का मन खुश नहीं है और तैराकी उसका पैशन है तो वह इसे करके खुश हो सकता है।

भाषा-कौशल

भाषा का एक बड़ा व्यापार तैयार हो रहा है और चूंकि भारत विभिन्न भाषाओं का देश है, इसलिए यहां भाषा के क्षेत्र में व्यापार की संभावना हमेशा बनी रहती है। तो अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा किसी भाषा को जल्दी सीख सकता है, तो उसे इन छुट्टियों में उस भाषा का प्रशिक्षण दिलाएं। वैसे अमूमन देखा गया है कि इस देश में ज्यादातर युवा अंग्रेजी सीखना चाहते हैं। जब उन्हें अंग्रेजी बोलने नहीं आता, तो वे खुद को अन्य के मुकाबले में कमजोर समझने लगते हैं। उनका आत्मविश्वास खत्म होने लगता है। बच्चों में यह कमी न हो इसके लिए आप उन्हें अंग्रेजी सीखने के कुछ पाठ्यक्रम करा सकते हैं। यह कौशल उन्हें हमेशा काम आएगा। यह जरूरी नहीं है कि आप बच्चे को अंग्रेजी ही सीखाएं। जिस भाषा को सीखने में बच्चे की रुचि हो वही भाषा उसे सीखाएं। जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी, रूसी आदि भाषाएं सिखाने के केंद्र आजकल हर बड़े शहर में खुल गए हैं। वहां अपने बच्चे को भेज सकते हैं।

बागवानी

बच्चे पर्यावरण के बारे में केवल किताबों में पढ़ते हैं। असल जीवन में उन्हें प्रकृति के बारे में बहुत जानकारी नहीं होती। बच्चों को प्रकृति प्रेमी बनाने के लिए बागवानी सिखाएं। इससे बच्चे प्रकृति और पर्यावरण के बारे में तो समझेंगे ही साथ उनके मन को भी सुकून मिलेगा। इसके साथ ही गर्मी से हम सबको राहत मिलेगी।

पढ़ने में भी रुचि बनाए रखें

ऐसा भी न हो कि बच्चा छुट्टियों में केवल मौज-मस्ती करता रह जाए। उसे पढ़ने के लिए कुछ अच्छी कहानियों या कॉमिक की किताबें भी लाकर दें। वहीं युवा छात्र जो कॉलेज जाते हैं, वे भी कुछ अच्छा साहित्य पढ़ कर अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं। ऐसा करने से पढ़ाई की आदत भी बनी रहती है। एक निजी स्कूल में पढ़ाने वाली नेहा का कहना है अगर बच्चों को छुट्टियों में गृहकार्य न दिया जाए तो उनकी पढ़ने की आदत खत्म होने लगती है। दूसरा उनका पूरा ध्यान सिर्फ खेल में रहता है। यही कारण है कि बच्चे जब छुट्टियों से वापस स्कूल आते हैं, तो हमें उन्हें पढ़ाने में कुछ समस्या रहती है। कुछ समय तो वो छुट्टी के मूड में ही रहते हैं। इसलिए हमें बच्चों को गृहकार्य देना अनिवार्य हो जाता है।

समय सारणी

छुट्टियों का सदुपयोग तभी हो सकता है जब बच्चे की पूरी दिनचर्या की समय सारणी हो। ताकि बच्चा समय पर अपना काम करे और स्कूल खुलने पर शिक्षक यह शिकायत न कर पाएं की बच्चा बत्तमीज हो गया है। दरअसल, जैसे ही छुट्टियां खत्म हो जाती हैं तब कुछ शिक्षक यह भी शिकायत करते हैं कि बच्चा पहले पढ़ने में अच्छा था और समय पर काम कर लेता था, पर अब नहीं करता। तो अगर आप बच्चे की समय सारणी छुट्टियों में भी बना कर रखेंगे, तो बच्चे की स्कूल से भी शिकायत नहीं आएगी। ❑

नन्ही दुनिया

मोंकू की समझदारी

कहानी

गोविंद भारद्वाज

महाराज, आज अचानक आपात बैठक बुलाने का क्या कारण है?' सुंदरवन के मंत्री बग्घासिंह ने राजा नाहरसिंह से पूछा। नाहरसिंह ने कहा, 'आजकल हमारे सुंदरवन में शहर से आने वाले शिकारियों का दखल बढ़ गया है। वे आए दिन हमारे साथियों का शिकार करके ले जा रहे हैं। पिछले एक महीने में शिकारियों के दल ने हमें काफी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कई बंदरों, भालुओं, हिरणों और हाथियों को अपना शिकार बनाया है। हमें उनसे बचने के लिए कोई न कोई उपाय सोचना चाहिए, वरना एक दिन हम सब मारे जाएंगे और सुंदरवन में शिकारियों का राज हो जाएगा।'

राजा नाहरसिंह की बात सुन कर सबके कान खड़े हो गए और उनके चेहरों पर चिंता की रेखाएं उभर आईं। लोमड़ी ने हाथ जोड़ कर कहा, 'महाराज सचमुच यह तो बड़ा गंभीर मामला है। हमें तुरंत कोई न कोई कारगर कदम उठाना चाहिए।' 'हां... हां... कोई ठोस कदम उठाना चाहिए।' सारे जीव-जंतु एक स्वर में बोल उठे।

हाथियों के सरदार गजराज ने कहा, 'मेरा सुझाव है कि शिकारियों को ऐसा सबक सिखाना चाहिए, ताकि वे सुंदरवन की ओर मुंह करके भी सोना भूल जाएं।'

'क्या करना चाहिए मित्रो, कोई सुझाव दो।' नाहर सिंह ने कहा।

उनकी बातें बंदर मोंकू सुन रहा था। वह भरी सभा में खड़ा हुआ और बोला, 'महाराज आप आज्ञा दें, तो मेरे पास एक ऐसा उपाय है, जिससे शिकारी तो क्या उनकी आने वाली नस्लें भी कभी सुंदरवन की ओर आंख उठा कर नहीं देखेंगी।'

'अरे मोंकू देर किस बात की है, जल्दी बताओ उपाय।' नन्हे खरगोश ने उछलते हुए कहा। मोंकू बोला, 'मैं आपका साथ लेना चाहता हूं और बाकी का काम मेरी टीम कर देगी।' 'जरूर-जरूर, मैं हर तरह से तुम्हारी योजना के साथ हूं।' नाहरसिंह ने कहा। मोंकू बोला, 'महाराज एक महीने में शिकारियों को मैं जरूर सबक सिखा दूंगा।' यह सुनकर हिरण, भालू, जेबरा, खरगोश, हाथी, जिराफ, बाघ, चीता, लोमड़ी सभी बहुत खुश हुए।

मोंकू ने पच्चीस-तीस युवा बंदरों को अपने घर बुलाया। उनको अपनी योजना समझाते हुए कहा, 'देखो यह मिशन कामयाब हो जाएगा, तो हम सभी सुखी हो जाएंगे।'

लालू बंदर ने कहा, 'भैया इस मिशन का नाम तो रखो, ताकि...।'

'हां... हां, लालू तुमने ठीक कहा, इस मिशन का नाम होगा 'ऑपरेशन ग्रीन स्टार'।

योजना के अनुसार दस बंदरों को मोंकू ने शहर भेजा। वे वहां से बीस गुलेल और एक बोरे में लाल मिर्ची पाउडर ले आए। मोंकू ने उन्हें कुछ दिनों तक प्रशिक्षण दिया और उन्हें होशियार रहने की हिदायत दी। कुछ दिनों बाद कौओं के सरदार कालू ने आकर मोंकू को बताया कि, 'कुछ शिकारी हाथों में बंदूकें लिए सुंदरवन की तरफ आते हुए दिखाई दे रहे हैं।'

'धन्यवाद कालू, तुमने हमें समय रहते सूचना दे दी।' मोंकू ने कहा। कुछ देर बाद उसने अपनी सारी टीम को एक जगह बुलवा लिया और उन्हें अपना-अपना काम समझा दिया।

शिकारियों का झुंड धीरे-धीरे वन में घुसने लगा। दबे पांव वे बंदूक ताने आगे बढ़ रहे थे कि उनके ऊपर गुलेलों से पत्थरों की बौछार शुरू हो गई। वे संभलते, उससे पहले उन जख्मी शिकारियों की आंखों में लाल मिर्ची डाल दी गई। इस दोहरे प्रहार से शिकारियों की बंदूकें हाथों से छूट गईं। कुछ बंदरों ने मौका देखकर उन्हीं की बंदूकों से हवाई फायर शुरू कर दिए। शिकारियों में खलबली मच गई। आंखों में जलन के कारण उन्हें भागने में भी बड़ी असुविधा हो रही थी। 'मर गए... मर गए' कहते हुए वे शहर की तरफ दौड़ पड़े। गिरते-पड़ते किसी तरह वे अपनी जान बचा कर सुंदरवन से निकल गए।

उनके जाते ही मोंकू बंदर की युवा टीम खुशी से उछल पड़ी और चिल्लाने लगी, 'ऑपरेशन ग्रीन स्टार जिंदाबाद।' मोंकू के चेहरे पर मुस्कान छा गई। नाहर सिंह को मोंकू की कामयाबी की सूचना मिली, तो वह बड़ा खुश हुआ। उसने मोंकू को उसकी समझदारी के लिए शाबासी दी।

मोंकू ने नाहरसिंह से कहा, 'महाराज अभी खतरा टला नहीं है... वे पुनः हमसे बदला लेने के लिए कोई न कोई षड्यंत्र रचेंगे।'

'तुम चिंता मत करो मोंकू, वह वक्त आएगा, तब भी हम कामयाब होंगे।' नाहरसिंह ने उसकी पीठ थपथपाते हुए कहा।

वास्तव में कुछ दिनों बाद शिकारियों ने अपने अपमान का बदला लेने के लिए राजा नाहरसिंह को एक षड्यंत्र के माध्यम से अकेले में घेर लिया। 'कहो नाहरसिंह... किसने हम पर हमला किया था उस दिन? उनका नाम बताओ या फिर मरने के लिए तैयार हो जाओ।' शिकारियों में से एक शिकारी ने बंदूक उसकी तरफ तान कर कहा।

नाहरसिंह ने बुद्धिमानी और समय की नजाकत को देख कर कहा, 'हां... हां, मुझे मालूम है कि इस घटना के पीछे किसका हाथ है।'

'जल्दी से हमें उनके पास ले चलो, वरना भेजे में गोली मार देंगे हम।' शिकारियों ने कहा। नाहरसिंह थोड़ी दूर उनको साथ लेकर गया और एक पेड़ के पास जाकर बोला, 'यह इन मधुमक्खियों का किया-धरा है, भाइयो।' इतना सुनते ही एक शिकारी ने तैस में आकर मधुमक्खियों के छत्ते पर गोली चला दी। फिर क्या था, सारी मधुमक्खियों ने उन शिकारियों पर इतना जबर्दस्त हमला बोला कि वे अपनी जान बचा कर भागने लगे। देखते ही देखते सभी शिकारियों का बुरा हाल हो गया। उन्होंने नाहरसिंह से माफी मांगी और बोले, 'हमें माफ कर दीजिए, हम कभी इस जंगल में नहीं आएंगे। इन मधुमक्खियों से हमारी जान बचा दीजिए।' उसी समय मोंकू की टीम वहां पहुंच गई। उन्हें देख कर नाहरसिंह ने कहा, 'मोंकू तुम सचमुच बड़े बुद्धिमान हो। तुम्हारी बनाई दूसरी योजना भी सफल हो गई।' मोंकू ने मधुमक्खियों से कहा, 'बहनो, छोड़ दो इन बदमाशों को। हम जानवर जरूर हैं, पर इन लोगों से तो बेहतर हैं।' मधुमक्खियों ने हमला रोक दिया। शिकारी वहां से ऐसे भागे जैसे गधे के सिर से सींग।

इसके बाद सुंदरवन में शिकारियों का आना बंद हो गया। सबका जीवन मोंकू की सूझबूझ से बच गया। ❑

कविता

नागेश पांडेय 'संजय'

अहा! दोस्ती जिंदाबाद

अहा! दोस्ती जिंदाबाद।

मिलजुल कर जो रहते,
सबसे ही करते हैं प्यार।
उनको दोस्त बनाने को,
सब रहते हैं तैयार।
मेलजोल है इसकी खाद,
अहा! दोस्ती जिंदाबाद।

नहीं दोस्ती में होता है,
जाति-पांति या धर्म।
आपस में दिल मिल जाते हैं,
यही अनूठा मर्म।
रहता साथ सदा आबाद,
अहा! दोस्ती जिंदाबाद।

छोटा-बड़ा न ऊंचा-नीचा,
सब हैं एक समान।
सच्चे दोस्त सदा करते हैं
सबका ही सम्मान।
बात सदा यह रखना याद,
अहा! दोस्ती जिंदाबाद। ❑

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

आसन / आसन्न

बैठने की वस्तु जैसे कुर्सी, चौकी आदि को **आसन** कहते हैं। आसन का एक अर्थ बैठने के ढंग, तरीके से भी है। जैसे योगासन। जबकि **आसन्न** का मतलब होता है निकट आया हुआ, समीपस्थ। जैसे परीक्षा आसन्न है।

अगम / आगम

ऐसा स्थान जहां तक पहुंचना मुश्किल हो, दुर्गम को **अगम** कहते हैं। जिसकी थाह न लगे, यानी अथाह के लिए भी अगम शब्द का प्रयोग होता है। जबकि **आगम** का अर्थ है आने वाला, भविष्यत काल। वेद-शास्त्रों को भी आगम कहते हैं।

नटखट

प्रस्तुति- एकलव्य

कलरिंग कैट

अपनी पसंद के रंगों से बिल्ली को सुंदर बनाओ.

क्या है आपका जवाब

इनमें से देश का कौनसा शहर कर्क रेखा पर है?

अ अगरतला
ब जयपुर
स भोपाल
द रांची

दुनिया उल्टी-पुल्टी

है तुम्हें मालूम ?

टर्की के सुल्तान -मुस्तफा ने बेटी की चाहत में कई निकाह किए और ढ़ेरों संतान. लेकिन बेटी ना मिली. उनकी सभी बेगमों के बेटे हुए और एक दो नहीं जनाब उनके कुल 582 बेटे थे.